राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

वर्ष : 11
अंक : 231
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
शुक्रवार 04 मार्च 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

नई दिल्ली से प्रकाशित

मुख्य अपडेट
पेज 2 यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों की मदद पर विचार करें सरकार : सुप्रीम कोर्ट
पेज 3 गुरुग्राम में सड़क हादसे में 5 लोगो की मौत, ब्रांच मैनेजर का बर्थडे सेलिब्रेट करके लौट रहे थे पांचों
पेज 5 कुशीनगर : स्वामी प्रसाद मौर्य के बेटे के खिलाफ केस, अशोक मौर्य को चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक जिले की सीमा में न आने

18000 भारतीयों ने यूक्रेन छोड़ा, 6400 वापस घर आए

खारकीव में अभी भी फंसे भारतीय, अगले 24 घंटों में, 18 उड़ानें निर्धारित की गई है

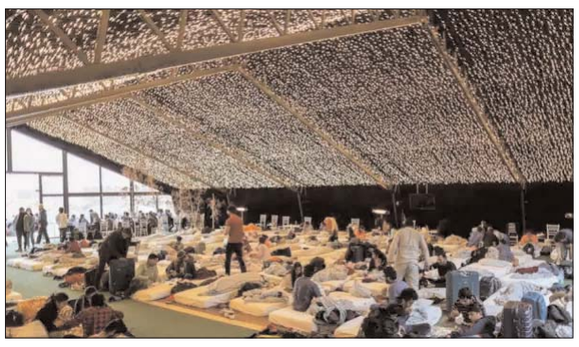

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि उड़ानों की यह संख्या उन बड़ी संख्या में भारतीयों को दर्शाती है जो यूक्रेन से पार कर गए हैं और अब पड़ोसी देशों में हैं। हम इन सभी भारतीय नागरिकों को जल्द से जल्द भारत वापस लाने के प्रयास कर रहे हैं।

एजेंसी

नई दिल्ली। यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद से करीब 18 हजार भारतीय युद्धग्रस्त देश को छोड़ चुके हैं। ये जानकारी भारतीय विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को दी। विदेश मंत्रालय ने कहा, 'हमारी पहली एडवाइजरी जारी होने के बाद से कुल 18,000 भारतीय नागरिक यूक्रेन की सीमा छोड़ चुके हैं। ऑपरेशन गंगा के तहत 30 उड़ानें अब तक यूक्रेन से 6,400 भारतीयों को वापस ला चुकी हैं। अगले 24 घंटों में, 18 उड़ानें निर्धारित की गई हैं।'

विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा,हमें यूक्रेनी अधिकारियों के सहयोग से पता चला है कि, कई छात्रों ने कल खारकीव छोड़ दिया। कुछ अभी भी फंसे हुए हैं। उनको निकालने के लिए हम यूक्रेन और रूस के संपर्क में हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि शुरुआत में यूक्रेन में 20,000 भारतीय नागरिकों का पंजीकरण किया गया था, लेकिन कई ऐसे भी थे जिन्होंने पंजीकरण नहीं कराया था। हमारा अनुमान है कि कुछ सौ नागरिक अभी भी खारकीव में रह रहे हैं। हमारी प्राथमिकता छात्रों को सुरक्षित रूप से बाहर ले जाना है।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि यूक्रेन में फंसे भारतीयों को वापस लाने के अभियान की गति लगातार तेज हो रही है। इसने बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान भारत में 15 उड़ानें उतरीं, 3,000 से अधिक भारतीयों को वापस लाया गया है। यूक्रेन से निकासी प्रक्रिया पर बयान देते हुए विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारतीयों को वापस लाने के वास्ते अगले 24 घंटों के लिए 18 उड़ान निर्धारित की गई हैं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि उड़ानों की यह संख्या उन बड़ी संख्या में भारतीयों को दर्शाती है जो यूक्रेन से पार कर गए हैं और अब पड़ोसी देशों में हैं। हम इन सभी भारतीय नागरिकों को जल्द से जल्द भारत वापस लाने के प्रयास कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, यूक्रेन से भारतीयों को लाने के लिए लगाई गईं फ्लाइट्स में 3 फ्लाइट भारतीय वायुसेना सी-17 हैं बाकी के कमर्शिलय फ्लाइट हैं, जिनमें एयर इंडिया, ईंडिको,स्पाइस जेट, गो एयर और गो फर्स्ट के फ्लाइट है।

विदेश मंत्रालय ने कहा, हम और उड़ानें शेड्यूल कर रहे हैं और अगले 2-3 दिनों में बड़ी संख्या में भारतीय वापस लौट आएंगे। मैं अपने लोगों की मेजबानी करने और उन्हें निकालने में सहायता प्रदान करने के लिए यूक्रेन की सरकार और पड़ोसी देशों की सराहना करना चाहता हूं।

यूक्रेन से लौटे छात्रों से मिले पीएम मोदी

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूक्रेन से लौटे छात्रों से बृहस्पतिवार को वाराणसी में मुलाकात की। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उनके भविष्य का सरकार ख्याल रखेगी। वहां फंसे सभी छात्रों को निकालकर भारत लाना है प्राथमिकता है। इस दौरान छात्रों ने प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया।

वाराणसी, भदोही, जौनपुर, मिर्जापुर, प्रयागराज, प्रतापगढ़, गाजीपुर, आजमढ़ सहित अन्य जिलों के छात्र एवं छात्राएं एयरपोर्ट पर पहुंचे। इस दौरान प्रधानमंत्री से पहली बार मिलने को लेकर छात्र काफी प्रसन्न दिखाई दिए। एयरपोर्ट प्रशासन द्वारा सभी छात्रों का पास पहले से ही बनाकर तैयार था।

प्रधानमंत्री जैसे ही लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर पहुंचे छात्र और छात्रों का दल प्रधानमंत्री से मिला।

इस दौरान प्रधानमंत्री ने सभी छात्रों से हालचाल पूछा। सभी छात्रों ने अपनी समस्याएं प्रधानमंत्री से बताईं। इस दौरान प्रधानमंत्री ने छात्रों को आश्वस्त करते हुए कहा को जो भी समस्या है आप सभी के हित को ध्यान में रखते हुए उसका निस्तारण किया जाएगा। साथ ही यूक्रेन में फंसे हुए सभी छात्रों को जल्द से जल्द सकुशल भारत लाया जाएगा। इसपर छात्रों ने प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया।

राहुल का यूक्रेन से छात्रों की सुरक्षित वापसी पर जोर

नयी दिल्ली। संसद की विदेश मंत्रालय से संबंद्ध समिति में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सरकार को कहा है कि रूस और यूक्रेन में जारी युद्ध के बीच प्राथमिकता भारतीय छात्रों की सुरक्षित वापसी होनी चाहिए और इस दिशा में ज्यादा प्रयास किए जाने जाने चाहिए। गांधी ने कहा , फिलहाल तो हमारी प्राथमिकता यूक्रेन से अपने छात्रों को सुरक्षित निकालना होना चाहिए। युद्ध की स्थिति हमेशा चुनौतीपूर्ण होती है और इस तरह की स्थिति में संकट का ठोस समाधान नहीं होता है।

केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री, श्री मुख्तार अब्बास नकवी नई दिल्ली में इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 'ऑपरेशन गंगा' के दौरान यूक्रेन से सुरक्षित निकाले गए भारतीय नागरिकों का स्वागत करते हुए।

कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या 80 हजार से नीचे

पिछले 24 घंटों के दौरान सक्रिय मामलों में 8528 की गिरावट आई

नयी दिल्ली। देश में कोरोना संक्रमण के मामलों में लगातार हो रही गिरावट के बीच पिछले 24 घंटों के दौरान दैनिक संक्रमितों की तुलना में अधिक मरीज स्वस्थ हुए, जिससे कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या 80 हजार से नीचे आ गयी।

स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान सक्रिय मामलों में 8528 की गिरावट आने से देश भर में 77,152 सक्रिय मामले रह गये हैं। देश भर में पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के 6,561 नए मामले दर्ज हुए हैं, जबकि इससे 142 लोगों की मौत हुई है, जिससे संक्रमितों की कुल संख्या 42938599 हो गई है तथा मृतकों की संख्या 514388 पर पहुंच गई है। इस महामारी से अब तक 42353620 लोगों को निजात मिल गई है, जबकि 1,78,02,63,222 लोगों ने कोरोना की वैक्सीन ले ली है।

फिलहाल देश में कोरोना से होने वाली मृत्यु दर 1.20 प्रतिशत बनी हुई हैं, जबकि 0.18 फीसदी सक्रिय मामले हैं।

केरल में पिछले 24 घंटे में सक्रिय मामलों में 3248 की कमी आने के बाद इनकी संख्या घटकर 22467 रह गयी। वहीं, 5525 लोगों के स्वस्थ होने के बाद इससे निजात पाने वाले लोगों की संख्या 6416369 हो गयी है, जबकि मृतकों का आंकड़ा 65597 हो गया है।

वहीं, महाराष्ट्र में सक्रिय मामले 463 घटकर 9643 रह गये हैं। इस दौरान राज्य में 1007 लोग स्वस्थ हुए, जिसके बाद इस महामारी को मात देने वालों की संख्या बढ़कर 7713575 हो गयी। राज्य में मृतकों का आंकड़ा 143706 पर स्थिर है।

तमिलनाडु में इस दौरान सक्रिय मामले 629 घटकर 4437 रह गये है। वहीं 946 लोगों के स्वस्थ होने के बाद इस महामारी से मुक्त होने वालों की कुल संख्या 3407595 हो गयी है, जबकि तीन व्यक्ति की मौत होने के बाद मृतकों का आंकड़ा 38009 हो गया है।

कर्नाटक में सक्रिय मामलों की संख्या 640 घटकर 4245 रह गयी है। इस दौरान 816 मरीजों के ठीक होने से इस महामारी को मात देने वालों की कुल संख्या बढ़कर 3897239 हो गयी है। वहीं 12 और मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 39969 पर पहुंच गया है।

पूर्वोत्तर राज्य मिजोरम में सक्रिय मामले 406 घटकर 6015 रह गये हैं और कोरोनामुक्त होने वालों की कुल संख्या 209363 हो गयी है, जबकि मृतकों का आंकड़ा 658 पर स्थिर है।

राजस्थान में कोरोना के सक्रिय मामले 521 घटकर 3525 रह गये हैं। वहीं कोरोना मुक्त होने वालों की संख्या 1267244 हो गयी है तथा मृतकों का आंकड़ा 9539 हो गया।

उत्तर प्रदेश में कोरोना के सक्रिय मामले 291 घटकर 3006 रह गये हैं और संक्रमण से निजात पाने वालों की कुल संख्या 2041831 हो गयी है, वहीं मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 23468 तक पहुंच गया है।

मध्य प्रदेश में सक्रिय मामले 2748 रह गये हैं। राज्य में इस जानलेवा वायरस को मात देने वालों की संख्या बढ़कर 1025973 हो गयी है।

कोविड टीकाकरण में 178.02 करोड़ टीके लगे

नयी दिल्ली। देश भर में पिछले 24 घंटे में 21 लाख से अधिक कोविड टीके लगाये गये है। इसके साथ ही कुल टीकाकरण 178.02 करोड़ से अधिक हो गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने गुरुवार को यहां बताया कि पिछले 24 घंटे में देश में 21 लाख 83 हजार 976 कोविड टीके लगाये गये हैं। इसके साथ ही आज सुबह सात बजे तक 178 करोड़ दो लाख 63 हजार 222 कोविड टीके दिये जा चुके हैं। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में कोविड संक्रमण के छह हजार 561 नये मरीज सामने आये हैं। इनके साथ ही देश में कोरोना रोगियों की संख्या 77 हजार 152 रह गयी है। यह संक्रमित मामलों का 0.18 प्रतिशत है। दैनिक संक्रमण दर 0.74 प्रतिशत हो गयी है। मंत्रालय ने बताया कि इसी अवधि में 14 हजार 947 लोग कोविड से मुक्त हुए हैं। अभी तक कुल चार करोड़ 23 लाख 53 हजार 620 लोग कोविड से उबर चुके हैं। स्वस्थ होने की दर 98.62 प्रतिशत है। देश में पिछले 24 घंटे में आठ लाख 82 हजार 953 कोविड परीक्षण किए गये हैं। देश में अब तक कुल 77 करोड़ 50 हजार पांच कोविड परीक्षण किए हैं।

'यूक्रेन में भारतीयों को बंधक बनाने की कोई रिपोर्ट नहीं'

(एजेंसी)।

नयी दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि उसे यूक्रेन में भारतीय छात्रों को बंधक बनाये जाने संबंधी कोई रिपोर्ट नहीं मिली है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने मीडिया के सवालों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, "यूक्रेन में हमारा दूतावास वहां रहने वाले भारतीयों के लगातार संपर्क में है। यूक्रेन की सरकार के सहयोग से कल अधिकांश छात्र खारकिव से निकल गये हैं। हमें किसी को बंधक बनाये जाने की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। हमने यूक्रेन की सरकार से खारकिव एवं आसपास के क्षेत्रों से हमारे छात्रों को निकाल कर पश्चिमी भाग में ले जाने के लिए विशेष ट्रेनें चलाने का अनुरोध किया है।"

प्रवक्ता ने कहा कि हम रूस, रोमानिया, पोलैंड, हंगरी, स्लोवाकिया

एवं मोल्दोवा सहित इस क्षेत्र के विभिन्न देशों से समन्वय एवं सहयोग से काम कर रहे हैं। गत दिनों में बहुत बड़ी संख्या में भारतीय लोगों को निकाल लिया गया है।

बागची ने कहा कि हम यूक्रेन सरकार द्वारा की गई मदद की सराहना करते हैं। हम यूक्रेन के पश्चिमी पड़ोसी देशों को धन्यवाद देते हैं जिन्होंने यूक्रेन से निकाले गए भारतीय छात्रों को स्वदेश लौटने के लिए विमान में सवार होने तक आश्रय दिया।

यूक्रेन से लौटे मेडिकल छात्रों के संबंध में उचित निर्णय लेगी सरकार

नयी दिल्ली। सरकार ने गुरूवार को कहा कि यूक्रेन से मेडिकल की पढ़ाई छोड़कर स्वदेश लौट रहे छात्रों के संबंध में उचित निर्णय लिया जाएगा। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में सचिव लव अग्रवाल ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यूक्रेन से स्वदेश लौट रहे भारतीयों को कोविड मानकों में छूट दी गयी है। इन लोगों के लिये अलग से दिशा निर्देश जारी किये गये है। उन्होंने कहा कि सभी लोगों की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है। अग्रवाल ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि यूक्रेन से मेडिकल की पढ़ाई छोड़ कर स्वदेश लौट रहे भारतीय छात्रों के संबंध में उचित समय पर उचित कार्रवाई की जाएगी। संबंधित संस्थाएं इस दिन इस दिशा में निर्णय करेंगी।

यूक्रेन से दो दिनों में साढ़े सात हजार छात्र लाए जाएंगे

नयी दिल्ली। सरकार ऑपरेशन गंगा के तहत यूक्रेन से 22 फरवरी से अब तक 6200 छात्रों को स्वदेश ला चुकी है और अगले दो दिनों में 7400 अन्य छात्र भारत लाए जाएंगे। नागर विमानन मंत्रालय ने आज यहां बताया कि भारतीय छात्रों को स्वदेश लाने के लिए देश की विभिन्न एयरलाइन्स को लगाया गया है। चार केन्द्रीय मंत्री- ज्योतिरादित्य सिंधिया, हरदीप सिंह पुरी, किरेन रिजीजू और जनरल वी के सिंह क्रमश: रोमानिया/माल्दोवा, हंगरी, स्लोवाकिया और पोलैंड में भारतीय छात्रों को यूक्रेन से निकाल कर स्वदेश भेजने के काम में निगरानी एवं समन्वय का काम देख रहे हैं। देश की नागरिक विमानन कंपनियों के साथ-साथ भारतीय वायुसेना के परिवहन विमानों से भी लोगों को स्वदेश लाया जा रहा है।

यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों की मदद पर विचार करें सरकार : सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को केंद्र सरकार से कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध संकट में फंसे विद्यार्थियों की मदद की गुहार संबंधी याचिकाओं पर क्या मदद की जा सकती है, इस पर विचार करें। इससे पहले आज की सुनवाई के दौरान शीर्ष न्यायालय ने याचिका पर सुनवाई के बाद पर कोई आदेश पारित करने से इनकार कर दिया था। शीर्ष न्यायालय की तीन सदस्यीय खंडपीठ की अध्यक्षता कर रहे मुख्य न्यायाधीश एन. वी. रमना ने सुनवाई के दौरान कहा था कि विद्यार्थियों की परेशानी से वह चिंतित हैं, लेकिन वह कोई आदेश पारित नहीं कर सकते। याचिकाकर्ता की ओर से वकील ए. एम. दार ने पीठ के समक्ष कहा कि विद्यार्थी ठंड में फंसे हुए हैं तथा वे भोजन और पानी के लिए भी संघर्ष कर रहे हैं। अटॉर्नी जनरल के के वेणुगोपाल ने

याचिकाकर्ताओं की परेशानी जाने का प्रयास किया और कहा कि भारत के मंत्री यूक्रेन की सीमा से लगे देशों से फंसे हुए विद्यार्थियों की स्वदेश वापसी के लिए सुविधा प्रदान कर रहे हैं। वेणुगोपाल ने याचिकाकर्ता के वकील से जानना चाहा कि विद्यार्थी यूक्रेन की सीमा पार क्यों नहीं कर पा रहे हैं, जबकि यूक्रेन भारतीयों को पड़ोसी देशों में जाने की इजाजत दे रहा है। इस पर याचिकाकर्ता के वकील ने अपनी ओर से कहा कि उड़ानें केवल पोलैंड और हंगरी से संचालित हो रही हैं।

डबल इंजन की सरकार में डबल हुये मंहगाई भ्रष्टाचार : अखिलेश

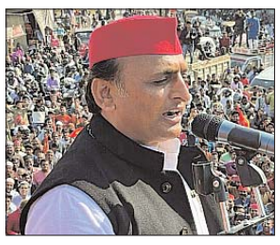

सोनभद्र। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरूवार को कहा कि किसानो की आय दोगुनी करने का वादा करने वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की डबल इंजन की सरकार में महंगाई और भ्रष्टाचार डबल हो गया है। हाइडल कालोनी मैदान में एक चुनावी सभा में अखिलेश ने कहा कि गरीब के अपना घर बनाना आज संभव नहीं है। स्टील से लेकर बालू,गिट्टी सब महंगी हो गयी। भाजपा के लोग बड़े बड़े लोगों का ख्याल रखते हैं मगर ग़रीबों की सुध नहीं लेते। उन्होने कहा कि किसानो की आय दोगुनी करने की बजाय भाजपा सरकार ने खाद की बोरी में से पाँच किलो खाद चुरा लिया। यदि इस बार भाजपा सरकार में आती है तो दस किलो खाद चोरी कर लेगी। भाजपा सरकार ने गरीबों को सिलेंडर तो दे दिया लेकिन 400 रूपये के सिलेंडर का दाम बढ़ा कर 1000 रूपये कर दिया। पेट्रोल के दाम 100 रूपये के पार चले गए। सपा अध्यक्ष ने उपस्थित जनता से पूछा "क्या किसी को रोजगार मिला , नौकरी मिली,कोई कारख़ाना लगा। पिछले तीन साल से कोई भी भर्ती नहीं हुई है। भाजपा वाले अपने को दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बताते हैं लेकिन वास्तव में यह दुनिया की सबसे झूठी पार्टी है। नोटबंदी होने के बाद काला धन बाहर आ जाएगा और विदेशों से भी काला धन वापस आ जाएगा लेकिन न तो काला धन बाहर आया न ही विदेशों से पैसा आया।"

प्लास्टिक प्रदूषण खत्म करने पर 2024 तक बाध्यकारी समझौते पर 175 देशों की हामी

एजेंसी

नयी दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा (यूएनईए) के नैरोबी अधिवेशन में 175 देशों ने प्लास्टिक प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए ऐतिहासिक संकल्प को अपनाया है। भारत ने प्लास्टिक प्रदूषण पर वैश्विक कार्रवाई करने के संकल्प पर आम सहमति विकसित करने के लिए सदस्य देशों के साथ रचनात्मक संपर्क स्थापित किया है।

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने एक ट्वीट में कहा, %यूएनईए 5.2 में ऐतिहासिक कदम। 175 देशों ने प्लास्टिक प्रदुषण को खत्म करने तथा 2024 तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कानूनी बाध्यता वाला समझौता करने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत ने प्लास्टिक प्रदुषण के खिलाफ पहले से ही मजबूत कदम उठा रहा है।

मंत्रालय की गुरुवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, नैरोबी में 28 फरवरी-2 मार्च 2022 तक आयोजित पांचवीं संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा (यूएनईए 5.2) के फिर से शुरू होने वाले सत्र में प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने के लिए तीन मसौदा प्रस्तावों पर विचार किया गया। भारत द्वारा प्रस्तुत मसौदा प्रस्ताव में देशों द्वारा तत्काल सामूहिक स्वैच्छिक कार्रवाई का आह्वान किया गया।

बयान में कहा गया कि भारत ने कानूनी रूप से बाध्यकारी एक नई अंतरराष्ट्रीय संधि के लिए एक अंतर-सरकारी वार्ता समिति की स्थापना करके प्लास्टिक प्रदूषण पर वैश्विक कार्रवाई करने के संकल्प पर आम सहमति विकसित करने के लिए सभी सदस्य देशों के साथ रचनात्मक रूप से काम किया।

ड्रग्स तस्करी

एक्स-रे किया तो दिखीं हेरोइन बंधी थैलियां, डॉक्टरों को 11 दिन लगे निकालने में

महिला के प्राइवेट पार्ट से निकली 6 करोड़ की ड्रग्स

जयपुर। डायरेक्ट्रेट रेवेन्यू सर्विसेज) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सूडान की महिला से 6 करोड़ की ड्रग्स बरामद की है। यह ड्रग्स वह प्राइवेट पार्ट (रेक्टम-वेजाइना) और पेट में छिपाकर लाई थी। इसे निकालने में करीब 11 दिन का समय लगा।

मेडिकल टीम ने जांच की तो पता चला महिला अपने बॉडी में करीब 88 कैप्सूल लेकर आई थी। महिला दुबई के शारजाह से यह ड्रग्स लेकर जयपुर पहुंची थी। महिला से कैप्सूल बरामद कर गुरुवार को उसे जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार, शारजाह से 19 फरवरी को सूडान की यह महिला जयपुर एयरपोर्ट पहुंची थी। इंटेलिजेंस से रिपोर्ट मिली थी कि महिला बड़ी मात्रा में हेरोइन लेकर आई है। महिला से पूछताछ की तो उसने कुछ बताया नहीं।

जांच हुई तो उसके प्राइवेट पार्ट में ड्रग्स के कैप्सूल होने की पुष्टि हुई। अधिकारियों की ओर से मेडिकल

टेस्ट की परमिशन ली गई।

इसमें पता चला कि महिला के प्राइवेट पार्ट में कैप्सूल है। इसे निकालने की प्रक्रिया शुरू की गई। इस बीच एक्स-रे करवाया गया। इसमें कुछ थैलियां दिखीं। महिला को स्स्स् अस्पताल में भर्ती करवाया गया। 11 दिन के बाद महिला के प्राइवेट पार्ट और पेट से करीब 88 कैप्सूल निकाले गए।

11 दिन में निकले 30 से अधिक कैप्सूल

महिला ने 30 से अधिक कैप्सूल को पेट में छिपा रखा था। हेरोइन को लिक्विड में बदल कर प्लास्टिक की थैलियों के कैप्सूल बनाए गए थे। महिला को 11 दिन तक डॉक्टर्स की टीम ने ऑब्जर्वेशन में रखा। इसके बाद पेट से 30 कैप्सूल बाहर निकाले गए। महिला का दोबारा मेडिकल करवाया गया। तबीयत सही होने पर गुरुवार को दोबारा कोर्ट में पेश किया गया।

डॉक्टरों के अनुसार, महिला ने कैप्सूल की रैपिंग सही कर रखी थी।अगर एक कैप्सूल पेट में एसिड के कारण फट जाता तो महिला की मौके पर मौत हो सकती थी। उसके शरीर में करीब 9 ग्राम हेरोइन थी।

शार्ट न्यूज

मोदी बेरोजगारी, महंगाई पर बात तक नहीं करना चाहते : राहुल

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला करते हुए कहा है कि देश के युवाओं की समस्याओं और समाज में व्याप्त अशांति के समाधान को लेकर कोई कदम उठाना तो दूर वह इस बारे में बात भी नहीं करना चाहते हैं। गांधी ने ट्वीट कियादेश के सामने आज बेरोज़गारी, महंगाई और सामाजिक अशांति अहम मुद्दे हैं। इसके चलते युवा वर्ग में बेचैनी और गुस्सा बढ़ रहा है जो अपने आप में एक बड़ी समस्या है। समाधान तो दूर प्रधानमंत्री इनके बारे में बात तक नहीं करते। इसके साथ ही उन्होंने एक वीडियो भी पोस्ट किया है जिसमें युवा कहते हैं कि उत्तर प्रदेश जो कभी क्रांतिकारी युवाओं की भूमि होती थी वह आज बेरोजगार युवाओं की भूमि बन गया है। पिछले वर्ष दिसम्बर सात करोड युवाओं में से सिर्फ एक करोड़ 20 लाख युवाओं के पास नौकरी है।

जम्मू-कश्मीर में चालक को छह माह की सजा

श्रीनगर। केन्द्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की एक निचली अदालत ने वर्ष 2013 में श्रीनगर निवासी एक व्यक्ति की हत्या के मामले में टैंकर चालक को दोषी करार देते हुए उसे छह महीने की कैद और जुर्माना लगाया है। पुलवामा के प्रमुख सत्र न्यायाधीश अब्दुल राशिद मलिक ने श्रीनगर-अनंतनाग राजमार्ग पर उधमपुर के टैंकर चालक संजय कुमार को लापरवाही वाहन चलाने और शहर के शब्बीर अहमद अहंगर की वाहन की चपेट में आने से मौत के मामले में दोषी करार देते हुए उसे छह माह की सजा और जुर्माना लगाया है। इसके साथ ही न्यायाधीश ने संजय द्वारा 31 अक्टूबर, 2018 को दायर अपील को भी खारिज कर दिया।

मणिपुर में नेतृत्व संघर्ष नहीं, बहुमत से जीतेंगे

इंफाल। मणिपुर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राज्य में विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा में विधायक दल के नेतृत्व को लेकर किसी तरह की खींचतान की संभावना को खारिज करते हुए पार्टी को पूर्ण बहुमत मिलने का विश्वास व्यक्त किया है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अधिकारीमयुम शारदा देवी ने यूनीवार्ता को दिये साक्षात्कार में दावा किया कि 28 फरवरी को पहले चरण में 38 सीटों के लिए हुए चुनाव में भाजपा 26 सीट पर जीत हासिल करेगी और दूसरे चरण के चुनाव के बाद आसानी से 30 से अधिक सीटों के जादुई आंकड़ों को छू लेगी। पांच मार्च को दूसरे और अंतिम चरण में 22 सीटों पर चुनाव में पार्टी के लिए प्रचार में व्यस्त सुश्री शारदा ने बहुमत से कम होने की स्थिति में पार्टी की गठबंधन की योजना के बारे में पूछे जाने पर कहा, फिलहाल हमें पूर्ण बहुमत मिलने का भरोसा है और इसलिए हमने चुनाव के बाद किसी गठबंधन पर विचार नहीं किया है। उन्होंने कहा कि इस बार भाजपा ने अपने दम पर पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है और इसके लिए सभी 60 निर्वाचन क्षेत्रों में उम्मीदवार खड़े किए हैं।

गवाहों की सुरक्षा मामले में सरकार को जवाब पेश करने के लिए मिली मोहलत

नैनीताल। अदालतों में गवाहों की सुरक्षा के मामले में सरकार उत्तराखंड उच्च न्यायालय में गुरुवार को जवाब पेश नहीं कर पायी। मुख्य न्यायाधीश की अगुवाई वाली पीठ ने सरकार को इस मामले में और मोहलत दी है। इस मामले में अगली सुनवाई 10 मार्च को होगी। उच्च न्यायालय ने स्वत- संज्ञान लेते हुए इस मामले में जनहित याचिका दायर की है। कार्यवाहक मुख्य न्यायधीश संजय कुमार मिश्रा व न्यायमूर्ति आरसी खुल्बे की खंडपीठ में इस मामले की सुनवाई हुई आज सरकार की ओर अतिरिक्त समय की मांग की गयी। इसके बाद अदालत ने 10 मार्च तक का समय दे दिया। इससे पहले अदालत की ओर से सरकार से इस मामले में स्थिति स्पष्ट करने को कहा गया था। उच्चतम न्यायालय की ओर से वर्ष 2018 में सभी राज्यों को निर्देश दिए थे कि वे अपने राज्य में 2019 के अंत तक गवाह संरक्षण अधिनियम को लागू करें और गवाहों के बयान दर्ज करने के लिए पृथक परिसर बनाएं और उनको सुरक्षा दिलाएं। शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार को भी सभी राज्यों को वित्तीय व अन्य सहायता मुहैया कराने के निर्देश दिए थे।

सांसदों,विधायकों पर लंबित आपराधिक मामलों में सरकार से मांगा जवाब

नैनीताल। आपराधिक मामलों में फंसे सांसदों व विधायकों के मामले में गुरुवार को सरकार उत्तराखंड उच्च न्यायालय में जवाब पेश नहीं कर पायी तथा अदालत ने सरकार को जवाब देने के लिए और मोहलत दे दी है। अब इस मामले में आगामी 10 मार्च को सुनवाई होगी। उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर उच्च न्यायालय ने इस मामले का स्वत: संज्ञान लेते हुए याचिका दायर की है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजय कुमार मिश्रा की अदालत में इस मामले की गुरुवार को सुनवाई हुई। इससे पहले सरकार की ओर से कहा गया कि प्रदेश में दस सांसदों व विधायकों के खिलाफ आपराधिक मामले लंबित हैं। इसके बाद अदालत ने सरकार को इस मामले में विस्तृत जवाब पेश करने को कहा था। उच्चतम न्यायालय की ओर से पिछले साल अगस्त 2021 में सभी उच्च न्यायालयों को सांसदों व विधायकों के खिलाफ लंबित आपराधिक मामलों की त्वरित सुनवाई के निर्देश दिये गये थे। इस मामले में प्रदेश के गृह सचिव, सचिव विधि एवं न्याय, सचिव वित्त एवं पुलिस महानिदेशक को पक्षकार बनाया गया है।

तमिलनाडु में सीआईएसएफ के सिपाही ने गोली मारकर की आत्महत्या

चेन्नई। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के एक जवान ने यहां हवाई अड्डे पर गुरुवार को अपनी बंदूक से गोली मारकर आत्महत्या कर ली । राजस्थान का रहने वाला सिपाही यशपाल (26) अन्ना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के बोर्डिंग एरिया में ड्यूटी पर था। उसने आज सुबह शौचालय में जाकर खुद को गोली मार ली। गोली चलने की आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे एयरपोर्ट स्टाफ ने पाया उसे खून से लथपथ पाया। यशपाल 2017 में सीआईएसएफ में शामिल हुआ था। हवाईअड्डे के अधिकारियों ने सीआईएसएफ कर्मियों और हवाईअड्डा पुलिस के साथ यशपाल के पार्थिव शरीर को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल में भेज दिया। पुलिस ने अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज कर लिया है।

मणिपुर में 12 मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान पांच मार्च को

इंफाल। चुनाव आयोग ने मणिपुर में 12 मतदान केंद्रो पर पांच मार्च को पुनर्मतदान के आदेश दिये हैं। मणिपुर के मुख्य चुनाव अधिकारी राजेश अग्रवाल ने बताया कि चुनाव आयोग ने घोषणा की है कि 28 फरवरी को 12 मतदान केंद्रों पर हुआ मतदान शून्य है। संबंधित रिटर्निंग अधिकारियों से प्राप्त रिपोर्टों के आधार पर इन मतदान केंद्रों में पुनर्मतदान के प्रस्ताव की सिफारिश की गयी थी। पुनर्मतदान पर विचार करने का एक मुख्य कारण मतदान के दौरान और बाद में उपद्रवियों द्वारा ईवीएम को नुकसान पहुंचाना था। पुनर्मतदान वाले केंद्रो पर मतदान सुबह सात बजे शुरू होगा और शाम चार बजे तक चलेगा। मणिपुर की 38 विधानसभा सीटों के लिए 28 फरवरी को मतदान हुआ था।

यूक्रेन में फंसे पुड्डुचेरी के छात्र पोलैंड पहुंचे

पुड्डुचेरी। रूस के आक्रमण के बाद यूक्रेन में फंसे पुड्डुचेरी के अधिकतर छात्र पोलैंड पहुंच चुके हैं और वहां से बाहर निकाले जाने का इंतजार कर रहे हैं। पुड्डुचेरी के गृहमंत्री ए नमाशिवायम ने गुरुवार को यहां यह जानकारी दी। मीडिया से बात करते हुए, श्री नमाशिवायम ने कहा कि रेल के माध्यम से छात्रों के साथ 300 भारतीय नागरिक पोलैंड पहुंच गए हैं और भारतीय अधिकारियों द्वारा वहां से बाहर निकाले जाने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार उनको वापस भारत लाने के लिए हर संभव कदम उठा रही है।

यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों की मदद पर विचार करें सरकार : सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को केंद्र सरकार से कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध संकट में फंसे विद्यार्थियों की मदद की गुहार संबंधी याचिकाओं पर क्या मदद की जा सकती है, इस पर विचार करें।

इससे पहले आज की सुनवाई के दौरान शीर्ष न्यायालय ने याचिका पर सुनवाई के बाद पर कोई आदेश पारित करने से इनकार कर दिया था।

शीर्ष न्यायालय की तीन सदस्यीय खंडपीठ की अध्यक्षता कर रहे मुख्य न्यायाधीश एन. वी. रमना ने सुनवाई के दौरान कहा था कि विद्यार्थियों की परेशानी से वह चिंतित हैं, लेकिन वह कोई आदेश पारित नहीं कर सकते।

याचिकाकर्ता की ओर से वकील ए. एम. दार ने पीठ के समक्ष कहा कि विद्यार्थी ठंड में फंसे हुए हैं तथा वे भोजन और पानी के लिए भी संघर्ष कर रहे हैं।

अटॉर्नी जनरल के के वेणुगोपाल ने याचिकाकर्ताओं की परेशानी जाने का प्रयास किया और कहा कि भारत के मंत्री यूक्रेन की सीमा से लगे देशों से फंसे हुए विद्यार्थियों की स्वदेश वापसी के लिए सुविधा प्रदान कर रहे हैं।

श्री वेणुगोपाल ने याचिकाकर्ता के वकील से जानना चाहा कि विद्यार्थी यूक्रेन की सीमा पार क्यों नहीं कर पा रहे हैं, जबकि यूक्रेन भारतीयों को पड़ोसी देशों में जाने की इजाजत दे रहा है।

इस पर याचिकाकर्ता के वकील ने अपनी ओर से कहा कि उड़ानें केवल पोलैंड और हंगरी से संचालित हो रही हैं।

याचिकाकर्ता की दलीलें सुनने के बाद खंडपीठ ने अटॉर्नी जनरल से कहा कि वह याचिका की सामग्री देखकर विचार करें कि (मदद के लिए) इस में क्या कुछ किया जा सकता है?

इससे पहले (आज) खंडपीठ ने भारतीयों की सलामती, सुरक्षित वापसी एवं बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराने की मांग वाली याचिकाओं पर कोई आदेश पारित करने से इनकार कर दिया था।

न्यायमूर्ति रमना ने शीघ्र सुनवाई की गुहार पर शुरुआत में कहा था, अदालत क्या करेगी? क्या मैं रूस के राष्ट्रपति को युद्ध रोकने का निर्देश दे सकता हूं? एक याचिकाकर्ता का पक्ष रख रहे वकील ए. एम. दर द्वारा याचिका पर शीघ्र सुनवाई का उल्लेख करने पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा था, क्या मैं व्लादिमीर पुतिन से युद्ध रोकने के लिए हूं? आप क्या चाहते हैं?

याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि शीर्ष अदालत विद्यार्थियों की सुरक्षित वापसी के लिए निर्देश दे सकती है।

मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय खंडपीठ ने कहा कि यूक्रेन-रूस संघर्ष से उत्पन्न संकट में फंसे विद्यार्थियों के प्रति उनकी सहानुभूति है, लेकिन वह इस मामले में कोई आदेश पारित नहीं कर सकती।

विशेष उल्लेख करने वाले वकील ने एक छात्र समेत बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के यूक्रेन-रोमानिया की सीमा से स्वदेश वापस लाने के लिए विदेश मंत्रालय को निर्देश की गुहार लगाई थी। याचिका में फंसे हुए विद्यार्थियों को राहत देने के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश देने की गुहार लगाई है।

वकील विशाल तिवारी ने भी पिछले सप्ताह याचिका दायर कर उच्चतम न्यायालय से केंद्र सरकार को तत्काल आवश्यक डिप्लोमेटिक कदम उठाने के निर्देश देने की गुहार लगाई थी। उनकी ओर से दायर याचिका में यूक्रेन में मेडिकल की पढ़ाई करने गए विद्यार्थियों के भविष्य को लेकर विशेष तौर पर चिंता व्यक्त की गई है। पढ़ाई एवं नौकरी एवं अन्य कार्यों से यूक्रेन गए लोगों के वहां से भारत लौटने की कोई व्यवस्था नहीं है। हजारों की संख्या में विद्यार्थी समेत अन्य लोग वहां फंसे हुए हैं।

धनखड़ ने पश्चिम बंगाल विधानसभा का सत्र बुलाया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने सात मार्च को राज्य विधानसभा का सत्र आयोजित किये जाने की गुरुवार को घोषणा की।

राज्यपाल की इस घोषणा के साथ ही संवैधानिक दायित्वों के निर्वहन को लेकर राज्य सरकार और राजभवन के बीच तकरार पर विराम लग गया है।

धनखड़ ने अपने ट्वीट में कहा , 28 फरवरी के कैबिनेट के फैसले को स्वीकार करने के साथ ही संविधान के अनुच्छेद 174(1) को लागू करते हुए पश्चिम बंगाल के विधानसभा का सत्र बुलाया जा रहा है। सत्र शुरू करने का समय सात मार्च-2022 को दोपहर दो बजे तय किया गया है। उन्होंने आगे कहा, मुख्य सचिव हरिकृष्ण द्विवेदी ने 15 दिनों के भीतर सभी लंबित मुद्दों के संवैधानिक अनुपालन को प्रभावी करने का आश्वासन दिया है।

राज भवन के सूत्रों ने बताया कि इससे पहले आज सुबह श्री द्विवेदी ने राजभवन में राज्यपाल से राज्य विधानसभा की बैठक बुलाने के मुद्दे पर मुलाकात की थी।

धनखड़ और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बीच तकरार पिछले कुछ समय से जारी थी। राज्यपाल ने सात मार्च से विधानसभा का सत्र बुलाने संबंधी मुख्यमंत्री की सिफारिश को वापस भेज दिया था।

दरअसल, नियम मुताबिक राज्य मंत्रिमंडल द्वारा सिफारिश नहीं किए जाने की वजह से उन्होंने इसे वापस कर दिया था , हालांकि इसके बाद राज्य मंत्रिमंडल के निर्णय पर राज्यपाल को एक दूसरी सिफारिश भेजी गई, जिसमें टाइपिंग संबंधी त्रुटि थी। इसमें विधानसभा सत्र शुरू होने का समय दोपहर दो बजे के बदले रात के दो बजे लिखा गया था।

राज्यपाल ने इस पर स्पष्टीकरण के लिए मुख्य सचिव को बुलाया था, हालांकि वह तब नहीं आए थे। इसके बाद राज्यपाल ने उस सिफारिश को ही अनुमोदित कर दिया था।

बनर्जी ने राज्यपाल से फोन पर बात की और उन्हें टाइपिंग संबंधी त्रुटि के बारे में बताया। उनके बाद द्विवेदी ने भी उनसे इस गलती को माफ कर दोपहर दो बजे सदन बुलाने का अनुरोध किया।

धनखड़ ने इसके बाद महाधिवक्ता को बुलाया और अधिसूचना जारी करने से पहले उनसे सलाह ली।

पांच सहकारी समितियां उत्कृष्टता एवं श्रेष्ठता पुरस्कार-2021 से सम्मानित

जयपुर। राजस्थान में सहकारिता विभाग के रजिस्ट्रार मुक्तानंद अग्रवाल ने कहा कि सहकारी समितियां नवाचार से व्यवसाय का विविधीकरण कर अधिक से अधिक लोगों को सहकारिता से जोड़कर, उन्हें गुणवत्तापूर्णसेवायें प्रदान करें। श्री अग्रवाल आज यहां सहकार भवन में एनसीडीसी के क्षेत्रीय उत्कृष्टता एवं श्रेष्ठता पुरस्कार-2021 के पुरस्कार वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पुरस्कार प्राप्त करने वाली सहकारी समितियां अपने जिले की सहकारी समितियों को भी उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित करे एवं उनका सहयोग करे। रजिस्ट्रार ने एनसीडीसी के द्विवार्षिक पुरस्कार के तहत तीन श्रेणियों में उत्कृष्टता और श्रेष्ठता के तहत सर्वेश्रेष्ठ पैक्स श्रेणी में निमोद ग्राम सेवा सहकारी समिति, नागौर को उत्कृष्टता के लिए 25 हजार रूपये एवं स्मृति चिन्ह् तथा श्रेष्ठता की श्रेणी में रामपुरा ग्राम सेवा सहकारी समिति, हनुमानगढ़ को द्वितीय पुरस्कार के रूप में 20 हजार रूपये एवं स्मृति चिन्ह् प्रदान किया गया। इसी प्रकार सर्वेश्रेष्ठ मुख्य श्रेणी में केकड़ी क्रय विक्रय सहकारी समिति, अजमेर, मुख्य श्रेणी की अन्य श्रेणी में ओवन दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति, बूंदी को तथा सर्वश्रेष्ठ महिला सहकारी समिति की श्रेणी में सालदर रामपुरा महिला ग्रामोद्योग सहकारी समिति, कोटखावदा को उत्कृष्टता पुरस्कार के रूप में 25-25 हजार रूपये एवं स्मृति चिन्ह् प्रदान किया गया।

तेलंगाना में पूर्व सांसद के घर पर हमला

हैदराबाद। तेलंगाना के महबूबनगर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता एवं पूर्व सांसद जितेंद्र रेड्डी के घर पर बुधवार की रात अज्ञात बदमाशों ने हमला कर दिया और उनकी कार का शीशा तोड़ दिया तथा घर के दरवाजे पर खड़े वाहनों के टायरों में आग लगा दी। इसके बाद रेड्डी ने घटना का सीसीटीवी फुटेज अपने ट्वीटर अकाउंट से शेयर किया और कहा, दिल्ली में मेरे आवास पर अपहरण की घटना के बाद बदमाशों ने आज रात तेलंगाना के महबूबनगर स्थित मेरे आवास पर हमला किया और मेरे कर्मचारियों को धमकी दी। मेरी कार को क्षतिग्रस्त कर दिया गया है और आगजनी का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि वह एमबीएन पुलिस थाने में घटना की रिपोर्ट दर्ज कराने की प्रक्रिया में हैं। उल्लेखनीय है कि हाल ही में भाजपा नेता ने दावा किया था उनके चार सहयोगी का दिल्ली में उनके आवास से अपहरण कर लिया गया था। इस बीच सायबराबाद पुलिस ने घोषणा की कि पुलिस ने ही उन चार लोगों को उठाया था और तेलंगाना के मंत्री वी श्रीनिवास की हत्या की साजिश का खुलासा किया था।

किसानों की योजना : शाम को बगीचों में डीजे की आवाज

एजेंसी

चिक्कमगलुरु। कर्नाटक में किसानों के लिए जंगली जानवरों से फसल बचाना स्वभाविक रूप से एक बड़ी चुनौती है। कुछ इलाकों में किसानों ने हाथियों से अपनी फसल की सुरक्षा के लिए नया मास्टर प्लान बनाया है जिसके तहत अब खेतों और बगीचों में माइक सेट और डीजे, सिस्टम लगाये जा रहे हैं। इनमें से अधिकांश किसानों ने अधिकारियों को कई बार पत्र लिखे लेकिन उन्हें इस सनस्याओंसे छुटकारा नहीं मिला। उन्होंने अब हाथियोंसे छुटकारा पाने के लिए एक नया मास्टर प्लान बनाया है। बिकनहल्ली, हम्पापुर व चिक्कमगलुरु तालुक के किसान हाथी को लेकर काफी परेशानी में हैं। किसान अब यार्ड व बगीचों में माइक सेट तथा डीजे, सिस्टम लगा रहे हैं ताकि हाथियों से अपनी फसल की रक्षा कर सकें। किसानों का मानना है कि हाथियों के आने से खेतों में तबाही मच जाती है।

इस अनूठे प्रयोग के बाद से हाथियों को खेतों से दूर रखने में कामयाबी हासिल हुई है। कुछ बागों में पहले से ही पेड़ों में माइक लगा हुआ है। कुदिनाडु मूडीगेरे तालुक में, पिछले कई वर्षों से जंगली हाथियों का आतंक सा है। एक हाथी ने चार लोगों की जान भी ले ली है।

चिक्कमगलुरु में हम्पापुर और बीकनहल्ली सहित आसपास के गांवों में हाथी अब अधर में हैं। किसान पहाड़ के आसपास के जंगलों पर हमला किए बिना डीजे की आवाज पर चले गए हैं। आसपास के खेतों में तीस से अधिक अभ्रक लगाए गए हैं।

जंगली जानवरों को भगाने के लिए लगातार लोगों के बात करने, जानवरों के चिल्लाने, माइक पर आतिशबाजी करने की आवाजें सुनाई देती हैं। कुल मिलाकर जंगली जानवरों से त्रस्त किसान कई बार अधिकारियों से गुहार लगा चुके हैं।

पर हाथियों को पता है कि यह माइक हमारा यमराज बनने जा रहा है। इसलिए स्थानीय लोगों विशेषकर किसानों की इच्छा है कि वन विभाग जंगली जानवरों और हाथियों के जीवन और फसल दोनों को वैज्ञानिक रूप से संरक्षित करे।

पुराने ट्रैक्टरों को एनसीआर में अनुमति पर केंद्र से करेंगे बात: खट्टर

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा है कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में 10 साल पुराने डीजल और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों पर रोक लगाने की नीति से ट्रैक्टरों बाहर करने लिये केंद्र सरकार ने बातचीत कर कोई बीच का रास्ता निकाला जाएगा।

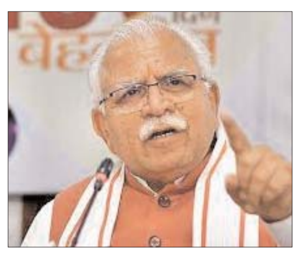

श्री खट्टर ने विधानसभा के बजट सत्र के दूसरे दिन राज्यपाल के अभिभाषण पर शुरू हुई चर्चा के बाद पत्रकारों से बातचीत में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पिछली बार भी उनकी सरकार ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल से ट्रैक्टर को बाहर रखवाया था और अब भी कोई रास्ता निकलेगा।

यूक्रेन में फंसे हरियाणा के विद्यार्थियों को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि मुम्बई हवाईअड्डे पर आज भी नौ छात्र पहुंचे हैं। राज्य सरकार की ओर से इन्हें मुम्बई से दिल्ली तक हवाई टिकट तथा एक-एक हजार रुपये नकद देने की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा, मुम्बई, दिल्ली, चण्डीगढ़, फरीदाबाद में हैल्प डैस्क बनाए गये हैं। सभी उपायुक्तों को व्यक्तिगत स्तर पर ऐसे विद्यार्थियों के परिवारों से सम्पर्क करने के निर्देश दिए गये हैं। फरीदाबाद मंडलायुक्त को नोडल अधिकारी बनाया गया है। अभी तक राज्य के 1701 युवाओं में से 683 को वापस लाया जा चुका है। यूक्रेन में लगभग 150 विद्यार्थी शेष हैं उन्हें बार्डर पर आने को कहा गया है। सभी को सकुशल वापस लाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

एक अन्य प्रश्न पर श्री खट्टर ने कहा कि नशे के कारोबार एवं भ्रष्टाचार में शामिल लोगों का हर बार सदन में जिक्र होता है लेकिन पुख्ता प्रमाण नहीं दिये जाते हैं। पिछली बार सरकार ने ऐसे मुद्दे उठाने वालों को हल्के में लिया लेकिन इस बार ऐसे विधायकों के खिलाफ संसदीय कार्यमंत्री के माध्यम से गैर जिम्मेदाराना ब्यान देने वालों के खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव लाया जाएगा।

उन्होंने स्पष्ट किया कि परिवार पहचान पत्र के माध्यम से किसी भी बुर्जुग की पेंशन नहीं काटी गई है लेकिन इसके माध्यम से लगभग 22,000 लोगों की पहचान की गई है जो किन्हीं कारणों से पेंशन नहीं ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि इनके आंकड़ों का सत्यापन कार्य किया जा रहा है।

हकदार को पेंशन अवश्य मिलेगी और किसी का हक नहीं काटा जाएगा। उन्होंने कहा कि अलग-अलग राज्यों में दूसरे राज्यों के रह रहे लोगों के लिए वहां का डोमिसाइल प्रमाणपत्र बनवाने के लिए अलग-अलग समयावधि निर्धारित है। राज्य सरकार ने इसे पांच वर्ष किया है।

बेसहारा पशुओं को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे पशु केवल हरियाणा के ही नहीं हैं बल्कि राजस्थान, पंजाब और गुजरात जैसे राज्यों से झुंड के रूप में वहां के लोग लाते हैं और वापस जाते समय केवल दुधारू पशुओं को ही लेकर जाते हैं और अनुपयोगी पशुओं को छोड़ जाते हैं।

उनकी सरकार ने गौ सेवा आयोग का गठन किया है और इसका बजट भी बढ़ाया है। इसके अलावा, गांवों में पंचायती जमीन पर गौशाला खोलने के लिए अनुदान भी दिया जाता है। उन्होंने कहा कि गौशालाओं में गौमूत्र, खाद और लघु उद्योग को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बेसहारा पशुओं की समस्या का समाधान जन सहयोग से ही सम्भव है। इसके लिए सरकार के साथ-साथ सामाजिक संस्थानों व लोगों को भी आगे आना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र में विपक्ष कभी सत्ता पक्ष की तारीफ नहीं करता तथा पक्ष और विपक्ष की यही लड़ाई रहती है।

इस असवर पर मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव तथा सूचना, जन सम्पर्क एवं भाषा विभाग के महानिदेशक डा. अमित अग्रवाल, मीडिया सलाहकार अमित आर्य और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

ओलावृष्टि से खराब फसलों की होगी विशेष गिरदावरी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर कहा है कि हाल ही में राज्य के कुछ जिलों में ओलावृष्टि के कारण रबी 2021-22 की फसलों को हुये नुकसान की विशेष गिरदावरी कार्य पहली मार्च से शुरू किया जाएगा। खट्टर ने यह घोषणा राज्य विधानसभा में बजट सत्र के दूसरे दिन प्रश्नकाल के दौरान विधायक बलराज कुण्डू के प्रश्न पर दी। उन्होंने कहा कि राज्य में रबी फसलों की सामान्य गिरदावरी का कार्य 28 फरवरी तक किया जाता है। अभी हाल ही में भिवानी, चरखी दादरी और झज्जर जिलों में गत 25-26 फरवरी को ओलावृष्टि हुई है इसलिए यह विशेष गिरदावरी मार्च में की जाएगी। उन्होंने कहा कि जैसे ही विशेष गिरदावरी पूरी हो जाएगी, मुआवजा सीधा किसानों के खातों में डाल दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि धान, कपास, बाजरा जैसी खरीफ फसल 2020-21 के मुआवजे की राशि वितरित की जा रही है।

अवैध पिस्तौल बरामद मामले में कॉलेज का एक और छात्र गिरफ्तार

श्रीगंगानगर। राजस्थान के श्रीगंगानगर में कोतवाली पुलिस ने कॉलेज के एक छात्र से अवैध देसी कट्टा बरामद होने के मामले में एक और कॉलेज छात्र को गिरफ्तार किया है। जांच अधिकारी सब इंस्पेक्टर सुभाष बिश्नोई ने बताया कि जवाहरनगर थाना क्षेत्र में मीरा चौक में पंजाब नेशनल बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय के पास किराए के कमरे में रहने वाले एक युवक अंकुश बेनीवाल (21) को गिरफ्तार किया गया है। मटीली राठान थाना क्षेत्र में सीमावर्ती गांव दौलतपुरा में सुभाष बेनीवाल का पुत्र अंकुश श्रीगंगानगर में किराए के कमरे में रहकर द्वितीय वर्ष की पढ़ाई कर रहा है। उन्होंने बताया कि दो दिन पूर्व चौधरी बलराम गर्ल्स गोदारा कन्या महाविद्यालय के पीछे अंकुर मिगलानी के मकान के पास रात को संदिग्ध अवस्था में पकड़े गए युवक विक्रम भांभू निवासी फतूही से .32 बोर का देसी कट्टा बरामद हुआ था। विक्रम ने पूछताछ में बताया कि वह 24 फरवरी को अंकुश बेनीवाल से यह कट्टा लेकर आया था।

उज्जैन में जनभागीदारी का देखने को मिला अद्भुत दृश्य : शिवराज

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गत एक मार्च को उज्जैन में जन सहयोग से लाखों दिए जलाने के कीर्तिमान की चर्चा करते हुए कहा कि यह प्रदेश की ऐतिहासिक उपलब्धि है। उज्जैन में इस दिन जन-भागीदारी का अद्भुत दृश्य देखने को मिला।

चौहान ने आज यहां मंत्रालय में मंत्रिपरिषद की बैठक से पहले बताया कि क्षिप्रा नदी के घाटों पर 11 लाख से अधिक दियों के अलावा घर-घर में भी दीपक जलाए गए। दियों की वास्तविक गणना की जाए तो ये पच्चीस लाख से अधिक होंगे। पूरा उज्जैन जगमगा रहा था। उन्होंने कहा कि ग्राम और शहर कहीं भी जनभागीदारी से किसी भी कार्य को नया स्वरूप दिया जा सकता है। महाशिवरात्रि पर्व उज्जैन की निराली और दर्शनीय छटा थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक ग्राम और शहर का गौरव दिवस मनाया जाए। मंत्री इसके लिए रूपरेखा तैयार करवाएं। हर नागरिक में अपने शहर और ग्राम के लिए गर्व का भाव बढ़े, विकास की गति को तेज किया जाए, जन-भागीदारी से जन-कल्याण के नए आयाम स्थापित किए जाएं। इसके लिए मंत्री नेतृत्व देते हुए कार्यक्रम आयोजित करें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि वे ग्राम जैत और उज्जैन के जन्मदिवस और गौरव दिवस के अनुभव से उत्साहित हैं।

पीशोचीन के एक स्कूल में फंसे हजारों भारतीय बच्चे

सिरसा। यूक्रेन में मिसाइलों की गर्जन और शून्य से कम सात डिग्री तापमान में करीब चार हजार भारतीय विद्यार्थी पीशोचीन कस्बा के स्कूल भवन में जान बचाने के लिये रहने को विवश हैं।

यह जानकारी इस स्कूल की पांचवीं मंजिल के एक कमरे में बैठी सिरसा के रानियां कस्बे की बेटी प्रीत ने अपने परिजनों को वीरवार को दी। प्रीत के साथ सिरसा के सात अन्य बच्चे भी हैं । इन रोते-बिलखते छात्रों ने प्रीत के पिता सुरेश कुमार को बताया कि आखिर जायें तो जायें कहां समझ नहीं आ रहा। इन बच्चों के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है,कई घरों में चूल्हे तक नहीं जल पा रहे हैं। परिजनों का आरोप है कि उन्हें बच्चों के लौटने के ठोस आश्वासन की बजाय शासकीय और प्रशासकीय उदासीनता ही हाथ लग रही है। यूक्रेन में फंसे बच्चों को सकुशल लाने के लिए भारतीय किसान यूनियन सहित कई समाजसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी उपायुक्त के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजें हैं।

सुरेश कुमार ने बताया कि उनकी बेटी प्रीत नेशनल मेडीकल यूनिवर्सिटी खारकी की एमबीबीएस की पहली वर्ष की छात्रा है।। प्रीत ने रोते हुये उन्हें बताया कि बीती रात से उन्होंने सात किलोमीटर का सफर कर यहां स्कूल भवन में शरण ली है,जहां का तापमान शून्य से सात डिग्री नीचे है। यहां न कोई दूतावास का अधिकारी है और न ही सेना के जवान। हमारी शरण स्थली के उपर से बार-बार मिजाइलें गुजर रही हैं जिससे हर पल मौत आने का भय सता रहा है। बीती रात से खाने को भी कुछ नसीब नहीं हो पाया है। यहां से रूस बॉर्डर की दूरी 35-40 किलोमीटर बताई जा रही है वहीं पोलेंड,हंगरी व रोमानियां की दूरी एक हजार से ज्यादा किलोमीटर दूर है जहां पहुंचना एक सपना सा ही लग रहा है,किस वक्त उन्हें मौत निगल ले यहीं सोच रहे हैं।

प्रीत के साथ सिरसा जिले के सौरभ पुत्र सुरेंद्र कुमार,योगेश पुत्र चंद्र प्रकाश,अविनाश अरोड़ा पुत्री राजेश डोडा,प्रीती पुत्री रघुवीर सिंह,महक पुत्र अश्विनी,आशीष वर्मा पुत्र मुकेश वर्मा व करिशमा पुत्री रामस्वरूप हैं। इनके अलावा करीब चार हजार बच्चों ने यहां शरण ली हुई है,सब भूखे प्यासे हैं व रो-रो कर बुरा हाल है। कोई मदद के हाथ बढ़ाने को नजर नहीं आ रहा।

सुरेश कुमार ने बताया कि वे बारम्बार जिला उपायुक्त अजय तोमर से मिल रहे हैं वहीं क्षेत्र की सांसद सुनीता दुग्गल के आवास के चक्कर काट रहें हैं,दोनों की जगह सूची बना ली जाती है,परिणाम नजर नहीं आ रहे। बड़े अधिकारी छोटे अधिकारियों के पास भेजकर अपना पल्ला झाड़ रहे हैं। आज छात्रा प्रीत की कॉल आने के बाद पूरा परिवार परेशानी में जकड़ गया है। परिवार के सदस्यों का कुछ खाने पीने का मन नहीं कर रहा,जिससे चूल्हे तक नहीं जले हैं। उन्होंने बताया के कुछ अधिकारी आकर उनको सांत्वना दे रहे हैं मगर जब तक बच्चे घर नहीं आ जाते उनका एक-एक पल परेशानी भरा है। यह हाल इस अकेले छात्रा प्रीत के परिजनों को ही नहीं बल्कि कमोबेश स्थिति अन्य परिवारों की भी है।

इस संदर्भ में जब सांसद सुनीता दुग्गल से पूछा गया तो बताया कि बच्चों को पूर्व में सूचित कर दिया गया था।

शार्ट न्यूज

वंचित खिलाड़ी के द्वार तक खेल प्रकोष्ठ ने हर संभव सहायता पहुंचाई

नई दिल्ली। लगभग 1 वर्ष पूर्व रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया आठवले खेल प्रकोष्ठ ने कार्य करना शुरू किया और आज ही के दिन माननीय केंद्रीय मंत्री व रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया आठवले के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामदास जी आठवले के मार्गदर्शन व खेल प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष व अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी भाई दिनेश खांडा जी के बताए मार्ग पर चलते हुए देश के अलग अलग राज्य के हर वंचित खिलाड़ी के द्वार तक खेल प्रकोष्ठ ने हर संभव सहायता पहुंचाई है जहां भी किसी भी साथी द्वारा यह बताया गया कि किसी राज्य में कोई भी खिलाड़ी बेनामी की जिंदगी जी रहा है वहां तक भाई दिनेश खांडा के मार्गदर्शन में हर संभव सहायता पहुंचाई गई माननीय केंद्रीय मंत्री आठवले जी ने किसी भी प्रकार की सहायता के लिए अपने मंत्रालय के द्वार खोल रखे हैं चाहे वह वंचित व शोषित वर्ग के भलाई के कार्य के काम हो चाहे खेल प्रकोष्ठ के रास्ते से किसी खिलाड़ी को सहायता मुहैया कराने का काम हो आज मैं अरुण बिडलान एडवोकेट राष्ट्रीय प्रवक्ता व लीगल चीफ खेल प्रकोष्ठ इस प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी देने जा रहा हूं के आने वाली 7 मार्च को माननीय मंत्री जी खेल प्रकोष्ठ के सभी पद अधिकारियों से रूबरू होंगे व अपना आशीर्वाद देंगे और आगामी खेल कार्यक्रम के बारे में जानकारी देंगे जल्द ही अंबेडकर प्रीमियम लीग के बैनर तले क्रिकेट मैच का आयोजन किया जाएगा जिसमें माननीय केंद्रीय मंत्री रामदास जी आठवले मुख्य अतिथि होंगे खेल प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रदीप गांधी, देबू पहलवान मुख्य रूप से आज उपस्थित है जल्द ही हरियाणा राज्य में बदलाव करके कार्यकारिणी घोषित की जाएगी व जम्मू और कश्मीर में प्रभारी नियुक्त किया जाएगा।

सदर बाजार इलाके में 40 वर्षीय व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के सदर बाजार इलाके में कुछ लोगों ने कथित तौर पर 40 वर्षीय एक व्यक्ति को पीटा जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि लेडी हार्डिंग अस्पताल में रविवार को उन्हें सूचित किया कि एक व्यक्ति को घायल अवस्था में भर्ती किया गया है। पुलिस ने कहा कि मंगल नामक व्यक्ति को उसके रिश्तेदार भुवन ने अस्पताल में भर्ती करवाया था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भुवन ने बताया कि तड़के पांच बजे वह अपने पिता से मिलने जा रहा था जो सदर बजार के शिव मार्केट में सुरक्षा गार्ड हैं। उसने अपने चाचा मंगल को रुई मंडी के पास खून से लथपथ अचेत अवस्था में देखा। पुलिस उपायुक्त (उत्तर) सागर सिंह कलसी ने कहा कि भुवन ने मंगल को लेडी हार्डिंग अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने कहा कि सदर बाजार पुलिस थाने में धारा 307 के तहत एक मामला दर्ज किया गया है और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। डीसीपी ने कहा कि घायल व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत हो गई और मामले को हत्या के मामले में बदल दिया गया है। उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने कहा कि मुख्य आरोपी देवेंद्र नेपाल का नागरिक है और वह भागकर वहीं चला गया। मंगल ने कुछ महीने पहले कथित तौर पर देवेंद्र के पिता को पीटा था।

डीएमआरसी के प्रबंधन निदेशक की नियुक्ति पर रोक लगाने से हाईकोर्ट का इनकार

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) के प्रबंध निदेशक की नियुक्ति पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। हालांकि न्यायालय ने डीएमआरसी के प्रबंध निदेशक की नियुक्ति प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिका पर केंद्र और दिल्ली सरकार को नोटिस जारी करके जवाब मांगा है। मुख्य न्यायाधीश डी.एन. पटेल और न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा की पीठ ने मामले में केंद्रीय शहरी एवं आवास विकास मंत्रालय, विधि एवं न्याय मंत्रालय और दिल्ली सरकार से मामले की अगली सुनवाई 29 अप्रैल से पहले जवाब देने को कहा है। पीठ ने यह आदेश उस याचिका पर दिया है जिसमें डीएमआरसी के प्रबंध निदेशक की नियुक्ति के लिए एक समान यानी 60 साल उम्र तय करने की मांग की। पीठ ने याचिकाकर्ता वकील के उस मांग को सिरे से ठुकरा दिया जिसमें नियुक्ति प्रक्रिया पर रोक लगाने की मांग की गई थी। उच्च न्यायालय में दाखिल याचिका में दिल्ली सरकार द्वारा डीएमआरसी के प्रबंध निदेशक की नियुक्त के लिए 10 फरवरी को जारी अधिसूचना को चुनौती दी गई है। इस अधिसूचना के जरिए डीएमआरसी के प्रबंध निदेशक की नियुक्ति के लिए आवेदन मांगे गए ते। याचिका में अधिसूचना को मनमाना, अनुचित और कानूनी प्रक्रिया के खिलाफ बताया गया है। याचिका में कहा है कि प्रबंध निदेशक के पद के लिए आयु सीमा एक समान यानी 60 साल होने चाहिए। सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के तहत इस पद के लिए डीएमआरसी के आंतरिक उम्मीदवारों के लिए अधिकतम आयु 60 अधिकतम उम्रसीमा तय किया गया है, जबकि बाहरी आवेदक के लिए अधिकतम आयु 58 साल तय किया गया है। इस अधिसूचना के अनुसार लखनऊ मेट्रो, चेन्नई मेट्रो आदि के अधिकारियों को बाहरी व्यक्ति के रूप में माना जाएगा।

बॉटनिकल गार्डन में बिखरी रंग बिरंगे फूलों की महक

नोएडा। सेक्टर-137 स्थित बॉटनिकल गार्डन में रंग बिरंगे फूलों की खुशबू लेने के लिए तैयार हो जाए। यहां प्रकृति प्रेमियों व आम लोगों के लिए पुष्प प्रदर्शनी लगाई गई है। बृहस्पतिवार को प्रदर्शनी का शुभारंभ सांसद डॉ. महेश शर्मा ने किया। आम लोग गॉर्डन में घूमते हुए 47 विभिन्न दुर्लभ फूलों की प्रजातियों से रूबरू हो सकेंगे। लोगों को लुभाने के लिए यहां कई प्रकार के फूलों से सजावट भी की गई है। प्रदर्शनी में बैंगनी, लाल, पीले, हरे व सफेद रंग में उपलब्ध कई प्रजातियों के फूल बेहद ही खूबसूरत हैं। पहले ही दिन प्रदर्शनी में लोगों की काफी भीड़ रही। बता दें कि सेक्टर-137 स्थित बॉटनिकल गार्डन कई हेक्टेयर में फैला है। यहां हर साल प्रकृति प्रेमियों व आम लोगों के लिए फूलों की प्रदर्शनी लगाई जाती है। बॉटनिकल गार्डन के प्रशासनिक अफसर डॉ. संदीप चौहान ने बताया कि लोगों के लिए यह गार्डन सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक खुला रहेगा। पुष्प प्रदर्शनी में 47 दुर्लभ प्रजातियों के सात हजार 245 फूल मौजूद है। इस पुष्प प्रदर्शनी (फ्लावर शो) का उद्देश्य अधिक संख्या में स्कूल व कॉलेज के विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं, आम लोग, प्रकृति प्रेमियों को वनस्पति उद्यान की तरफ आकर्षित करना एवं भारत की स्थानीय वनस्पतियों का संरक्षण कराना है। यह प्रदर्शनी पांच मार्च तक आयोजित की जाएगी। इस दौरान कोई भी व्यक्ति गार्डन का दौरा कर फूलों के शो और प्रकृतिक सुंदरता का आनंद ले सकता है। इस दौरान संजय बाली, डा. प्रियंका, डॉ. शिव कुमार, डा. मयंक द्विवेदी, डा. प्रियंका राणा, आदि लोग मौजूद रहे।

एमिटी में शिक्षक विकास कार्यक्रम की शुरुआत

नोएडा। शारीरिक शिक्षा प्रशिक्षकों, खेल शिक्षकों और निदेशकों के लिए एमिटी स्कूल ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्टस सांइसेस और अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के सहयोग से शिक्षक विकास कार्यक्रम की शुरुआत की है। यह कार्यक्रम दो सप्ताह तक चलेगा। कार्यक्रम का शुभारंभ पश्चात एनसीआरटी दिल्ली के मीडिया सीआईईटी प्रमुख प्रो. राजेन्द्र पाल ने कहा कि शारीरिक शिक्षण में कौशल का होना जरूरी है। छात्रों को नवीन जानकारी प्रदान करने के लिए शिक्षक को स्वंय सक्रिय होने की आवश्यकता है। महात्मा गांधी से लेकर विभिन्न महापुरूषों और कमेटियों आदि ने छात्रों के संपूर्ण विकास के लिए शारीरिक शिक्षा के महत्व और अकादमिक शिक्षा में उसके एकीकरण पर जोर दिया था। विद्यालयों के अतिरिक्त व्यायामशाला हुआ करती थी और छात्रों की दिनचर्या में शारीरिक शिक्षा प्राकृतिक रूप से सम्मलित रहता था। प्रो. पाल ने कहा कि अकादमिक शिक्षा के हर स्तर पर फिजिकल एजुकेशन आंतरिक भाग होना चाहिए।

गुरुग्राम में सड़क हादसे में 5 लोगो की मौत

ब्रांच मैनेजर का बर्थडे सेलिब्रेट करके लौट रहे थे पांचों; एन 48 पर ट्रक ने मारी कार को टक्कर

गुरुग्राम। हरियाणा के गुरुग्राम जिले में एक सेलेरियो कार को ट्रक ने जबरदस्त टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि कार चकनाचूर हो गई और उसमें सवार ब्रांच मैनेजर सहित 5 युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा उस वक्त हुआ जब पांचों दिल्ली-जयपुर हाईवे स्थित एक होटल मैनेजर का बर्थडे सेलिब्रेट करके वापस रूम पर लौट रहे थे। बिलासपुर थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार, मानेसर आईएमटी स्थित सोम लॉजिस्ट कंपनी में कार्यरत भारत भूषण, चंद्रमोहन (25) निवासी हांसी हिसार, संदीप (23) निवासी कैथल, प्रवीण शर्मा (29), आशीष (24) पांचों गाजियाबाद में बतौर ब्रांच मैनेजर कार्यरत चंद्रमोहन के की बर्थडे पार्टी सेलिब्रेट करके गाजियाबाद से सेलेरियो गाड़ी में सवार होकर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान दिल्ली-जयपुर हाईवे पर बिलासपुर थाना क्षेत्र के गांव बिनोला के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी कार को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार चकनाचूर हो गई और उसमें सवारों पांचों युवक बुरी तरह फंस गए। हाईवे से गुजर रहे वाहन चालकों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने उन्हें कार से निकालने की भरसक कोशिश की, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। उसके बाद कटर की मदद से कार के हिस्से को काटा गया और फिर पांचों को निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने पांचों को मृत घोषित कर दिया।

वहीं हादसे के बाद आरोपी ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। यह सभी राजस्थान नंबर की सेलेरियो गाड़ी में सवार थे। बताया जा रहा है कि मरने वालों में शामिल संदीप की इसी माह 22 मार्च को शादी थी। जबकि प्रवीन व चन्द्रमोहन की पहले ही शादी हो चुकी है। मरने वाले आशीष व और चन्द्रभूषण दोनों अविवाहित थे। गाड़ी को आशीष चला रहा था। बिलासपुर थाना पुलिस पूरे मामले की कार्रवाई में जुटी है। हादसे की जानकारी उनके परिजनों तक पहुंचा दी गई है।

गुरुग्राम में तेज रफ्तार लग्जरी कार का कहर : बाइक पर सवार 4 डिलीवरी ब्वॉय को मारी टक्कर; चारों की मौके पर ही मौत

गुरुग्राम। हरियाणा के गुरुग्राम में तेज रफ्तार लग्जरी कार ने गोल्फ कोर्स रोड पर 2 बाइक पर सवार स्विगी के 4 डिलीवरी बॉय को टक्कर मार दी। चारों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने कार के ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है। पुलिस के मुताबिक- चारों युवक डीएलएफ फेस-1 से चक्करपुर की ओर जा रहे थे। मरने वालों में 2 युवक बिहार के एक उत्तराखंड और एक मध्यप्रदेश का निवासी था। गुरुवार को चारों शवों का पोस्टमार्टम कराया गया। पुलिस के अनुसार बिहार निवासी जितेंद्र मंडल व रजनीश मंडल, उत्तराखंड के गोपाल सिंह अधिकारी और मध्यप्रदेश के गोविंद एक रेस्टोरेंट से लौट रहे थे। उसी समय पीछे से आई कार ने उनकी बाइकों को टक्कर मार दी। पुलिस ये यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि कार ड्राइवर ने शराब तो नहीं पी रखी थी। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

100 वर्ष पूरे होने पर एक मई से डीयू में होगी जश्न की शुरुआत

नई दिल्ली। दो महीने बाद मई में दिल्ली विश्वविद्यालय अपने स्थापना के 100 वर्ष पूरे कर रहा है। इसी के उपलक्ष्य में दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह की प्रेस कान्फ्रेंस हुई और उन्होंने एक मई को होने वाले मुख्य कार्यक्रम में स्टाम्प, सिक्का और लोगो जारी किया जाएगा। डीयू के 100 वर्ष पूरे होने पर लोगो का चयन कर लिया गया है। इसे गार्गी कालेज की छात्रा कृतिका खींची ने तैयार किया है। गौरतलब है कि डीयू का शताब्दी वर्ष का लोगो तैयार करने के लिए एक प्रतियोगिता हुई थी, जिसमें विभिन्न कॉलेज की छात्राओं ने प्रतिभाग किया था। आखिरकार गार्गी कालेज की छात्रा कृतिका खींची का लोगा चयनित किया गया है।

इसमें गार्गी कालेज की छात्रा कृतिका खींची द्वारा बनाया गया लोगो चुना गया। इस मौके पर डीयू के इतिहास पर एक किताब, कॉफ़ी टेबल बुक लांच की जाएगी। एसओएल में यूजी और पीजी में मैनेजमेंट और इकोनॉमिक्स के चार नए पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे। दरअसल, डीयू में 2000 कि क्षमता वाले 2 नए हॉस्टल बनाये जा रहे हैं। 100 जगहों पर वृक्षारोपण की भी योजना है। गांव में आउटरीच एक्टिविटी, गांव के विकास मेभी छात्र योगदान देंगे।

डीयू के सूत्रों ने बताया कि रिपोर्ट में एबीसीडी माडल के तहत पूर्व छात्रों का सहयोग लेना, शैक्षणिक अंतराल को पाटना, कम्युनिटी आउटरीच और लोकतांत्रिक लोकाचार के लिए तत्पर रहने पर जोर दिया जाएगा। इसके तहत अगले साल एक मई तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों पर आजादी के अमृत महोत्सव की छाप भी दिखेगी। पूर्व के कुलपति, छात्रों समेत शिक्षकों को शताब्दी वर्ष के मुख्य समारोह में सम्मानित किया जाएगा। यही नहीं सभी विभागों को निर्देश दिए जाएंगे कि साल में कम से कम एक बार कार्यक्रम आयोजित जरूर करें। इसके अलावा डीयू अपने शताब्दी वर्ष में काफी टेबल बुक लांच करेगा। वहीं, लाइट एंड साउंड शो भी आयोजित किए जाएंगे।

दिल्ली : पादरी की बेरहमी से पिटाई, जय श्री राम बोलने को मजबूर किया; केस दर्ज

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में एक पादरी ने आरोप लगाया कि अज्ञात व्यक्तियों के ग्रुप ने उन्हें पीटा अपमानित किया और जय श्री राम का नारा लगाने के लिए मजबूर किया। यह घटना बीते 25 फरवरी को दक्षिण दिल्ली के फतेहपुर बेरी में हुई। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में संज्ञान लेते हुए अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) हर्षवर्धन ने कहा कि शिकायत के आधार पर हमने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 365 (गुप्त रूप से और गलत तरीके से व्यक्ति को बंधक बनाने के इरादे से अपहरण करना), 323 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाने के लिए सजा), 341 (गलत प्रतिरोध के लिए सजा) और 34 (सामान्य मंशा की पूर्ति के लिए कई व्यक्तियों द्वारा किए गए कार्य) के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है। मामले की जांच जारी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पादरी टेट ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि 25 फरवरी को जब वह अपने एक दोस्त से मिलने के बाद काम पर जा रहे थे, तब अज्ञात व्यक्तियों के एक समूह ने उन्हें परेशान किया और जय श्रीराम के नारे लगाने के लिए मजबूर किया। अधिकारियों के मुताबिक, टेट ने यह भी आरोप लगाया कि हमलावरों ने उनके साथ मारपीट की, उनकी बाइबिल छीनकर उसे फाड़ने की कोशिश की और उनके हाथ-पैर तोड़ने की धमकी भी दी।

फ्लैट बचाने के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंचे सोसाइटी के लोग

फरीदाबाद। प्रर्वतन निदेशालय की कार्रवाई पर रोक लगाने के लिए एसआरएस बिल्डर द्वारा ग्रेटर फरीदाबाद में बनाई गई सोसाइटी के सैकड़ों फ्लैटधारकों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर दी है।

वहीं शुक्रवार को एसबीआई (स्टेट बैंक ऑफ इंडिया) भी अदालत का दरवाजा खटखटा सकता है। एसआरएस रॉयल हिल्स की आरडब्ल्यूए (रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन) के प्रधान अवनीश झा ने बताया कि इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर दी गई है। किसी भी हालत में फ्लैट खाली नहीं किए जाएंगे। हम लोग बिल्डर को सारा भुगतान कर चुके हैं। बैंक को लगातार मासिक किस्त दे रहे हैं। इसमें फ्लैट धारकों की कोई गलती नहीं है। प्रर्वतन निदेशालय को धन शोधन का पता था तो पहले ही बिल्डर को फ्लैट की बिक्री से रोक देना चाहिए था। फ्लैट धारकों के साथ नाइंसाफी हो रही है। एसआरएस रॉयल हिल्स सोसायटी में करीब 1400 फ्लैट धारकों की रजिस्ट्री नहीं हुई है। एसआरएस पर्ल फ्लोर सोसायटी में 220 फ्लैट की रजिस्ट्री लोगों के नाम नहीं हुई हैं।

इसी तरह एसआरएस रेजिडेंसी में भी ऐसे लोग हैं, जिनकी बिल्डर ने रुपये लेने के बाद भी रजिस्ट्री नहीं की थी।सोसायटी वासी मनोज भारती ने बताया कि उनकी एसबीआई की सेक्टर-16 शाखा के सहायक महाप्रबंधक से बातचीत हुई है। उन्होंने हमें शुक्रवार तक अदालत में मामला दायर करने का भरोसा दिया है। इस मामले में बैंक हमारे साथ है। सभी फ्लैट धारकों ने बैंक ऋण लेकर फ्लैट खरीदे हैं। फ्लैट खाली करने का तो कोई सवाल ही नहीं है।

जिले में करीब 10 हजार छात्र देंगे पांचवी से आठवी की परीक्षा

एजेंसी

फरीदाबाद। जिले के हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड संबद्ध स्कूलों में कक्षा पांचवी से आठवी की वार्षिक परीक्षाओं का दौर 15 मार्च से शुरू हो जाएगा। जिले में करीब 10 हजार छात्र परीक्षा में शामिल होंगे। राज्य शिक्षा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (एससीईआरटी) की ओर से वार्षिक परीक्षाओं को लेकर डेटशीट जारी कर दी गई है। जिला स्तर पर मौलिक शिक्षा विभाग की ओर से परीक्षाओं के आयोजन को लेकर स्कूल मुखियाओं को सूचना भेज दी गई है। वहीं स्कूलों में प्री बोर्क परीक्षाओं को लेकर भी तैयारी जारी है। जारी डेटशीट के मुताबिक 15 मार्च को पहली परीक्षा होगी। कक्षा छठी और सातवी के छात्र पहली परीक्षा हिंदी की विषय की देंगे, जबकि आठवी के छात्र पहली परीक्षा अंग्रेजी विषय की देंगे। पांचवी कक्षा की पहली परीक्षा 16 मार्च को हिंदी विषय की देंगे। परीक्षाओं का दौर 26 मार्च तक चलेगा। परीक्षाएं तीन घंटे की होंगी। इनका समय सुबह नौ से 12 बजे तक रहेगा। राजकीय स्कूलों में सेकेंडरी और सीनियर सेकेंडरी कक्षाओं की प्री बोर्ड परीक्षाएं सोमवार से शुरू होंगी।

दिल्ली प्रदेश में आने वाले नगर निगम चुनाव के बारे में की बातचीत

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश में आने वाले नगर निगम चुनाव के बारे में बातचीत करने को संगठन मंत्री श्री सिद्धार्थ धनजी दिल्ली प्रदेश के महामंत्री श्री हर्ष मल्होत्रा जी दिल्ली प्रदेश के वरिष्ठ एवं अति विशेष प्रकोष्ठ के संयोजक श्री धर्म भाई जी नवीन शाहदरा जिले के वरिष्ठ एवं अति विशेष प्रकोष्ठ के संयोजक श्री यशपाल ज्योति जी स संयोजक श्री रामलाल जी नवीन शाहदरा जिले के वरिष्ठ एवं अति विशेष प्रकोष्ठ के राजकुमार कौशिक गोकुलपुरी विधानसभा से वरिष्ठ एवं अति विशेष प्रकोष्ठ के संयोजक दीपांशु त्यागी स संयोजक श्री अशोक शर्मा बाबरपुर मंडल के वरिष्ठ एवं आदि विशेष प्रकोष्ठ के संयोजक श्री मनीष गुप्ता और वेलकम मंडल के वरिष्ठ एवं अति विशेष प्रकोष्ठ की श्रीमती राधा गुप्ता जी और जितेंद्र जैन श्री कृष्ण पाल तोमर श्री मदन लाल जी श्री योगेश जी और यीशु ठाकुर आदि लोग मौजूद थे बहुत अच्छे वातावरण में साथ में दिल्ली प्रदेश के प्रवक्ता नवीन शाह जिले के उपाध्यक्ष श्री राजीव जयंत का बड़ा बहुत बड़ा योगदान रहा आज के प्रोग्राम में यह सब दिल्ली प्रदेश के वरिष्ठ एवं अति विशेष प्रकोष्ठ के श्री धर्म भाई के के अनुसार नवीन शाहदरा जिले के वरिष्ठ ए अति विशेष प्रकोष्ठ के श्री यशपाल चौधरी द्वारा कराया गया।

कोरोना के 326 नए मरीज मिले, तीन की मौत; 388 लोग हुए ठीक

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना के 326 नए मरीज मिले और ठीक होने वाले मरीजों की संख्या 388 रही। कोरोना के चलते तीन लोगों की मौत हुई। अस्पताल में भर्ती मरीजों की संख्या अब 150 से भी कम रही गई है। दिल्ली सरकार द्वारा गुरुवार को जारी कोविड-19 स्वास्थ्य बुलेटिन के अनुसार बीते 24 घंटे में 42,542 लोगों की जांच की गई। जिसमें आरटीपीसीआर से 34,402 और रैपिड एंटीजन टेस्ट से 8140 लोगों की जांच हुई।

कोरोना संक्रमण की जांच दर 0.77 फीसदी रही। कोरोना को लेकर अब तक 3,65,05,716 सैंपल की जांच हो चुकी है। होम आइसोलेशन में कोरोना के 1171 मरीजों का उपचार जारी है। जबकि अस्पताल में कोरोना संक्रमित व संदिग्ध मरीज मिलाकर कुल 134 मरीज इलाज के लिए भर्ती है। इसके अलावा कोविड केयर सेंटर में एक और कोविड हेल्थ सेंटर में एक भी मरीज नहीं है। वहीं ऑक्सीजन सपोर्ट पर मरीजों की संख्या 40 है। आईसीयू में 43 मरीज और वेंटिलेटर पर 11 मरीज भर्ती है।

अलग-अलग अस्पतालों में 10,776 बेड खाली है। दिल्ली में कंटेनमेंट जोन की संख्या 4415 रह गई है। कोरोना के कुल 18,60,887 मामले सामने आ चुके है। जिसमें 18,33,169 मरीजों ने कोरोना को मात दी और कुल संक्रमण दर 5.1 फीसदी है। साथ ही 26130 लोगों की कोरोना के चलते मौत हो गई। दिल्ली में कुल मृत्यु दर 1.40 फीसदी है। जबकि कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या 1588 रह गई है।

39 हजार से अधिक को लगी वैक्सीन

बीते 24 घंटे में 39396 वैक्सीन की डोज लगाई गई। जिसमें पहली डोज लेने वाले लोगों की संख्या 4708 और दूसरी डोज वालों की संख्या 32506 रही।2182 ने बीते 24 घंटे में प्रिकोशन डोज ली। दिल्ली में अब तक 31441028 वैक्सीन की डोज लग चुकी है। वहीं अभी तक 15-17 वर्ष आयु के 1533211 किशोरों का टीकाकरण हो चुका है। इसमें 11676 का टीकाकरण किया गया।

पंजाब नेशनल बैंक के लॉकर से गायब हुए 70 लाख के जेवर, बैंक कर्मियों पर केस

गाजियाबाद। गाजियाबाद में पंजाब नेशनल बैंक के लॉकर से करीब 70 लाख रुपये के जेवर चोरी होने का मामला सामने आया है। 28 फरवरी को गोदरेज कंपनी और बैंक के कर्मचारियों तथा खाताधारक महिला की मौजूदगी में लॉकर को तुड़वाया तो घटना का पता चला। महिला की तहरीर पर सिहानी गेट पुलिस ने वर्ष 2019 से लेकर अब तक तैनात रहे बैंक कर्मचारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

सिहानी गेट थानाक्षेत्र के अशोक नगर में रहने वाली प्रियंका गुप्ता के पति समीर गुप्ता आईटी प्रोफेशनल हैं। प्रियंका गुप्ता के मुताबिक पंजाब नेशनल बैंक की नेहरू नगर शाखा में उनका खाता है। साथ ही करीब 20 वर्षों ने बैंक में उन्होंने लॉकर भी ले रखा है। लॉकर का किराया भी उनके बैंक खाते से कटता है। प्रियंका गुप्ता का कहना है कि नवंबर 2019 में उन्होंने आखिरी बार लॉकर का इस्तेमाल किया था। इसके बाद कोरोना काल शुरू होने के चलते वह न तो बैंक गईं और न ही लॉकर का इस्तेमाल किया। अक्टूबर 2021 में वह अपने लॉकर को खोलने गईं तो चाबी नहीं लगी। बैंक प्रबंधक और लॉकर इंचार्ज से शिकायत करने पर समस्या का जल्द समाधान करने का आश्वासन दिया गया। दिसंबर 2021 और 25 फरवरी 2022 को बैंक जाने पर भी अधिकारियों ने कोई समाधान नहीं किया। अधिकारियों ने 28 फरवरी को गोदरेज कंपनी के कर्मचारी बुलवाने के लिए कहा।

लॉक न खुलने पर तोड़ना पड़ा लॉकर

प्रियंका गुप्ता का कहना है कि 28 फरवरी को गोदरेज कंपनी के कर्मचारियों ने लॉकर खोलने की कोशिश की, लेकिन कामयाबी नहीं मिली, जिसके बाद लॉकर को तोड़ने का फैसला लिया गया। लॉकर खुलने पर उसमें रखे 70 लाख रुपए के जेवर गायब थे। महिला ने बैंक अधिकारियों पर उनके आभूषणों को गबन करने का आरोप लगाया है।

सीओ द्वितीय आलोक दुबे ने बताया कि महिला की तहरीर पर वर्ष 2019 से अब तक बैंक में रहे तैनात बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। सभी पहलुओं पर मामले की जांच की जा रही है। जांच में जो तथ्य सामने आएंगे उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

संपादकीय

छठा चरण योगी की उम्मीदवारी के चलते हो गया है अहम

उत्तर प्रदेश का विधान सभा चुनाव मोदी-योगी के गढ़ पूर्वांचल में प्रवेश कर चुका है। छठे चरण की जिन 57 सीटों पर चुनाव होने हैं, उनमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की गोरखपुर विधान सभा सीट भी शामिल है, जहां से योगी पहली बार विधान सभा का चुनाव लड़ रहे हैं। इस बार मतदाता किसकी कितनी झोली भरेंगे यह तो 10 मार्च को ही पता चलेगा,लेकिन बात 2017 के विधान सभा चुनाव की कि जाए तब बीजेपी ने 46, सपा ने 2, बसपा ने 5 और कांग्रेस ने एक सीट पर जीत हासिल की थी, वहीं एक सीट अपना दल (एस), एक सीट सुभासपा और एक सीट अन्य को मिली थी। इस बार 10 जिलों की इन 57 सीटों पर तीन मार्च को वोट डाले जाएंगे। छठे चरण में गोरखपुर से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनके खिलाफ ताल ठोंक रहे भीम आर्मी के चन्द्रशेखर आजाद 'रावण' दिहाड़ी मजदूर से कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष तक का सफर करने वाले विधायक अजय कुमार लल्लू, चर्चित हस्ती हरिशंकर तिवारी के बेटे विनय शंकर तिवारी के भी भाग्य का फैसला होना है।

छठे चरण में बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, महराजगंज, कुशीनगर, गोरखपुर, संतकबीर नगर, बस्ती, अंबेडकर नगर, देवरिया, बलिया में वोटिंग होगी इस चरण में कुल 676 उम्मीदवार चुनाव मैदान में है। इस चरण की लगभग 65 प्रतिशत विधानसभा सीटों को आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों की उपस्थिति के कारण संवेदनशील घोषित किया गया है। आपराधिक रिकॉर्ड वाले शीर्ष तीन उम्मीदवारों में सहजनवा, गोरखपुर से बसपा उम्मीदवार, 26 मामलों के साथ सुधीर सिंह, खड्डा, कुशीनगर जिले से सुहेलदेव राजभर भारतीय समाज पार्टी (एसबीएसपी) के उम्मीदवार अशोक चौहान 19 मामलों के साथ और आजाद समाज पार्टी से चंद्रशेखर रावण चुनाव लड़ रहे हैं। गोरखपुर से सीएम योगी के खिलाफ 16 आपराधिक मामले लंबित हैं। छठे चरण में दो उम्मीदवारों पर बलात्कार का आरोप है जबकि आठ के खिलाफ हत्या के मामले दर्ज हैं।

छठे चरण में 10 जिलों की 57 विधानसभा सीटों का चुनाव मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गढ़ में होने जा रहा है, इसलिए यहां भाजपा की जीत-हार का सीधा सियासी फायदा-नुकसान भी योगी को ही होगा। छठे चरण की दर्जनों विधानसभा सीटों पर मुख्यमंत्री के प्रिय उम्मीदवार मैदान में हैं। चुनाव लड़कर विधायक बनने के लिए पहली बार मुख्यमंत्री भी चुनाव मैदान में हैं। योगी की राह रोकने के लिए यहां विरोधी दलों ने एड़ी-चोटी का जोर लगा रखा है। योगी को चुनावी समर में फंसा देने के इरादे से अखिलेश यादव ने पूरा जोर लगा दिया है। गोरखपुर शहरी सीट से भाजपा नेता स्व. उपेन्द्र दत्त शुक्ला की पत्नी सुभावती शुक्ला मुख्यमंत्री के खिलाफ मैदान में हैं। गोरखपुर के चुनाव प्रचार को टक्कर का बनाने के लिए अखिलेश यादव ने सहयोगियों को भी विशेष तौर से लगाया है। बसपा के ख्वाजा समशुद्दीन, भीम आर्मी के चंद्रशेखर आजाद भी ताल ठोंक रहे हैं। कांग्रेस की चेतना पांडे योगी को चुनौती दे रही हैं।

गोरखपुर की मुख्य पहचान गीता प्रेस और गोरक्षा पीठ (गोरखनाथ मंदिर) है। 60 के दशक से पीठ यहां चुनाव में कभी नहीं हारा है। इस बार मंदिर के महंत, प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहली बार विधायकी का चुनाव लड़ने के लिए मैदान में हैं। गोरखपुर ब्राह्मण बहुल सीट है। शहरी सीट पर 60-65 हजार ब्राह्मण मतदाता हैं। मुख्यमंत्री को जिस जाति (क्षत्रिय) से जोड़कर देखा जाता है, उसके मतदाताओं की संख्या 28-35 हजार है। वैश्य समाज ठीक-ठाक संख्या में है, लेकिन लगातार कई बार के विधायक राधामोहन दास अग्रवाल का टिकट कटने,उनका, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से नाराजगी होने का खतरा भी है।

अच्छे के लिए होता है!

राजा और मंत्री शिकार के लिए निकले,
जंगल में आए, बहुत सारी झाड़ी और झीलें,
राजा जी के उंगली मैं चुभ गए,
झाड़ियों में जो थे कांटे नुकीले!

राजा के हाथ कि एक उंगली कटि,
सब कुछ अच्छे के लिए होता है बोला मंत्री,
दर्द में यह बात सुनकर राजा को क्रोध आया,
सेना को कह, मंत्री को कारावास में भिजवाया!

राजा अकेले जंगल में आगे बढ़ा,
कबीले वालों ने बली के लिए राजा को पकड़ा,
देखा राजा का एक अंग है भंग,
राजा को छोड़ दिया उन्होंने, इस कारण!

राजा को मंत्री की बात समझ आई,
वो महल गया और तुरंत मंत्री को जेल मैं आवाज लगाई,
मंत्री को कहा भगवान ने मेरी तो जान बचाई,
लेकिन तुझे क्या फायदा हुआ मेरे भाई?

मंत्री मुस्कुराया और कहा,
अगर मैं आपके साथ होता वहां,
कबीले वाले आपको तो छोड़ देते, लकिन मेरी पक्का बलि ले लेते!

ईश्वर पर रखो पूरा यकीन,
कभी रात है तो कभी दिन,
कभी कोई पाता है, कभी कोई खोता है,
इसलिए जो भी होता है, अच्छे के लिए होता है!!

डॉ. माध्वी बोरसे!
(स्वरचित व मौलिक रचना)
राजस्थान (रावतभाटा)

युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला हो

ललित गर्ग

यूक्रेन पर हमले के एक सप्ताह बाद भी रूस वांछित नतीजा हासिल नहीं कर पाया है। जैसे-जैसे समय बीत रहा है, अधिक विनाश एवं विध्वंस की संभावनाएं बढ़ती जा रही है। विश्व युद्ध का संकट भी मंडराने लगा है। रूस यूक्रेन से बात करने को तो तैयार है, लेकिन अपनी शर्तो पर। उसके ऐसे रवैये के चलते यदि दोबारा बात होती भी है तो उससे कोई ठोस परिणाम निकलने की आशा कम ही है, यह स्थिति दुनिया को अशांति की ओर अग्रसर करने वाली है। अमेरिका और उसके सहयोगी देशों की नाकामी ने अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक क्षेत्र में एक रिक्तता पैदा करते हुए संकट को गहराया है। भारत को इस रिक्तता की पूर्ति के लिए सक्रिय होना चाहिए। भले ही भारत के रिश्ते रूस के साथ दोस्ताना के रहे हैं, लेकिन इसकी अनदेखी भी नहीं की जा सकती कि यूक्रेन पर रूस के भीषण हमलों में वहां लोगों की जान जा रही है-न केवल निर्दोष-निहत्थे यूक्रेनियों की, बल्कि अन्य देशों के नागरिकों की भी। गत दिवस एक भारतीय छात्र की भी जान गई। अभी भी वहां भारत के साथ अन्य देशों के तमाम छात्र फंसे हुए हैं।

यूक्रेन के साथ कोई अनहोनी होती है तो इसके लिए केवल रूस ही जिम्मेदार होगा। रूस एवं यूक्रेन के बीच इस तरह युद्धरत बने रहना खुद में एक असाधारण और अति-संवेदनशील मामला है, जो समूची दुनिया को विनाश एवं विध्वंस की ओर धकेलने जैसा है। ऐसे युद्ध का होना विजेता एवं विजित दोनों ही राष्ट्रों को सदियों तक पीछे धकेल देगा, इससे भौतिक हानि के अतिरिक्त मानवता के अपाहिज और विकलांग होने का भी बड़ा कारण बनेगा। विश्व के एक बड़े हिस्से में रूस पहले ही एक खलनायक जैसा उभर आया है। बेलारूस, वेनेजुएला, सीरिया, ईरान, उत्तर कोरिया जैसे चंद देशों को छोड़कर अन्य कोई देश सीधे तौर पर उसके साथ नहीं खड़ा। रूस को न केवल अपनी वैश्विक छवि की चिंता करनी चाहिए, बल्कि यूक्रेन में फंसे विदेशी नागरिकों के साथ आम यूक्रेनियों की जिंदगी की भी। उसे विश्वशांति एवं मानवता की रक्षा का ध्यान रखते हुए युद्ध विराम के लिये अग्रसर होना चाहिए।

यह सही है कि अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने रूस के सुरक्षा हितों की उपेक्षा करते हुए यूक्रेन को सैन्य संगठन नाटो का हिस्सा बनाने की अनावश्यक पहल की, यही वह वजह है जिसके कारण युद्ध उग्रत्तर होता गया लेकिन इसका यह मतलब तो नहीं कि रूसी राष्ट्रपति यूक्रेन के आम लोगों के साथ वहां रह रहे विदेशी नागरिकों की जान की परवाह न करें। फिलहाल वह ऐसा ही करते दिख रहे हैं और इसीलिए पश्चिम के साथ-साथ दुनिया के अन्य हिस्सों में भी निंदा का पात्र बने हुए हैं। खुद भारत ने सुरक्षा परिषद में यह साफ किया है कि यूक्रेन में हमला करके रूस ने उसकी संप्रभुता का उल्लंघन करने के साथ जिस तरह अंतरराष्ट्रीय नियमों की अवहेलना की, उसे उचित नहीं ठहराया जा सकता। यूक्रेन और रूस के बीच

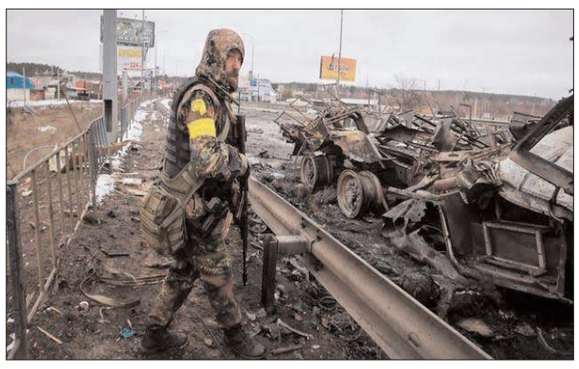

जारी युद्ध में भारतीय पक्ष का रुख न केवल संवेदनशील, बल्कि संतुलित भी है। भारत ने हमले की निंदा खुले शब्दों में भले न की हो, लेकिन उसने रूसी हमले का पक्ष भी नहीं लिया है और यूक्रेन की स्वतंत्रता और संप्रभुता के पक्ष में डटा हुआ है। कुल मिलाकर, भारत शांति का पक्षधर है और रूस एवं यूक्रेन युद्ध के सन्दर्भ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि एक साहसी लेकिन अहिंसक नेता के रूप में उभरी है।

यूक्रेन और रूस में शांति का उजाला करने, अभय का वातावरण, शुभ की कामना और मंगल का फैलाव करने के लिये भारत को शांति प्रयास करने चाहिए। मनुष्य के भयभीत मन को युद्ध की विभीषिका से मुक्ति देनी चाहिए। इन दोनों देशों को अभय बनकर विश्व को निर्भय बनाना चाहिए। निश्चय ही यह किसी एक देश या दूसरे देश की जीत नहीं बल्कि समूची मानव-जाति की जीत होगी। यह समय की नजाकत को देखते हुए जरूरी है और इस जरूरत को महसूस करते हुए दोनों देशों को अपनी-अपनी सेनाएं हटाने के लिए तैयार हो जाना चाहिए। यह रूस का अहंकार एवं अंधापन ही है कि वह पहले दिन से ही ऐसे व्यवहार कर रहा है जैसे यूक्रेन उसके समक्ष कुछ भी नहीं, सचाई भी यही है कि यूक्रेन रूस के सामने नगण्य है। यथार्थ यह है कि अंधकार प्रकाश की ओर चलता है, पर अंधापन मृत्यु-विनाश की ओर। लेकिन रूस ने अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य का अहसास एक गलत समय पर गलत उद्देश्य के लिये कराया है।

युद्ध जब शुरू हुआ था, तब भारत पर विशेष दबाव था कि वह युद्ध रोकने की पहल करे और भारत ने अपने दायरे में रहते हुए पुरजोर कोशिश की भी है। यहां तक कि भारत के रुख से अमेरिका को भी कोई शिकायत नहीं है। रूस भारत का आजमाया हुआ मित्र देश है, इस हिसाब से भी भारत का संतुलित रुख वास्तव में युद्ध का विरोध ही है। भारत में पदस्थ रूसी राजदूत ने भी संयुक्त राष्ट्र में भारत द्वारा अपनाए गए निष्पक्ष और संतुलित रुख के लिए आभार जताया है। भारत ने न केवल संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने का आह्वान किया है, बल्कि हिंसा और शत्रुता को तत्काल समाप्त करने की भी मांग की है। भारत इस समस्या का समाधान कूटनीति के रास्ते से देखना चाहता है। वह युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला चाहता है। पिछले दिनों कुछ व्यग्रता का परिचय देते हुए पोलैंड जैसे देश भारत या भारतीयों के खिलाफ दिखने लगे थे, लेकिन अब उन्हें भी भारत की कोशिशों का महत्व समझ में आने लगा है। भारत की कोशिशें उन देशों से कहीं बेहतर हैं, जो यूक्रेन को हथियार देकर आग में घी डालने का काम कर रहे हैं। लेकिन उन्हें यह सोच लेना चाहिए, जब रूस में तबाही शुरू होगी, तब इस युद्ध का क्या रुख होगा? यह तबाही रूस नहीं, बल्कि समूची दुनिया की तबाही होगी, क्योंकि रूस परमाणु विस्फोट करने को विवश होगा, जो दुनिया की बड़ी चिन्ता का सबब है।

बड़े शक्तिसम्पन्न राष्ट्रों को इस युद्ध को विराम देने के प्रयास करने चाहिए। जबकि वे हिंसक एवं घातक मारक अस्त्र-शस्त्र देकर युद्ध को और तीव्र कर रहे हैं, जबकि युद्ध क्षेत्र में आम लोगों तक हर जरूरी मानवीय मदद पहुंचाने की जरूरत है, भारत ने मानवीय आधार पर इसी तरह की राहत सामग्री यूक्रेन भेजी है। जो विमान भारतीयों को लाने के लिए उधर जा रहे हैं, उनमें राहत सामग्री के पैकेट भी भेजे जा रहे हैं। भारत उन सबके साथ है, जो मदद की बाट जोह रहे हैं। किसी भी देश में यह भ्रम पैदा नहीं होना चाहिए कि भारत हाथ पर हाथ धरे बैठा है। भारत ने उचित ही संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को यह भी बता दिया है कि वह सभी संबंधित पक्षों के संपर्क में है और उनसे बातचीत की मेज पर लौटने का आग्रह कर रहा है। निस्संदेह, भारत को मानवता के पक्ष के साथ-साथ अपना हित देखते हुए शांति और राहत के प्रयासों में जुटे रहना चाहिए।

रूस का यह अहंकार ही है कि वह यूक्रेन को कमजोर होने की वजह से दबा रहा है। बुरा आदमी और बुरा हो जाता है जब वह साधु बनने का स्वांग रचता है। रूस ऐसा ही महसूस कराता रहा है। यह उसका अहंकार ही है कि युद्ध न करने की बात करते हुए एकाएक युद्ध की दिशा में बढ़ा है। इस मोर्चे पर होने वाला कोई भी नुकसान यूक्रेन और रूस की अर्थव्यवस्थाओं के लिए तो समस्या पैदा करेगा ही, दुनिया को भी अस्त-व्यस्त कर देगा। अभी समूची दुनिया कोरोना महामारी के संकट से पूरी तरह उभरी भी नहीं है, यह नया संकट घने अंधेरे देने वाला है। सबसे बुनियादी वजह यह है कि एक से एक विनाशकारी हथियारों की मौजूदगी के कारण युद्ध अधिक घातक होता जा रहा है। यूक्रेन और रूस दोनों जिम्मेदार राष्ट्र होने के नाते दोनों के ऊपर क्षेत्र में अमन-चैन बनाए रखने की जवाबदेही भी है। जब तक रूस के अहंकार का विसर्जन नहीं होता तब तक युद्ध की संभावनाएं मैदानों में, समुद्रों में, आकाश में तैरती रहेगी, इसलिये आवश्यकता इस बात की भी है कि जंग अब विश्व में नहीं, हथियारों में लगे। मंगल कामना है कि अब मनुष्य यंत्र के बल पर नहीं, भावना, विकास और प्रेम के बल पर जीए और जीते।

राजनीति में महिलाएं का होना महत्वपूर्ण!

'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता'

हमारी संस्कृति में नारी सदा ही शक्ति का प्रतीक मानी जाती रही है। ऋषियों की मान्यता थी, कि जहाँ नारी को समुचित सम्मान मिलता है, वहाँ देवता निवास करते है। वैदिक काल की ऋषिकांए हो, चाहे उन्नीसवीं एवं बीसवीं सदी की क्रान्तिकारी महिलाएं, ये नारी शक्ति के विभिन्न रूप है।

राजनीति विशेष रूप से दुनिया भर में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, तो उन्हें उनकी संख्या कम क्यों? जब हम राजनीति के बारे में बात करते हैं, तो इसे आमतौर पर किसी देश या क्षेत्र के शासन से जुड़ी गतिविधियों के रूप में परिभाषित किया जाता है, विशेष रूप से किसी की स्थिति में सुधार या किसी संगठन के भीतर शक्ति बढ़ाने के उद्देश्य से सत्ता या गतिविधियों वाले दलों के बीच बहस। अब, जब हम बात करते हैं राजनीति में महिलाएं, हमारे मन में निम्नलिखित प्रश्न उठते हैं, राजनीति में महिलाएं क्यों हैं, क्या इससे कोई फर्क पड़ता है? राजनीति में किस तरह की महिलाएं होनी चाहिए? क्योंकि महिलाएं हमारी आबादी का प्रमुख हिस्सा हैं, इसलिए निश्चित रूप से महिला समाज के प्रत्येक चरण में प्रतिनिधि, विशुद्ध रूप से उनकी सोच, उनकी मांगों और उनके कल्याण के लिए प्रतिनिधित्व करते हैं। जैसा कि पहले परिभाषित किया गया है, राजनीति विशेष रूप से दुनिया भर में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अपने क्षेत्र में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति के जीवन पर राजनीति का प्रभाव पड़ता है। अतः महिलाओं को इस क्षेत्र में प्रमुख स्थान और समर्थन दिया जाना चाहिए। जिन महिलाओं ने नेतृत्व कौशल और निर्णय लेने की शक्ति का निर्माण किया है, वे भी जानकार और समझदार हैं, उन्हें राजनीति में भाग लेना चाहिए। उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए, कि समाज लैंगिक भेदभाव से मुक्त हो और प्रत्येक व्यक्ति के अधिकार पूरी तरह सुरक्षित हों। वहां विजन व्यावहारिक बदलाव लाना चाहिए।

महिलाओं ने भारत में राष्ट्रपति और प्रधान मंत्री के साथ-साथ विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों के पदों पर कार्य किया है।

दुनिया भर में संसद में महिलाओं की उपस्थिति एक सकारात्मक प्रयास है, जिससे महिलाएं संसद में आ रही हैं। अब अगर इस अध्ययन को देखा जाए तो किसी न किसी सामाजिक-राजनीतिक स्तर पर दुनिया भर की कुछ महिलाएं खुद संसद में पेश हो रही हैं और खुद निर्णय लेने में सक्षम हैं। सवाल उठता है कि महिलाएं राजनीति में नेता क्यों नहीं हैं?

जब महिलाएं राजनीति में भाग लेती हैं तो उनके सामने किन समस्याओं का सामना करना पड़ता है? राजनीतिक सशक्तिकरण में महिलाओं को अनेक कठिनाइयों की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। महिलाओं को अपना राष्ट्र बनाने की जिम्मेदारी नहीं दी जाती है।

संसद में महिलाओं का प्रतिनिधित्व कमजोर है। एक महिला के दोषसिद्धि के कारण निर्वाचित महिलाओं को संसद में अधिक शक्ति नहीं मिली।जो महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी में सकारात्मक बदलाव को रोकते हैं। अभी भी कई देश ऐसे हैं जिनमें महिलाओं का प्रतिनिधित्व न के बराबर है जैसे यमन, कुवैत आदि जैसे अरब देशों में महिलाओं की भागीदारी दुनिया में सबसे कम है और दूसरी ओर संसद में महिलाओं की भागीदारी है। स्वीडन, आइसलैंड और डेनमार्क जैसे नॉर्डिक देशों की स्थिति बेहतर है। यह देखा गया है कि महिलाओं के कम राजनीतिक प्रतिनिधित्व में अंतर कुछ कठिनाई हो सकती है, संसद में महिलाओं की भागीदारी की व्याख्या बाधाओं को कम करने या सुधारने और महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण का विश्लेषण करने के लिए की गई है!

यूक्रेन संकट के बीच भारतीयों को बचाने में जुटा भारत, रूस दे रहा है परमाणु युद्ध की चेतावनी!

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

यूक्रेन का संकट उलझता ही जा रहा है। बेलारूस में चली रूस और यूक्रेन की बातचीत का कोई नतीजा नहीं निकला। इतना ही नहीं, पुतिन ने परमाणु-धमकी भी दे डाली। इससे भी बड़ी बात यह हुई कि यूक्रेन के राष्ट्रपति झेलेंस्की ने यूरोपीय संघ की सदस्यता के लिए औपचारिक अर्जी भी भेज दी। झगड़े की असली जड़ तो यही है। झेलेंस्की की अर्जी का अर्थ यही है कि रूसी हमले से डरकर भागने या हथियार डालने की बजाय यूक्रेन के नेताओं ने गजब की बुलंदी दिखाई है। रूस भी चकित है कि यूक्रेन की फौज तो फौज, जनता भी रूस के खिलाफ मैदान में आ डटी है। पुतिन के होश इस बात से फाख्ता हो रहे होंगे कि नाटो की निष्क्रियता के बावजूद यूक्रेन अभी तक रूसी हमले का मुकाबला कैसे कर पा रहा है। शायद इसीलिए उन्होंने परमाणु-युद्ध का ब्रह्मास्त्र उछालने की कोशिश की है। संयुक्तराष्ट्र संघ की महासभा ने अपने इतिहास में यह 11 वीं आपात बैठक बुलाई थी लेकिन इसमें भी वही हुआ, जो सुरक्षा परिषद में हुआ था।

दुनिया के गिने-चुने राष्ट्रों को छोड़कर सभी राष्ट्रों में रूस के हमले की निंदा हो रही है। खुद रूस में पुतिन के विरुद्ध प्रदर्शन हो रहे हैं। इस वक्त झेलेंस्की द्वारा यूरोपीय संघ की सदस्यता की गुहार लगाने से यह सारा मामला पहले से भी ज्यादा उलझ गया है।

अब अपनी नाक बचाने के लिए पूतिन बड़ा खतरा भी मोल लेना चाहेंगे। यदि झेलेंस्की कीव में टिक गए तो मास्को में पूतिन की गद्दी हिलने लगेगी। अभी यूक्रेन में शांति होगी या नहीं, इस बारे में कुछ भी कहना संभव नहीं है। ऐसी स्थिति में भारत के लगभग 20 हजार नागरिकों और छात्रों को वापस ले आना ही बेहतर रहेगा।

वैश्विक अर्थव्यवस्था पर विपरीत असर पड़ेगा!!!

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर सभी देशों को यूक्रेन-रूस के बिगड़ते संबंधों के चलते युद्ध का आगाज़ पहले से ही था तथा संयुक्तराष्ट्र, नाटो, ईयू इत्यादी संगठनों के हस्तक्षेप करने और युद्ध के तीसरे विश्वयुद्ध में परिवर्तित होने का कुछ हद तक अंदेशा भी इस क्षेत्र के विशेषज्ञों ने व्यक्त किया था!!! परंतु यूक्रेन-रूस युद्ध में युद्ध तो आज आठवें दिन भी शुरू है परंतु अंतर्राष्ट्रीय संगठनों को सीधे तौर पर हस्तक्षेप करते नहीं दिख रहे है, जबकि यूक्रेन देश युद्ध में पूरी तरह से तबाह होते हुए इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और टीवी चैनलों पर दिखाया जा रहा है।

संयुक्त राष्ट्र जनरल असेंबली (यूएनजीए) ने रूस के खिलाफ निंदा प्रस्ताव भी पारित किया है जिसमें 141 देशों ने पक्ष में 5 देशों ने विपक्ष और भारत सहित 35 देशों ने वोटिंग में भाग नहीं लिया हालांकि संयुक्त राष्ट्र, नाटो, ईयू द्वारा अनेक भयंकर प्रतिबंध रूस पर लगाने शुरू हैं जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था पर विपरीत असर देखना शुरू हो गया है बड़ी मुश्किल से कोरोना महामारी और उसके ओमिक्रान वेरिएंट सहित अनेक वैरीअंटों से बड़ी मुश्किल से सभी देश पीछा छुड़ाने में कामयाब होने की राह पर थे और अपनी अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने दीर्घकालीन रणनीतिक रोडमैप बनाना शुरू किया था कि यह नई मानवीय निर्मित मुसीबत आन पड़ी है जिससे अर्थव्यवस्था चौपट होने का अंदेशा गहरा गया है।

साथियों बात अगर आम युद्ध की करें तो यह मानवता के लिए बहुत बड़ी त्रासदी है, जिसमें मानवीय और वित्तीय कीमत चुकानी पड़ती है क्योंकि किसी भी उच्च अर्थव्यवस्था वाले विकसित देश पर वैश्विक प्रतिबंध लगाने से दुनिया पर इसके विपरीत आर्थिक प्रभाव को रोका नहीं जा सकता जिसमें आर्थिक प्रतिबंध झेलने वाला देश भी शामिल है। साथियों बात अगर हम यूक्रेन-रूस युद्ध से वैश्विक अर्थव्यवस्था पर विपरीत परिणामों की करें तो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के अनुसार, ईंधन के कीमतों में भारी इजाफा होने की संभावना है क्यों कि, रूस दुनिया में कच्चे तेल/गैस का प्रमुख निर्यातक है, अगर पश्चिमी देश रूसी निर्यात पर बड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाते हैं, तो इससे ईंधन की कीमतों में भारी वृद्धि हो सकती है। विश्व बैंक के डब्लयूआईटीएस डाटाबेस के आंकड़ों के अनुसार, ईंधन आधारित वस्तुओं का रूसी निर्यात में पचास फीसदी से अधिक हिस्सा है। यूएस एनर्जी इंफॉर्मेशन एडमिनिस्ट्रेशन (यूएस-ईआईए) के आंकड़ों से पता चलता है कि रूस वैश्विक स्तरपर कच्चे तेल उत्पादन का कम से कम दसवां हिस्सा तैयार करता है, जो मध्य पूर्व में पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) में कुल कच्चे तेल उत्पादन का लगभग आधा है।

साथियों बात अगर हम कच्चे तेल की करें तो 2 मार्च 2022 को 2014 के बाद पहली बार कच्चे तेल की कीमतों ने 110 डॉलर प्रति बैरल की सीमा को पार किया है, जो रूसी कार्रवाई का सीधा नतीजा हैं। यूरोपीय देश गैस के लिए काफी हद तक रूस पर निर्भर हैं, ऐसी आशंकाएं हैं कि इसके नतीजे लंबे समय तक दिख सकते हैं। उदाहरण के लिए, जर्मनी ने रूस के नॉर्ड स्ट्रीम 2 गैस पाइपलाइन की मंजूरी पर रोक लगा दी है। अब रूस-यूक्रेन संकट के कारण ना केवल ईंधन की कीमतें बढ़ेंगी बल्कि इसका असर दूसरी कई चीजों पर भी पड़ेगा। रूस दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण गेहूं उत्पादक देशों में से एक भी है, जिससे खाने की चीजें भी महंगी हो जाएंगी, आज हम देखें तो रूसी रूबल की कीमत भी 30 फ़ीसदी गिर गई है और अमेरिका रूसी अरबपतियों पर कुछ प्रतिबंध लगाने की सोच रहा है।

साथियों बात अगर हम भारत में वर्तमान स्थिति की करें तो, बजट का पूरा गणित बिगड़ सकता है क्यों कि भारत के पांच राज्यों में हो रहे चुनावों के बीच तेल की कमीतों को लेकर पहले से ही हल्ला मचा हुआ है,अब रूस -यूक्रेन संकट ने इस मुश्किल को और बढ़ा दिया है। पेट्रोल-डीजल की कीमतों को नवंबर 2021 से स्थिर रखा गया है, जब भारत के कच्चे तेल की कीमत 80 डॉलर प्रति बैरल थी!!! इस साल के आर्थिक सर्वेक्षण में अनुमान लगाया गया था कि अगले वित्त वर्ष में कच्चे तेल की कीमतें 70-75 डॉलर प्रति बैरल के दायरे में बनी रहेंगी,अगर कच्चे तेल की कीमतें मौजूदा स्तरों पर भी बनी रहती हैं, तो ईंधन की कीमतों में 13 रुपये प्रति लीटर से अधिक की वृद्धि करनी होगी, जब तक कि सरकार यूनियन एक्साइज ड्यूटीको कम करने या पेट्रोलियम सब्सिडी बढ़ाने के लिए तैयार नहीं होती है। इन दोनों फैसलों से बड़े पैमाने पर बजट में हुई गणना गड़बड़ा सकती है। कीमतों में भारी वृद्धि से महंगाई बढ़ेगी, आर्थिक संकट बढ़ेगा और राजनीतिक असंतोष बढ़ने की भी संभावना है?? एक अकेली रोशनी की किरण या कहें उम्मीद, भारत का विदेशी मुद्रा भंडार है, जो लगभग 630 बिलियन डॉलर (जनवरी 2021 के आंकड़ों के अनुसार) है। साथियों बात अगर हम भारतीय अर्थव्यवस्था की करें तो बड़ी मुश्किल से कोरोना महामारी और ओमिक्रान वेरिएंट से निकलने की स्थिति में आकर हमने अनलॉक की तरफ बढ़ गए थे और अपने ड्रीम मिशन 2047, मिशन 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था मिशन नए भारत की ओर बढ़ रहे थे कि फिर एक नई मानव निर्मित मुसीबत इस युद्ध के रूप में आन पड़ी है!!! हालांकि भारत का इसमें रोल नहीं है परंतु अमेरिका के साथ आर्थिक और रूस साथ सामरिक हित हैं। परंतु प्रभाव तो वैश्विक स्तरपर होता ही है। दिनांक 2 मार्च 2022 को देर रात तक टीवी चैनलों पर जारी डिबेट में विशेषज्ञों ने राय प्रकट की, ऐसा ही या इससे बद्दतर स्थिति हुई तो क्रूड ऑयल 150 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकता है, पेट्रोल डीजल 25 रुपए तक बढ़ सकते हैं, डॉलर के मुकाबले रुपया 80-85 तक जा सकता है, खान-पान तेल, खाद, एडिबल ऑयल, गैस, फ़र्टिलाइज़र की आपूर्ति में रुकावट आ सकती है, जिससे महंगाई दर तीव्रता से बढ़ने की संभावना है!!! जैसे -जैसे युद्ध के दिन आगे बढ़ेंगे हर दिन जेब पर असर पड़ेगा!!

-संकलनकर्ता लेखक - कर विशेषज्ञ, स्तंभकार, एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

क्या है होने वाला ?

लोग हैं आशंकित।
क्या है होने वाला ?
दोराहे पर दुनिया।
कौन है रखवाला ?
बैर हुआ है चरम।
रूदन करे मानवता ।।
रहे हैं जो निर्दोष।
उनकी क्या खता ?
देखते हैं जंग से।
क्या कुछ मिलने वाला ?
ताक़त का हस्तांतरण।
त्वरित दिखने वाला ?
बम और बारुद।
हैं रहे बस बोल ।।
दुनिया डर के साए में।
मन रहा है डोल ।।

कृष्णेन्द्र राय

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

शार्ट न्यूज

इटावा में साड़ों से टकरायी स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस, इंजन फेल

इटावा। दिल्ली हावड़ा रेलमार्ग पर स्थित उत्तर प्रदेश में इटावा जिले के भर्थना रेलवे स्टेशन के पास बुधवार और गुरूवार को रात्रि स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस दुघर्टनाग्रस्त होने से बाल बाल बच गयी जब बीच ट्रैक पर दो सांड़ ट्रेन से टकरा गये। भर्थना रेलवे स्टेशन अधीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि बुधवार रात्रि करीब एक बजकर 15 मिनट पर नई दिल्ली से कानपुर की ओर जा रही सुपर फास्ट स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एक्सप्रेस भरथना स्टेशन के पास दो सांड़ों से टकरा गयी जिसके चलते ट्रेन का इंजन फेल हो गया और ट्रेन डाउन लाइन पर खड़ी हो गयी। हादसे के बाद पीछे आ रही ट्रेनों हमसफर एक्सप्रेस, प्रयागराज एक्सप्रेस को लूपलाइन से धीमी गति से गुजारा गया। लोकोपायलट ने इंजन फेल होने की जानकारी ड्यूटी पर तैनात स्टेशन मास्टर को दी। स्टेशन मास्टर ने तकनीकि टीम को मौके पर भेजा और धीरे ट्रेन को वापस रेलवे स्टेशन पर डाउन लाइन पर प्लेटफार्म नंबर दो पर लाया गया। इस दौरान पीछे से आ रही रीवा एक्सप्रेस, मगध एक्सप्रेस, प्रयागराज एक्सप्रेस, पुरुषोत्तम एक्सप्रेस, नई दिल्ली बनारस एक्सप्रेस, संगम एक्सप्रेस व हमसफर एक्सप्रेस को लूपलाइन से होकर गुजारा गया। साम्हों स्टेशन से मालगाड़ी का इंजन भरथना लाया गया और उसको लगाकर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एक्सप्रेस को आगे रवाना किया गया।

कुशीनगर में ग्रामीणों के विरोध के कारण प्रभावित हुआ मतदान

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश में कुशीनगर जिले के तमकुहीराज विधानसभा में पक्के पुल के निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीणों ने मतदान का बहिष्कार किया। ग्रामीणों के विरोध के चलते करीब दो घंटे तक मतदान बाधित रहा। प्राप्त जानकारी के मुताबिक पिपराघाट के रणजीत टोला मतदान केन्द्र संख्या 320, 321 व 322 के मतदाताओं ने पक्के पुल निर्माण को लेकर मतदान का सामूहिक बहिष्कार किया था। मौके पर पहुँचे एसडीएम तमकुहीराज सीएल सोनकर ने ग्रामीणों को समझा बुझाकर मतदान के लिए तैयार किया। एसडीएम के लिखित आश्वासन पर ग्रामीण मतदान के लिए तैयार हुए है। लगभग दो घण्टे तक मतदान प्रक्रिया बाधित हुई है। उधर, तमकुहीराज तहसील अन्तर्गत विकास खण्ड दुदही क्षेत्र के ग्राम पंचायत तिवारी पट्टी स्थित प्राथमिक विद्यालय पर मतदान केन्द्र बूथ नम्बर 82 पर ईवीएम मशीन खराब होने के कारण करीब एक घंटे तक मतदान बाधित रहा। इस दौरान कतार में लगे मतदाता धैर्य के साथ अपनी बारी का इंतजार करते रहे।

मंत्री स्वाति सिंह के पति दयाशंकर के काफिले पर बलिया में हमला, मुख्तार अंसारी गिरोह पर आरोप

बलीया। योगी सरकार में मंत्री स्वाति सिंह के पति भाजपा प्रत्याशी दयाशंकर सिंह के काफिले में पर बलिया में हमला हुआ है। उनकी दो गाड़ियां क्षतिग्रस्त कर दी गई हैं। सड़क पर कार के सामने वाहन लगाकर हमला करने का आरोप लगाया गया है। दयाशंकर सिंह ने हमले के लिए माफिया और मऊ सदर से विधायक मुख्तार अंसारी के लोगों पर आरोप लगाया है। पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। बताया जाता है कि दयाशंकर सिंह अपने समर्थकों के साथ दुबहड़ थाना क्षेत्र के अखार निवासी पूर्व जिपं सदस्य पिंटू सिंह के पिता के निधन पर पूछार करने गये थे। रात करीब एक बजे भाजपा नेताओं के वाहन सड़क पर खड़े थे। आरोप है कि इसी दौरान एक वाहन इनकी गाड़ी के सामने बेड़े में खड़ा कर दिया। हमले की आशंका को देखते हुए दयाशंकर सिंह के सुरक्षा गार्ड हरकत में आ गए। तभी उक्त कार में सवार कुछ लोग भाग गए। भागते समय उन्होंने दयाशंकर व उनके साथी टुन जी पाठक के गाड़ियों को क्षतिग्रस्त कर दिया। इसकी जानकारी होते ही गांव में मौजूद बीजेपी नेता व कार्यकर्ता पहुंच गये। भाजपा समर्थको ने एक वाहन तथा उसके चालक को पकड़ लिया तथा पिटाई करने लगे। इसकी खबर मिलते ही दुबहड़ व कोतवाली के साथ ही अन्य थानों की फोर्स पहुंच गयी। इस दौरान लखनऊ में पंजीकृत एक वाहन और उसके ड्राइवर को पकड़ लिया गया। बताया जाता है कि पकड़ा गया वाहन नगर विधानसभा से सपा से चुनाव लड़ रहे प्रत्याशी नारद राय के काफिले का है और लखनऊ में पंजीकृत है। दयाशंकर सिंह ने आरोप लगाया कि जिस तरीके से कृष्णानंद राय की हत्या की गई। उसी तरीके से मेरी हत्या करने की साजिश रची गई है। मेरे साथ वाई श्रेणी की सुरक्षा है और निजी सुरक्षा गार्ड भी हैं। इस कारण से हमलावर भाग गए। जिस प्रत्याशी का वाहन है उसके संबंध मुख्तार अंसारी से हैं। इस साजिश के पीछे मुख्तार अंसारी भी हो सकते हैं। फिलहाल पकड़े गए वाहन और उसके ड्राइवर को पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सीओ सिटी भूषण वर्मा ने बताया कि वाहन पर हमला हुआ है एफआईआर पंजीकृत कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

देवरिया में बीजेपी कार्यकर्ता के पैर में उलझकर टूटा ईवीएम का तार, हंगामा, आधे घंटे ठप रहा मतदान

देवरिया। यूपी विधानसभा चुनाव के छठे चरण के तहत आज 10 जिलों की 57 सीटों पर मतदान हो रहा है। इस दौरान देवरिया जिले के देवरिया जिले की रामपुर कारखाना विधानसभा क्षेत्र के बूथ नंबर-221 पर एक बीजेपी कार्यकर्ता ने पैर में उलझकर ईवीएम का वायर टूट गया। इस पर समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं ने हंगामा कर दिया। उन्होंने इस बूथ पर दोबारा मतदान कराए जाने की मांग शुरू कर दी। हंगामे की वजह से करीब आधे घंटे तक मतदान रूका रहा। इसके बाद प्रशासन ने नई ईवीएम मशीन मंगाकर और किसी तरह कार्यकर्ताओं को समझा-बुझाकर हंगामा शांत कराया। तब जाकर मतदान शुरू कराया जा सका। मिली जानकारी के अनुसार देवरिया के रामपुर कारखाना क्षेत्र में इस बूथ पर सुबह से ही मतदाताओं की कतार लगी थी। इसी बीच भाजपा के एक कार्यकर्ता वोट देकर जैसे ही बाहर निकले, ईवीएम का तार उनके पैर में फंस गया। इससे ईवीएम नीचे गिर गई। इस पर वहां मौजूद अन्य दलों के एजेंटों और कार्यकर्ताओं ने आपत्ति कर दी। समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं ने दोबारा मतदान की मांग कर दी। जबकि प्रशासन के अधिकारियों ने उन्हें समझाया कि दूसरी ईवीएम मशीन मंगाकर मतदान कराया जाए। करीब आधे घंटे तक इस पर गतिरोध बना रहा। इसके बाद सेक्टर मजिस्ट्रेट ने समझा-बुझाकर हंगामा कर रहे कार्यकर्ताओं को मना लिया और दोबारा वोटिंग शुरू की गई।

यूक्रेनसे लौटने पर एमबीबीएस के छात्र के परिजनों में दौड़ी खुशी की लहर

मेरठ। रूस व यूक्रेन के बीच छिड़े युद्ध के बाद भारत से यूक्रेन में पढ़ाई यूक्रेन की मेडिकल यूनिवर्सिटी से लौटने पर एमबीबीएस के छात्र के परिजनों में दौड़ी खुशी की लहर गए छात्रों को भारत सरकार उन्हें वहां से निकलकर लाने का हर संभव प्रयास कर रही है। यूक्रेन से भारत आने वाले छात्रों का सिलसिला जारी है। जिसके चलते सरधना के रहने वाले मोहम्मद अफसर सिद्दीकी को भी यूक्रेन से निकालकर उसके घर पहुँचाया गया। जिसके बाद उसके परिजनों में खुशी का माहौल है। अफसर के सकुशल भारत लौटने व अपने घर पहुँचने पर प्रशासन की ओर से भी उसे फूलों का गुलदस्ता देकर स्वागत किया गया। घर लौटने पर अफ़सर सिद्दीकी से मिलने वालों का तांता लगा हुआ है और सभी मिलकर खुशी का इजहार कर रहे हैं। सरधना के मोहल्ला धर्मपुरा निवासी डॉक्टर समीउज़्ज़मा का पुत्र मोहम्मद अफ़सर सिद्दीकी वर्ष 2017 में यूक्रेन की इवानो-फ्रैंकविस्क नेशनल मेडिकल यूनिवर्सिटी मैं एमबीबीएस की पढ़ाई करने के लिए गया था। जिसकी पढ़ाई का पांचवा साल चल रहा था अचानक यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध छिड़ जाने के बाद मोहम्मद अफ़सर व उसके परिजन बहुत परेशान थे।

डबल इंजन की सरकार में डबल हुये मंहगाई भ्रष्टाचार : अखिलेश

सोनभद्र। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरूवार को कहा कि किसानो की आय दोगुनी करने का वादा करने वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की डबल इंजन की सरकार में महंगाई और भ्रष्टाचार डबल हो गया है।

हाइडल कालोनी मैदान में एक चुनावी सभा में अखिलेश ने कहा कि गरीब के अपना घर बनाना आज संभव नहीं है। स्टील से लेकर बालू,गिट्टी सब महंगी हो गयी। भाजपा के लोग बड़े बड़े लोगों का ख्याल रखते हैं मगर ग़रीबों की सुध नहीं लेते।

उन्होने कहा कि किसानो की आय दोगुनी करने की बजाय भाजपा सरकार ने खाद की बोरी में से पाँच किलो खाद चुरा लिया। यदि इस बार भाजपा सरकार में आती है तो दस किलो खाद चोरी कर लेगी। भाजपा सरकार ने गरीबों को सिलेंडर तो दे दिया लेकिन 400 रूपये के सिलेंडर का दाम बढ़ा कर 1000 रूपये कर दिया। पेट्रोल के दाम 100 रूपये के पार चले गए।

सपा अध्यक्ष ने उपस्थित जनता से पूछा क्या किसी को रोजगार मिला, नौकरी मिली,कोई कारख़ाना लगा। पिछले तीन साल से कोई भी भर्ती नहीं हुई है। भाजपा वाले अपने को दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बताते हैं लेकिन वास्तव में यह दुनिया की सबसे झूठी पार्टी है। नोटबंदी होने के बाद काला धन बाहर आ जाएगा और विदेशों से भी काला धन वापस आ जाएगा लेकिन न तो काला धन बाहर आया न ही विदेशों से पैसा आया।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने बजट में फ़्री राशन के लिए कोई राशि नहीं जारी किया है। हमारी सरकार आयी तो पाँच साल राशन फ्री, तेल और एक किलो घी भी देगी। कर्मचारियों को पेंशन और शिक्षद्य मित्रों की माँगों को पूरा किया जाएगा। जिले की सबसे महत्वपूर्ण सड़क शक्तिनगर वाराणसी मार्ग सपा ने ही बनवाया। भाजपा ने कोई विकास कार्य नहीं किया। सपा की सरकार आयी तो 300 यूनिट बिजली सबको फ्री मिलेगी और किसानों को सिंचाई के लिए मुफ़्त बिजली मिलेगी जिससे हर घर बिजली के मामले में निश्चित हो जाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुये उन्होने कहा बाबा इतने बेचैन हो गए हैं कि 12 बजे रात को ही जाग जा रहे हैं और धुँआ निकलने लग रहा है।

उम्भा कांड की चर्चा करते हुए कहा कि यदि सरकार ठीक से काम करती तो आदिवासियों की हत्या न हुई होती हमारी सरकार आने पर हर गरीब आदिवासी को वनाधिकार क़ानून के तहत ससम्मान पट्टा दिया जाएगा। सपा सरकार आने पर ऐसी तकनीकी शिक्षा दी जाएगी जिससे बीस लाख रोज़गार पैदा होंगे साथ शिक्षा विभाग में 11 लाख खाली पद भरे जाएँगे। जिले में सोन नदी पर पुल बनाने का काम होगा। सपा सरकार आने पर फ़ौज में भर्ती करायी जाएगी।

उन्होने कहा कि भाजपा का जितना बड़ा नेता उतना ही बड़ा झूठ बोलता है। चुनाव का पाँच चरण बीत चुका है जिसमें सपा नम्बर एक पर चल रही है। पहली बार ऐसा लगा कि सभी लोग भाजपा से नाराज हैं। कोरोना बीमारी के समय सरकार ने जनता का कोई ध्यान नहीं दिया ना बेड था नहीं आकसीजन केवल धोखा देने का काम किया। आज जो भी अस्पताल है वो समाजवादी पार्टी के बनवाए हुए है जिनमे जनता को सेवा मिल रही है।

तैयारियां तेज, 20 मार्च से पिलायी जाएगी बच्चों को 'दो बूंद जिंदगी की'

सहारनपुर। जनपद में 20 मार्च से पल्स पोलियो अभियान शुरू होगा, इसके तहत शून्य से पांच साल तक के बच्चों को 'दो बूंद जिंदगी की' पिलायी जाएगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डा. संजीव मांगलिक ने बताया-शासन के निर्देश के अनुसार पोलियो अभियान के लिए तैयारियां की जा रही हैं। जनपद में कोविड लगभग पूरी तरह काबू में है।

जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा. सुनील वर्मा ने बताया आंकड़ों के अनुसार जिले में पोलियो ड्रॉप पीने वाले लक्षित बच्चों की संख्या करीब डेढ़ लाख है। हालांकि अभी माइक्रोप्लान तैयार होने के बाद ही लाभार्थी बच्चों की सही संख्या स्पष्ट हो पाएगी। शासन की ओर से 23 जनवरी, 2022 से यह राउंड चलाने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन उस दौरान पूरे प्रदेश में कोरोना संक्रमण बहुत तेजी से फैल रहा था जिसके चलते अभियान को स्थगित कर दिया गया। अब शासन ने 20 मार्च से पोलियो मॉपअप राउंड चलाने के निर्देश दिए हैं। जिले में डेढ़ लाख से अधिक बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाई जानी है। विभाग इसके लिए तैयारियों में जुट गया है। इसके साथ ही सात मार्च से मिशन इंद्रधनुष 4.0 शुरू हो रहा है। इस विशेष अभियान के दौरान नियमित टीकाकरण से छूटे दो वर्ष तक के बच्चों और गर्भवती को टीके लगाए जाएंगे। सघन मिशन इंद्रधनुष अभियान में शून्य से दो वर्ष तक के बच्चों को बीसीजी, ओपीवी, पेंटावेलेंट, रोटा वैक्सीन, आईपीवी, मीजल्स, विटामिन.ए, डीपीटी बूस्टर डोज, मीजल्स बूस्टर डोज और बूस्टर ओपीवी, पीसीवी के टीके लगाए जाएंगे।

प्रियंका ने बनाया कबीर चौरा मठ को अपना ठिकाना

वाराणसी। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के सांतवें और अंतिम चरण में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता अपने पूरे दम खम के साथ चुनाव प्रचार में जुटे हैं वहीं कांग्रेस महासचिव ने वाराणसी स्थित कबीर चौरा मठ को अगले तीन दिन के लिये अपना ठिकाना बनाया है।

कांग्रेस महासचिव की इस रणनीति को अति पिछड़ी जातियों एवं दलितों के बीच पैठ बनाने की कोशिश माना जा रहा है। सातवें चरण में जिन क्षेत्रों में चुनाव होना है वहां दलित पिछड़ी जाति के मतदाताओं की संख्या अच्छी खासी है और इनमें संत कबीरदास के अनुयायियों की खासी तादाद है।

बुधवार शाम यहां पहुंची प्रियंका ने गुरूवार सुबह कबीरदास की मूलगादी में दर्शन किए एवं वहां मौजूद महंत से कबीरदास की स्मृतियों को साझा किया। उन्होंने कबीर के पालनहार माता-पिता नीरू-नीमा की समाधि के दर्शन किये और मठ में स्थित कबीर के बचपन और उनके व्यवसाय से जुड़ी पुरानी सामग्रियों को भी देखा।

कबीरचौरा संगीत का वैश्विक केंद्र है। उत्तर भारतीय शास्त्रीय संगीत की तीन प्रमुख विधाओं क्लैसिकल गायकी, कथक नृत्य और तबले की सिद्धपीठ भी है। कबीरचौरा की संकरी जनाकीर्ण गलियों से होते हुए प्रियंका अपने चुनिंदा सहयोगियों के साथ गायन, वादन और नृत्य के तीनों अंगों के तीन प्रतिनिधि परिवारों तक पहुँची। पद्मविभूषण दिवंगत पंडित किशन महाराज के पुत्र पंडित पूरन महाराज और उनके शिष्यों और परिचितों से मिलीं और कुछ देर तक तबले के बोल सुनती रहीं। बाद में प्रियंका ने बनारस घराने के गायन, वादन और कथक की तीन पीठों पर सिर नवाया।

गौरतलब है कि संत कबीरदास की शिक्षाओं, संदेशों एवं स्मृतियों का केंद्र कबीर चौरा मठ है जहां संत कबीर दास जी ने यहीं अपना जीवन बिताया था। देश भर के कबीरपंथियों और कबीरदास को मानने वाले लोगों के लिए कबीर चौरा मठ एक मुख्य आकर्षण का केंद्र है। 1934 में महात्मा गांधी जी का भी इस मठ में आगमन हुआ था।

पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के मुताबिक वाराणसी में कबीर चौरा मठ को अपना ठिकाना बनाकर प्रियंका गांधी ने एक बहुत बड़ा राजनीतिक संदेश दिया है। संत कबीर दास के सामाजिक न्याय एवं समानता के संदेश से उत्तरप्रदेश का दलित एवं अति पिछड़ा वर्ग बहुत जुड़ाव रखता है।

उत्तर प्रदेश के सांतवें फ़ेज में जहां चुनाव होना है, उन जगहों पर अति पिछड़ी जातियों एवं दलितों की संख्या अच्छी-ख़ासी है। साथ ही संत कबीरदास का सांस्कृतिक महत्व भी बहुत है।

पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि कांग्रेस महासचिव ने दलित व अति पिछड़े वर्ग के अधिकारों के लिए लगातार आवाज़ उठाई है। उन्होंने अपने घोषणा पत्र में भी दलित व अति पिछड़े वर्ग के लिए काफ़ी दूरगामी परिणामों वाली घोषणाएँ की हैं। कबीर चौरा मठ का ठिकाना प्रियंका के संघर्षों और सामाजिक न्याय को मज़बूत करने के उनके प्रयासों को लेकर एक बड़ा संदेश देगा।

सातवें चरण में 28 फीसदी उम्मीदवार दागी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के सातवें और अंतिम चरण में 28 फीसदी उम्मीदवार किसी न किसी आपराधिक वारदात में लिप्त हैं।

इलेक्शन वॉच एसोसिएशन फ़ॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म ने सातवें चरण में चुनाव लड़ने वाले 613 में से 607 उम्मीदवारों के शपथपत्रों का विश्लेषण किया है जो 54 निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ रहे है। इनमे से 170 यानी 28 फीसदी उम्मीदवारों ने अपने ऊपर आपराधिक मामले घोषित किये है वहीं 131 गंभीर आपराधिक मामलों में लिप्त पाये गये हैं।

आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों में से सबसे अधिक समाजवादी पार्टी (सपा) के है जबकि दूसरे नंबर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और तीसरे पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के प्रत्याशी हैं। सपा के 45 में से 26, बीजेपी के 47 में से 26 , बसपा के 52 में से 20 और काग्रेस के 54 में से 20 उम्मीदवार दागी हैं।

सातवें चरण में उम्मीदवारों द्वारा घोषित आपराधिक मामलों में पहले स्थान पर प्रगतिशील मानव समाज पार्टी से विजय मिश्रा हैं जो भदोही के ज्ञानपुर विधानसभा सीट से उम्मीदवार हैं जिनके ऊपर 24 मामले दर्ज हैं , दूसरे स्थान पर गाजीपुर विधान सभा सीट से बसपा के राज कुमार सिंह गौतम हैं जिनके ऊपर 11 मामले और तीसरे स्थान पर कांग्रेस के वाराणसी में पिंडर विधानसभा क्षेत्र से अजय है जिनके ऊपर 17 मामले दर्ज है।

सातवें चरण में 54 में से 35 यानी 65 फीसद संवेदनशील निर्वाचन क्षेत्र है, जहाँ तीन या उससे अधिक उम्मीदवारों ने अपने ऊपर आपराधिक मामले घोषित किये है। इस चरण में 36 फीसदी उम्मीदवारों के पास एक करोड़ अथवा उससे ज्यादा की संपत्ति हैं। बीजपी के 85 फीसदी उम्मीदवार करोड़पति है जबकि सपा के 82,बसपा के 79 और कांग्रेस के 41 फीसदी उम्मीदवारों के पास अकूत संपत्ति है।

सातवें चरण में 37 फीसदी उम्मीदवारो की उम्र 25 से 40 वर्ष के बीच हैं, जबकि इस चरण के चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों में से 12 फीसदी हिस्सेदारी महिलाओं की है।

सिद्धार्थनगर में थानेदार पर लगा एक पार्टी के पक्ष में मतदान कराने का आरोप

सिद्धार्थनगर। यूपी विधानसभा चुनाव के छठे चरण के लिए 10 जिलों की 57 सीटों पर मतदान हो रहा है। इस बीच सिद्धार्थनगर में एक थानेदार पर एक पार्टी के पक्ष में मतदाताओं पर दबाव डालने का आरोप लग गया। इस पर एसपी ने थानेदार को थाने में रहने की हिदायत दी है। थानेदार से कहा गया है कि मतदान खत्म होने तक जब तक बहुत जरूरी न हो क्षेत्र में न जाएं जिससे किसी को आरोप लगाने का मौका न मिले।मिली जानकारी के अनुसार सिद्धार्थनगर के शिवनगर डिडई थाने के थानेदार अभिमन्यु सिंह पर समाजवादी पार्टी नेताओं ने एक पार्टी विशेष के प्रत्याशी के पक्ष में मतदाताओं पर दबाव डालने का आरोप लगाया। डुमरियागंज से सपा प्रत्याशी सैय्यदा खातून की ओर से निर्वाचन आयोग से शिकायत की गई कि थानेदार बूथों पर घूमकर मतदाताओं पर एक पार्टी के पक्ष में मतदान करने का दबाव बना रहे हैं। इससे चुनाव प्रभावित हो रहा है। शिकायत में कहा गया कि थानेदार की वजह से मतदाता बूथ पर जाने से कतरा रहे हैं। थानेदार के खिलाफ चुनाव आयोग से कुछ चार शिकायतें की गईं। इस पर पुलिस अधीक्षक डा.यशवीर सिंह ने थानेदार को मतदान खत्म होने तक थाने में ही रहने की हिदायत दी। इसके साथ ही उन्होंने शिकायत की जांच के लिए दो सदस्यीय टीम गठित की है।

शिकायत पर कार्रवाई करते हुए प्रशासन ने तत्काल रिटर्निंग आफिसर और ज्वाइंट मजिस्ट्रेट बांसी जगप्रवेश और सीओ बांसी देवीगुलाम को मौके पर भेजा। थानेदार को फिलहाल थाना परिसर में ही रहने को कहा गया है।

ठेकेदार की दबंगई से आवागमन बाधित, राहगीरों को चलना हुआ दुर्लभ

गाजीपुर। सिद्ध पीठ हथियाराम मार्ग को दबंग ठेकेदार द्वारा आवागमन रोलर लगाकर के बाधित कर दिया गया बतातेहैं कि लगभग 1 माह पूर्व बुढानपुर से हथियाराम मुख्य मार्ग पर राज्य सरकार द्वारा लोक निर्माण विभाग से मार्ग बनाया जा रहा था जिसमें गांव की एरिया में सीसी रोड बनाना था जो ठेकेदार द्वारा घटिया किस्म की सीमेंट और घटिया किस्म का बालू और सरकारी अनुपात से 3 गुना अनुपात के मटेरियल से बनाया गया जो अपनी कमी छुपाने के लिए आगामी विधानसभा चुनाव में अधिकारियों का दौरा होगा तो मेरी कमी पकड़ी जाएगी इससे निजात पाने के लिए रोड के बीचो बीच रोलर लगा कर के आवागमन अवरुद्ध करने का काम ठेकेदार द्वारा किया गया आपको बताते चलें कि 700 वर्ष पुरानी सिद्धपीठ हथियाराम मठ जहां दूरदराज से शिवरात्रि के पावन पर्व पर श्रद्धालुओं का आवागमन रहता है।

फ्रैक्चर बायें पैर में, ऑपरेशन कर दिया दायें पैर का

आगरा। उत्तर प्रदेश में आगरा जिले के यमुना पार क्षेत्र में स्थित एक निजी अस्पताल में डाक्टरों की लापरवाही का मामला सामने आया है जहां मरीज के बायें पैर में फ्रैक्चर हुआ था, लेकिन चिकित्सकों ने उसके दायें पैर का ऑपरेशन कर दिया।

ऑपरेशन के बाद भी दर्द बन्द न होने और कमलानगर स्थित दूसरे चिकित्सा केंद्र पर सीटी स्कैन कराने पर असलियत का पता चला। इस पर मरीज के परिजनों ने यमुना पार के नर्सिंग होम पहुंचकर हंगामा कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस और जिला चिकित्सा अधिकारियों की टीम अस्पताल पर पहुंच गई और पूरे मामले की पड़ताल शुरू कर दी।

जिले के थाना खंदौली क्षेत्र में स्थित गांव शेरखां निवासी योगेंद्र सिंह (28) पिछली 23 जनवरी को आगरा-मथुरा राजमार्ग पर ट्रक की टक्कर से घायल हो गया था। उसके बायें पैर में फ्रैक्चर हुआ था। वह कई दिनों तक इलाज कराता रहा। आखिर में चिकित्सकों ने उसे ऑपरेशन के लिए बोला तो 23 फरवरी को वह सड़ाना हॉस्पिटल, रामबाग (थाना एत्मादुद्दौला) में भर्ती हो गया।

योगेंद्र का आरोप है कि अस्पताल में उसके बायें पैर की जगह दायें पैर का ऑपरेशन कर दिया गया। उस वक्त वह बेहोश था इसलिए पता नहीं चला। जब होश आया तो देखा कि चिकित्सकों ने सही पैर का ऑपरेशन कर उसके दूसरे पैर को भी खराब कर दिया है। इस घोर लापरवाही को लेकर हॉस्पिटल के अन्य मरीज भी हतप्रभ रह गए। मामले की सूचना किसी ने 112 नम्बर पर पुलिस को दे दी। पुलिस मौके पर पहुंचकर पूछताछ शुरू कर दी।

मरीज की पत्नी रेखा ने बताया कि ऑपरेशन के बाद भी उसके पति को दर्द हो रहा था। कई दिन तक दर्द बंद नहीं हुआ तो कमलानगर के ओजस हॉस्पिटल सीटी स्कैन कराया तब जानकारी हुई कि जिस पैर में ऑपरेशन हुआ है उसमें कोई फ्रैक्चर नहीं है। दूसरे पैर में फ्रैक्चर है, जिसका ऑपरेशन नहीं हुआ है। अब हॉस्पिटल स्टाफ कोई कार्रवाई न करने के लिए दबाव बना रहा है। मौके पर चिकित्सा अधिकारयों की टीम भी पहुंच गई है।

कुशीनगर : स्वामी प्रसाद मौर्य के बेटे के खिलाफ केस

अशोक मौर्य को चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक जिले की सीमा में न आने की हिदायत दी गई

एजेंसी

कुशीनगर। कुशीनगर की फाजिलनगर विधानसभा सीट से सपा प्रत्याशी स्वामी प्रसाद मौर्य के बेटे अशोक मौर्य के खिलाफ पुलिस ने विशुनपुरा थाने में आदर्श आचार संहिता के आरोप में केस दर्ज कर लिया है। पुलिस ने रात में ही पुलिस ने अशोक मौर्य को धारा 41(1) की नोटिस देते हुए उन्हें जिले की सीमा से बाहर भेज दिया था। अशोक मौर्य को चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक जिले की सीमा में न आने की हिदायत दी गई है। एसपी सचिन्द्र पटेल ने इसकी पुष्टि करते हुए मीडिया को बताया कि चुनाव प्रक्रिया तक उन्हें जिले की सीमा में प्रवेश न करने को कहा गया है।

गौरतलब है कि फाजिलनगर विधानसभा क्षेत्र में रुपये बांटने की सूचना पर एसडीएम और सीओ तमकुही राज ने स्वामी प्रसाद मौर्य के बेटे अशोक मौर्य को पकड़कर विशुनपुरा थाने में बैठा दिया था। डीएम ने बताया कि सूचना मिली थी कि कुछ बाहरी लोग फाजिलनगर विधानसभा क्षेत्र में घूम रहे हैं और मतदाताओं को प्रलोभन देने के रुपये बांट रहे हैं। उन्होंने एसडीएम व सीओ को जांच के लिए भेजा। देर शाम जब एसडीएम व सीओ विशुनपुरा पुलिस के साथ दुदही टैक्सी स्टैंड पर नंद किशोर कुशवाहा के यहां पहुंचे तो वहां अशोक मौर्य मिले। उनके पास मतदाता सूची थी। उनसे पूछा गया कि वह बाहरी व्यक्ति हैं, यहां क्या कर रहे हैं तो वह संतोषजनक कारण नहीं बता सके। पुलिस ने उन्हें थाने पहुंचा दिया। डीएम ने आगे की जांच के लिए मुख्यालय से टीम भेजी थी। इसके बाद अशोक को जिले की सीमा से बाहर भेज दिया गया। बताया गया कि चुनाव से 48 घंटे पहले यदि कोई बाहर विधानसभा क्षेत्र में है तो क्षेत्र छोड़ देना होता है।

अशोक के साथ सात-आठ और लोग थे, सभी बाहरी हैं। किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है।

बता दें कि मंगलवार को सपा व

भाजपा के काफिले आमने-सामने हो गए थे। इस दौरान दोनों पक्षों में विवाद हुआ और मारपीट के दौरान जमकर पथराव किया गया। दोनों काफिले में शामिल कई गाड़ियों के शीशे टूट गए थे। इस मामले में भी पुलिस अभी जांच कर रही है।

स्वामी प्रसाद ने लगाया लोकतंत्र को कुचलने का आरोप

इस मामले को लेकर सपा प्रत्याशी स्वामी प्रसाद मौर्य ने योगी सरकार पर लोकतंत्र को कुचलने और उत्पीड़न करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मेरे बेटे अशोक मौर्य को अनावश्यक थाने में बिठाकर मानसिक उत्पीड़न किया गया। मेरे चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश की गई। गांव में भ्रमण और पैसा बांटने का आरोप लगाना भी सत्ता पक्ष की ही साजिश है।

स्वामी प्रसाद मौर्य के अनुसार उनके बेटे अशोक किसी काम से कहीं और जा रहे थे। उन्हें जानबूझकर पकड़ा गया है। उन्होंने कहा कि कहीं आना-जाना आचार संहिता का उल्लंघन नहीं कहा जा सकता।

केस दर्ज करने के बाद जुटा रहे डिजिटल साक्ष्य

फाजिलनगर विधान सभा क्षेत्र के चाफ में सपा व भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच हुए विवाद, मारपीट व पथराव के मामले में दोनों ओर से मिली तहरीर पर केस दर्ज करने के बाद पुलिस ने दोनों ओर से लगाए गए आरोपों की जांच शुरू कर दी है।

सच्चाई सामने लाने के लिए डिजिटल साक्ष्य (वीडियो व ऑडियो क्लिप आदि) जुटाए जा रहे हैं। मंगलवार को सपा व भाजपा के काफिले आमने-सामने हो गए थे। इस दौरान दोनों पक्षों में विवाद हुआ और मारपीट के दौरान जमकर पथराव किया गया।

दोनों काफिले में शामिल कई गाड़ियों के शीशे टूट गए थे। घटना के बाद सपा प्रत्याशी स्वामी प्रसाद मौर्य ने एक ओर तो दूसरी ओर भाजपा प्रत्याशी सुरेन्द्र सिंह कुशवाहा ने समर्थकों के साथ धरना देना शुरू कर दिया। भारतीय जनता पार्टी के दुदही मंडल अध्यक्ष दीपराज खरवार ने अपनी तहरीर में लिखा है कि मैं पार्टी व प्रत्याशी द्वारा आयोजित रैली को अपने मंडल में घुमा रहा था। काफिला चाफ के खलवा पट्टी मजरे में पहुंचा था कि घात लगाकर सुनियोजित तरीके से हमारे काफिले पर अशोक मौर्य, संघमित्रा मौर्य, मनोज, विवेक कुशवाहा, रामजी कुशवाहा, विकास कुशवाहा, प्रमोद कुशवाहा, अरुण कुशवाहा, जयप्रकाश यादव तथा सैकड़ों समर्थकों ने लाठी डंडा तथा असलहे से जानलेवा हमला कर दिया।

कुशीनगर की सभी 7 सीटों पर शान्ति पूर्वक हुआ मतदान

कुशीनगर। जिला निर्वाचन अधिकारी एस0 राजलिंगम, पुलिस अधीक्षक सचिन्द्र पटेल ने आज प्रातः बेलवा बुजुर्ग के प्राथमिक विद्यालय पहुंच कर अपने मताधिकार का प्रयोग किया, तथा आमजन व मीडिया बंधुओं के माध्यम से समस्त जनपदवासियों से अपने मत का प्रयोग करने की अपील की, ततपश्चात जनपद में हो रहे विधानसभा चुनाव को सकुशल संपन्न कराए जाने के दृष्टिगत भ्रमणशील रह कर विधानसभा पड़रौना के बालिका इंटरमीडिएट कॉलेज, सरपतही खुर्द, मैलानगरी, विधानसभा रामकोला के विभिन्न मतदान केंद्रों, विधान सभा कुशीनगर के टेकुआटार, कसया स्थित विभिन्न मतदान केंद्रों व हाटा के विभिन्न मतदान केंद्रों/ बूथ का निरीक्षण कर पीठासीन अधिकारी एवं मतदाताओं से व्यवस्थाओं के विषय में जानकारी प्राप्त किया। डीएम व एसपी ने उपस्थित मतदाताओं एवं पोलिंग एजेंटों से शांतिपूर्ण मतदान करने एवं कराने में सहयोग की अपील किया।

शार्ट न्यूज

पॉकेट एफएम ने जुटाई 6.5 करोड़ डॉलर की पूंजी

नयी दिल्ली। ऑडियो ओटीटी प्लेटफॉर्म पॉकेट एफएम निवेशकों के एक समूह से फंडिंग के सीरीज सी राउंड में 6.5 करोड़ डॉलर की पूंजी जुटाने में सफल रही है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि फंडिंग का नेतृत्व गुडवाटर कैपिटल, नेवर और मौजूदा निवेशक टैंगलिन वेंचर पार्टनर्स ने किया है। जुटाई गई पूंजी का इस्तेमाल इसकी नेतृत्वकारी स्थिति मजबूत करने, नई भाषाओं में विस्तार करने, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस क्षमताओं में निवेश करने और सबसे बड़े ऑडियो क्रिएटर कम्युनिटी के निर्माण में निवेश करने में किया जाएगा। पॉकेट एफएम ने अपनी स्थापना के तीन वर्षों के भीतर खुद को अग्रणी ऑडियो कंपनियों में से एक के रूप में स्थापित कर लिया है। यह प्लेटफॉर्म 8 भाषाओं (हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम, बांग्ला, अंग्रेजी, कन्नड़ और मराठी) में लंबे प्रारूप वाला कंटेंट, ऑडियो श्रृंखला, कहानियां, उपन्यास, पॉडकास्ट, और नॉलेज शो के 100,000 से अधिक घंटे की सामग्री प्रदान करता है। पांच करोड़ से अधिक यूजर और 3 अरब से अधिक मासिक लिसनिंग मिनटों के साथ, पॉकेट एफएम विश्व स्तर पर अग्रणी ऑडियो ओटीटी प्लेटफार्म में से एक है।

ईडी ने बीईएल के अधिकारी की चार संपत्तियां कुर्क की

नयी दिल्ली। वित्त मंत्रालय के अंतर्गत आनेवाली जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लि. (बीईएल) के एक सहायक प्रबंधक पर गबन के मामले में कार्रवाई करते हुए उसकी 2.36 करोड़ रुपए की अचल संपत्ति कुर्क की है। ईडी ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि बीईएल के सहायक प्रबंधक दारा प्रसाद के खिलाफ धन शोधन निवारक अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत कार्रवाई में उनकी चार अचल संपत्तियां अस्थायी रूप से कुर्क की गयी हैं। जिनका कुल मुल्य 2.36 करोड़ रुपए बताया गया है। प्रसाद पर सरकारी सेवा में कार्यरत व्यक्ति द्वारा कुछ निजी व्यक्तियों के साथ मिलकर गबन करने का आरोप है। ईडी को पीएमएलए के तहत आरोपियों की संपत्ति अस्थायी तौर पर सीधे कुर्क करने का अधिकार है, पर एजेंसी को कुर्की पर स्थायी कुर्की के आदेश के लिए उसे विशेष अदालत की अनुमति लेने होती है।

मुंबई में आयकर छापा, दो करोड़ नकद और डेढ़ करोड़ के आभूषण जब्त

नयी दिल्ली। आयकर विभाग ने बृहणमुंबई नगर निगम (बीएमसी) के कुछ ठेकेदारों, एक प्रमुख व्यक्ति और उनके सहयोगियों के यहां की छापेमारी में दो करोड़ रुपये की अघोषित नकदी और डेढ़ करोड़ मूल्य के आभूषण जब्त किये हैं। विभाग ने आज यहां जारी बयान में कहा कि गत 25 फरवरी को यह कार्रवाई की गयी थी। यह छोपमारी 35 परिसरों पर की गयी। छापेमारी के दौरानकई दस्तावेज, डिजिटल साक्ष्य और लूज पेपर जब्त किये गये। इन साक्ष्यों से स्पष्ट पता चलता है कि इन ठेकेदारों और एक प्रमुख व्यक्ति के बीच सांठगांठ थी। इस दौरान तीन दर्जन ऐसी अचल संपत्तियों का पता चला है जिनका मूल्य 130 करोड़ रुपये से अधिक है। ये संपत्तियां इन ठेकेदारों, के नाम पर हैं या उनके सहयोगियों के नाम हैं या बेनामी है। इस दौरान यह भी पता चला है कि इसमें अंतरराष्ट्रीय हवाला लेनदेन हुआ और इसमें विदेशी क्षेत्र की अवैध धनराशि का भी उपयोग किया गया है। प्रारंभिक जाँच में पता चला है कि इन ठेकेदारों ने 200 करोड़ रुपये से अधिक की आय को छुपाया है।

चुनिंदा खाद्य तेलों में उबाल, अरहर मसूर दाल महंगी

नयी दिल्ली । रूस - यूक्रेन संकट का तत्काल समाधान होता नहीं दिखने के कारण वैश्विक बाजार में खाद्य तेलों में तेजी के बीच आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में चुनिंदा खाद्य तेलों के साथ ही अरहर दाल और मसूर दाल में में उबाल आ गयी। इस दौरान अन्य दाल दलहन के साथ ही चावल और गेहूँ में टिकाव रहा। इस दौरान गुड़ और चीनी में टिकाव रहा। तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मार्च वायदा 587 रिंगिट उबलकर 7093 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। इसी तरह मार्च का अमेरिकी सोया तेल वायदा चार सेंट की तेजी के साथ 74.72 सेंट प्रति पौंड बोला गया स्थानीय स्तर मूंगफली तेल 293 रुपये प्रति क्विंटल , वनस्पति 293 रुपये प्रति क्विंटल , सोया रिफाइंड 519 रुपये प्रति क्विंटल और पॉम ऑयल 292 रुपये प्रति क्विंटल उबल गया। इस दौरान सरसों तेल और सूरजमुखी तेल में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले स्तर पर स्थिर रहे। गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चीनी और गुड की कीमतें स्थिर रही। दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में अरहर दाल और मसूर दाल 100-100 रुपये प्रति क्विंटल उबल गयी। इस दौरान चना दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और चना के भाव यथावत रहे। अनाज : अनाज मंडी में भी स्थिरता रही। इस दौरान गेहूं और चावल के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

रेलटेल ने तमिलनाडु में एक लाख फाइबर इंटरनेट कनेक्शन का आंकड़ा छुआ

नयी दिल्ली। भारतीय रेल का उपक्रम रेलटेल ने तमिलनाडु में फाइबर टू द होम (एफटीटीएच) ब्रॉडबैंड इंटरनेट के एक लाख उपभोक्ता बना लिए हैं। इनमें से 50 फीसदी लोग दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों से हैं, जहां केवल रेलटेल की ही फाइबर इंटरनेट सेवा उपलब्ध है। रेलटेल एक विज्ञप्ति में बताया कि उसने 1650 से अधिक साझेदारों के साथ मिलकर रेलवायर ब्रांड के तहत तमिलनाडु के छोटे कस्बों और आंतरिक ग्रामीण इलाकों में सस्ती ब्रॉडबैंड इंटरनेट सेवाएं उपलब्ध कराने प्रयास कर रही है। कंपनी ने कहा है कि वर्तमान में रेलटेल की सेवा राज्य के 37 जिलों में से 36 जिलों में पहुंच चुकी है। मदुरई और कांचिपुरम में साझीदारों के साथ बातचीत कार्यक्रम में कंपनी के अध्यक्ष और प्रबंधक निदेशक (सीएमडी) पुनीत चावला ने मंगलवार को कहा, भारत के ग्रामीण इलाकों में ब्रोडबैंड और एंटरप्रेन्योरशिप के ढांचों में विस्तार के लिए रेलटेल प्रतिबद्ध है। ग्रामीण और शहरी आबादी के बीच डिजीटल खाई को जोड़ने के लिए ब्रॉडबैंड एक जरिया है। गांवों में ब्रॉडबैंड की सुविधा ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण समर्थक होगी। डिजीटल परिवर्तन में रेलटेल भूमिका का विस्तार कर रही है। कंपनी के देशभर में 4.6 लाख से अधिक ग्राहक है, इसमें से 50 प्रतिशत से अधिक कनेक्शन ग्रामीण क्षेत्र में हैं।

फरवरी के निर्यात के आंकड़ों से उत्साह, यूक्रेन संकट से चिंता

नयी दिल्ली। निर्यात जगत ने फरवरी में भारत से वाणिज्यिक वस्तुओं के निर्यात में जोरदार सुधार जारी रहने पर उत्साह प्रकट करते हुए उम्मीद जाहिर की है कि चालू वित्त वर्ष के अंत तक निर्यात पहली बार 400 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर सकता है। भारतीय निर्यात संघों के महासंघ फिओ के अध्यक्ष डॉ ए शक्तिवेल ने कहा कि फरवरी 2022 तक, लगातार 11 महीने से हर माह भारत का निर्यात 30 अरब डॉलर से ऊपर चल रहा है और %%हम इस वित्त वर्ष में 400 अरब डॉलर के निर्यात के लक्ष्य को पार करने की दिशा में बढ़ रहे हैं।%% गौरतलब है कि वाणिज्य मंत्रालय द्वारा बुधवार को जारी विदेश व्यापार के प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार इस बार फरवरी में वाणिज्य वस्तुओं का निर्यात 22.36 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 33.81 अरब डॉलर रहा। इसी दौरान आयात 34.99 वृद्धि 55.01 अरब डॉलर के बराबर रहा। डॉ शक्तिवेल ने कहा कि फरवरी में इंजिनियरिंग समान और पैट्रोलियम उत्पाद, रत्नाभूषण, कार्बनिक और अकार्बनिक रसायन, बिजली के समान, सूती धागे और कपड़े, हैंडलूम के समान, प्लास्टिक और लिनोलियम और चावल के निर्यात में अच्छी वृद्धि हुयी। भारतीय इंजिनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद (ईईपीसी इंडिया) के अध्यक्ष महेश देसाई ने कहा कि फरवरी इंजिनियरिंग वस्तुओं का निर्यात सालाना आधार पर 31 प्रतिशत बढ़कर 9.2 अरब डॉलर के बराबर रहा। उन्होंने यूक्रेन संकट पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि उसका भारत के निर्यात पर क्या असर होगा इसका आंकलन नहीं किया गया है। देसाई ने कहा, सीआईएस देशों रूस भारतीय इंजिनियरिंग समान का सबसे बड़ा बाजार है। रूस को वैश्विक स्विफ्ट प्रणाली से प्रतिबंधित कर दिए जाने से निर्यातकों को धन के भुगतान में देरी हो सकती है।

भारत केवल दुनिया का बाजार बन कर रह जाए, यह स्वीकार्य नहीं: मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत में विनिर्माण उद्योग को प्रोत्साहित करने पर बल दिए जाने के महत्व को गुरुवार को रेखांकित करते हुए कहा, यह देश केवल दूसरे देशों के सामान का बाजार बन कर रह जाए, यह स्वीकार नहीं किया जा सकता।

उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था में अभी विनिर्माण कारोबार का योगदान कम है लेकिन संभावनाएं विशाल हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि युवा और प्रतिभाशाली आबादी के जनसांख्यिकीय लाभांश, लोकतांत्रिक व्यवस्था, प्राकृतिक संसाधनों जैसे सकारात्मक कारकों के बल पर हमें दृढ़ संकल्प के साथ मेक इन इंडिया की ओर बढ़ने के लिए प्रोत्साहित होना चाहिए। श्री मोदी उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा बजट 2022-23 के प्रावधानों पर केंद्रित आन लाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। यह प्रधानमंत्री द्वारा संबोधित आठवां बजट-उपरांत वेबिनार है। इस संगोष्ठी का विषय था मेक इन इंडिया फॉर द वर्ल्ड (दुनिया के लिए करें भारत में विनिर्माण)।

मोदी ने कहा कि इस बार के बजट में आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया के लिए कई महत्वपूर्ण प्रावधान हैं। उन्होंने कहा, यह स्वीकार्य नहीं है कि भारत जैसा देश केवल एक बाजार बनकर रह जाए। उन्होंने महामारी और अन्य अनिश्चितताओं के दौरान आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान की ओर इशारा करते हुए कहा कि इससे मेक इन इंडिया का महत्व और भी बढ़ गया है। प्रधानमंत्री ने कहा, युवा और प्रतिभाशाली आबादी के जनसांख्यिकीय लाभांश, लोकतांत्रिक व्यवस्था, प्राकृतिक संसाधनों जैसे सकारात्मक कारकों के बल पर हमें दृढ़ संकल्प के साथ मेक इन इंडिया की ओर बढ़ने के लिए प्रोत्साहित होना चाहिए।

उन्होंने जीरो डिफेक्ट-जीरो इफेक्ट (त्रुटि और प्रदूषण से मुक्त) विनिर्माण के अपने आह्वान का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, अगर हम राष्ट्रीय सुरक्षा के परिदृश्य में देखें तो आत्मनिर्भर भारत और भी महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि भारत में विनिर्माण क्षेत्र का हिस्सा सकल घरेलू उत्पाद का 15 प्रतिशत है,लेकिन मेक इन इंडिया से पहले अनंत संभावनाएं हैं और हमें भारत में एक मजबूत विनिर्माण आधार बनाने के लिए पूरी ताकत से काम करना चाहिए।

मोदी ने सेमी-कंडक्टर और इलेक्ट्रिक वाहन जैसे क्षेत्रों में नई मांग और अवसरों का उदाहरण दिया, जहां निर्माताओं को विदेशी स्रोतों पर निर्भरता को दूर करने की भावना के साथ आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसी तरह, स्टील और चिकित्सा उपकरणों जैसे क्षेत्रों में भी स्वदेशी विनिर्माण के लिए ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।

प्रधानमंत्री ने बाजार में उत्पाद की उपलब्धता और उसकी तुलना में भारत में बने उत्पाद की उपलब्धता के बीच अंतर के बारे में चर्चा की। उन्होंने अपनी निराशा को दोहराते हुए कहा कि भारत के विभिन्न त्योहारों के दौरान विदेशी प्रदाताओं द्वारा सामग्रियों की आपूर्ति की जाती है, जबकि वे स्थानीय निर्माताओं द्वारा आसानी से प्रदान की जा सकती हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि %वोकल फॉर लोकल% का दायरा दिवाली पर %दीया% खरीदने से कहीं आगे जाता है।

प्रधानमंत्री ने स्थानीय उत्पादों के लिए नए गंतव्य खोजने की आवश्यकता पर बल डाला। उन्होंने निजी क्षेत्र को अनुसंधान एवं विकास पर खर्च बढ़ाने और अपने उत्पाद पोर्टफोलियो में विविधता लाने और अपग्रेड करने का आह्वान किया। 2023 को अंतरराष्ट्रीय बाजरा वर्ष घोषित करने के बारे में, प्रधानमंत्री ने कहा, दुनिया में बाजरा की मांग बढ़ रही है। विश्व बाजारों का अध्ययन करके, हमें अपनी मिलों को अधिकतम उत्पादन और पैकेजिंग के लिए पहले से तैयार करना चाहिए उन्होंने कहा, आपको वैश्विक मानकों को बनाए रखना होगा और आपको विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धा में आगे भी निकलना होगा।

फिनटेक फेस्टिवल इंडिया का आयोजन, नीति आयोग समेत 6 मंत्रालयों का समर्थन

नयी दिल्ली। देश का सबसे बड़ा फिनटेक आयोजन फिनटेक फेस्टिवल इंडिया मुंबई में चल रहा है। 1 से 3 मार्च के बीच तीन दिनों के लिए चल रहे इस कार्यक्रम को नीति आयोग समेत अन्य छह मंत्रालयों का समर्थन प्राप्त है।

आयोजकों द्वारा जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि फिनटेख फेस्टिवल इंडिया के इस डिजिटल संस्करण में सीबीडीसी, डी-फाई, डेटा एनालिटिक्स, रेगटेक, लेंडिंग जैसे विषयों पर चर्चा होगी। डिजिटल सम्मेलन में इस क्षेत्र की अनेक दिग्गज हस्तियां शामिल हो रही हैं।

एयरटेल पेमेंट्स बैंक के सीईओ अनुब्रत विश्वास ने सम्मेलन में कहा, उच्च लाभ कम मूल्य और कम लाभ उच्च मूल्य वाले उत्पादों के साथ एम्बेडेड फाइनेंस एक मजबूत खिलाड़ी के रूप में उभरता है। हालांकि हमें कुछ बातों का ध्यान रखना होगा, जिनमें लेन-देन की लागत और रफ्तार महत्वपूर्ण है। इसलिए यह जरूरी है कि प्रौद्योगिकी की गति से लेन-देन करने के अलावा, फिनटेक संगठनों को विचार की गति से लेन-देन करने का लक्ष्य रखना चाहिए। मोबिक्विक की सह-संस्थापक उपासना ताकू ने कहा, पिछले एक दशक में भारत में डिजिटल वातावरण ने अपनी मजबूत पकड़ बनाना शुरू कर दिया है। आज 20 करोड़ भारतीय डिजिटल लेन-देन कर रहे हैं, और निकट भविष्य में यह संख्या बढ़कर 70 करोड़ होने की उम्मीद है। हमारा मानना है कि वर्तमान दौर में ग्राहकों की मानसिकता तकनीकी ढांचे से जुड़े होने की बजाय सेवा और व्यावहारिक उपकरणों से अधिक जुड़ी है। मास्टरकार्ड के डिजिटल साझेदारी के उपाध्यक्ष आदित्य मूर्ति ने एमएसई उधार के बारे में विचार करते हुए कहा, भारतीय खुदरा क्षेत्र लगभग 700 अरब डॉलर है, जो अगले दो से तीन वर्षों में 1200 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है।

शेयर बाजार में गिरावट जारी, सेंसेक्स व निफ्टी 0.65 फीसदी लुढ़के

मुंबई। रूस यूक्रेन के बीच जारी जंग के बीच वैश्विक स्तर से मिले मिश्रित संकेतों के साथ ही घरेलू स्तर पर ऑटो, बैंकिंग, वित्त, पूंजीगत वस्तुओं, सीडी और एफएमसीजी जैसे समूहों में हुयी बिकवाली के कारण शेयर बाजार में आज लगातार दूसरे दिन गिरावट का रूख बना रहा।

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 366.22 अंक गिरकर 55102.68 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 107.90 अंक उतरकर 16442.95 अंक पर रहा। बीएसई में मझौली कंपनियों पर बिकवाली का दबाव दिखा जबकि छोटी कंपनियों में लिवाली देखी गयी। इससे बीएसई का मिडकैप 0.64 प्रतिशत उतरकर 23166.23 अंक पर रहा जबकि स्मॉलकैप 0.35 प्रतिशत चढ़कर 26724.09 अंक पर रहा।

बीएसई में गिरावट में रहने वाले समूहों में ऑटो 2.24 प्रतिशत, बैंकिंग 1.28 प्रतिशत, वित्त 1.10 प्रतिशत, पूंजीगत वस्तुयें 1.26 प्रतिशत , सीडी 1.22 प्रतिशत, इंडस्ट्रीयल 0.88 प्रतिशत, एफएमसीजी 0.78 प्रतिशत, रियलटी 0.49 प्रतिशत, बेसिक मटेरियल्स 0.59 प्रतिशत शामिल है। बढ़त में रहने वालों में पावर 2.20 प्रतिशत, यूटिलिटी 2.40 प्रतिशत, तेल एवं गैस 2.07 प्रतिशत, आईटी 1.12 प्रतिशत, टेक 0.93 प्रतिशत, धातु 1.13 प्रतिशत, टेलीकॉम 0.07 प्रतिशत और एनर्जी 0.03 प्रतिशत शामिल है।

वैश्विक स्तर पर ब्रिटेन का एफटीएसई 0.53 प्रतिशत, जर्मनी का डेक्स 1.02 प्रतिशत और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.09 प्रतिशत फिसल गया जबकि जापान का निक्केई 0.70 प्रतिशत और हांगकांग का हैंगसेंग 0.55 प्रतिशत चढ़ गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 453 अंकों की बढ़त के साथ 55921.44 अंक पर खुला। शुरूआती कारोबार में ही यह 55996.62 अंक के उच्चतम स्तर तक चढ़ा लेकिन बिकवाली शुरू होने पर गिरावट का रूख बना जो कारोबार के अंतिम समय तक बना रहा और इस दौरान सेंसेक्स 54931.48 अंक के निचले स्तर तक उतर गया। अंत में यह पिछले दिवस के 55468.90 अंक की तुलना में 366.22 अंक अर्थात 0.66 प्रतिशत टूटकर 55102.68 अंक पर रहा।

एनएसई का निफ्टी 118 अंकों की बढ़त के साथ 16723.20 अंक पर खुला। सत्र के दौरान यह 16768.95 अंक के उच्चतम और 16442.95 अंक के निचले स्तर के बीच रहा। अंत में यह पिछले दिवस के 16605.95 अंक की तुलना में 0.65 प्रतिशत अर्थात 107.90 अंक टूटकर 16498.05 अंक पर रहा। निफ्टी में शामिल 50 कंपनियों में से 18 बढ़त में रही जबकि 32 गिरावट लेकर बंद हुयी।

रिलायंस और सनमीना बनाएंगे इलेक्ट्रानिक मैन्युफैक्चरिंग हब

नयी दिल्ली । रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी रिलायंस स्ट्रेटेजिक बिजनेस वेंचर्स लिमिटेड (आरएसबीवीएल) और सनमीना कॉर्पोरेशन ने भारत में इलेक्ट्रानिक हब बनाने के लिए एक संयुक्त उद्यम बनाने की घोषणा की है। इसके तहत सनमीना की मौजूदा भारतीय इकाई में रिलायंस 1670 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। सयुंक्त उद्यम में रिलायंस के पास 50.1 प्रतिशत की हिस्सेदारी होगी जबकि प्रबंधन सनमीना की मौजूदा टीम के हाथों में रहेगा। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में यह जानकारी देते हुये कहा कि संयुक्त उद्यम संचार नेटवर्किंग जैसे 5जी, क्लाउड इन्फ्रास्ट्रक्चर, हाइपरस्केल डेटासेंटर को प्राथमिकता देगा। साथ ही स्वास्थ्य प्रणालियों, औद्योगिक और रक्षा तथा एयरोस्पेस जैसे उद्योगों के लिए हाई टेक्नॉलोजी हार्डवेयर बनाएगा। कंपनी ने इसे प्रधानमंत्री के 'मेक इन इंडिया' विजन के अनुरूप बताया है। संयुक्त उद्यम सनमीना के मौजूदा ग्राहकों को यह पहले की तरह सेवाएं देता रहेगा इसके अलावा एक अत्याधुनिक मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाया जाएगा, जो भारत में प्रोडक्ट डेवलेपमेंट और हार्डवेयर स्टार्ट-अप के इको-सिस्टम को बढ़ावा देगा। आरएसबीवीएल के पास संयुक्त उद्यम इकाई में 50.1 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी, जबकि शेष 49.9 प्रतिशत सनमीना के पास रहेगा। आरएसबीवीएल इस स्वामित्व को मुख्य रूप से सनमीना की मौजूदा भारतीय इकाई में नए शेयरों में 1,670 करोड़ रुपये तक के निवेश के माध्यम से प्राप्त करेगी। इस निवेश से सनमीना को अपना बिजनेस बढ़ाने में मदद मिलेगी। सभी निर्माण शुरू में चेन्नई में सनमीना के 100 एकड़ के परिसर में होंगे। भविष्य में इनका विस्तार भी किया जा सकेगा। सनमीना के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी जुरे सोला ने कहा, हम भारत में इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग कंपनी बनाने और रिलायंस के साथ साझेदारी को लेकर बेहद उत्साहित हैं। यह संयुक्त उद्यम घरेलू और निर्यात दोनों बाजारों की जरूरतें पूरा करेगा और भारत सरकार की 'मेक इन इंडिया' के लिए मील का पत्थर साबित होगा। रिलायंस जियो के निदेशक आकाश अंबानी ने कहा, भारत में हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग के महत्वपूर्ण बाजार तक पहुंच बनाने के लिए सनमीना के साथ काम करने में हमें खुशी होगी। भारत के विकास और सुरक्षा के लिए आत्मनिर्भर होना आवश्यक है। दूरसंचार, आईटी, डेटा सेंटर, क्लाउड, 5जी, न्यू एनर्जी और अन्य उद्योगों की इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग में आत्मनिर्भरता जरूरी है क्योंकि हम एक नई डिजिटल अर्थव्यवस्था में आगे बढ़ रहे हैं। इस साझेदारी के माध्यम से हम भारतीय और वैश्विक मांग को पूरा करते हुए भारत में इनोवेशन और प्रतिभा को बढ़ावा देने की योजना बना रहे हैं।

रूस यूक्रेन संकट के दबाव में कीमती धातुयें गिरावट में

मुंबई। रूस और यूक्रेन के बीच जारी लड़ाई के समाधान का मार्ग प्रशस्त नहीं होने से बने दबाव में वैश्विक बाजार में कीमती धातुओं में हुयी गिरावट के कारण आज घरेलू स्तर पर भी कीमती धातुओं पर दबाव दिखा जिससे सोना 156 रुपये और चाँदी 277 रुपये प्रति किलोग्राम उतर गयी।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोना हाजिर एक फीसदी गिरकर 1823/80 डॉलर प्रति औंस और अमेरिकी सोना वायदा 0/88 प्रतिशत गिरकर 1925/40 डॉलर प्रति औंस पर रहा। इस दौरान चाँदी हाजिर 1/29 प्रतिशत टूटकर 25/04 डॉलर प्रति औंस बोली गयी।

घरेलू स्तर पर देश के सबसे बड़े वायदा बाजार एमसीएक्स में सोना 156 रुपये की गिरावट लेकर 51660 रुपये प्रति दस ग्राम और सोना मिनी 152 रुपये गिरकर 51640 रुपये प्रति दस ग्राम पर रहा। इस दौरान चाँदी 277 रुपये टूटकर 67902 रुपये प्रति किलोग्राम पर और सोना मिनी 234 रुपये गिरकर 68048 रुपये प्रति किलोग्राम बोली गयी।

आयकर विभाग ने दूरसंचार उत्पाद, सॉफ्टवेयर कंपनी पर डाले छापे

नयी दिल्ली। आयकर विभाग ने दूरसंचार उत्पाद और सॉफ्टवेयर विकास सेवाएं प्रदान करने वाले एक बहुराष्ट्रीय समूह के दिल्ली, गुरुग्राम और बेंगलुरु के ठिकानों पर छापा मारकर सैंकड़ों करोड़ रुपए की आय छुपाने के सबूत जुटाने का दावा किया है।

वित्त मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार इस कंपनी समूह का अंतिम नियंत्रण एक पड़ोसी देश की कंपनी के हाथ में हैं।

विज्ञप्ति के अनुसार कंपनी ने समूह से संबंध विदेश की इकाइयों से तकनीकी सेवाओं के लिए बढ़ा-चढ़ाकर भुगतान किया। जबकि उन भुगतानों को प्राप्त करने वाली कंपनी कर अधिकारियों के समक्ष ऊंची दर से प्राप्त भुगतानों का औचित्य की पुष्टि नहीं कर सकी। उस कंपनी ने पांच साल में ऐसी तकनीकी सेवाओं पर 129 करोड़ रुपए का खर्च दिखाया है।

छापे में इस बात का भी सबूत मिला है कि इस समूह में हाल के वर्षों में अपने से जुड़ी इकाइयों को रॉयल्टी के रूप में 350 करोड़ रुपए का भुगतान दिखाया। आयकर विभाग ने इस तरह के भुगतान की सत्यता पर सवाल उठाए हैं और उसे व्यवसायिक खर्च मानने से इंकार किया है।

विज्ञप्ति के अनुसार छापे में इस बात का भी सबूत मिला है कि समूह से जुड़ी एक कंपनी सॉफ्टवेयर विकास सेवा ने अपने काम को हल्के किस्म का दिखाकर लाभ कम दिखा रही थी। जबकि जांच में यह दिखा कि उसका काम महंगे किस्म का है। इस कंपनी ने इस तरह से करीब 400 करोड़ रुपए की आय कम दिखायी है। आयकर विभाग का कहना है कि इस समूह ने अपने बहीखाते में संदिग्ध ऋण और अग्रिम तथा वारंटी के लिए भुगतान और पुरानी चीजों पर मुल्य की गिरावट के नाम पर भारत में अपनी कर योग्य आय छुपायी है।

विज्ञप्ति के अनुसार छापे की कार्रवाई 15 फरवरी को की गयी और इस मामले में आगे जांच चल रही है।

119वें दिन भी स्थिर रहे पेट्रोल और डीजल के दाम, अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेजी

नयी दिल्ली। रूस यूक्रेन संकट से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमत 117.18 डॉलर प्रति बैरल पहुंच जाने के बावजूद घरेलू स्तर पर आज लगातार 119वें दिन भी पेट्रोल और डीजल के दाम स्थिर रहे। कच्चे तेल की कीमतों में उछाल रूस यूक्रेन संकट के बाद ही शुरू हो गया था।

केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में क्रमश: पांच और 10 रुपये घटाने की घोषणा के बाद 04 नवंबर 2021 को ईंधन की कीमतों में तेजी से कमी आई थी। इसके बाद राज्य सरकार के मूल्य वर्धित कर (वैट) कम करने के फैसले के बाद राजधानी दिल्ली में भी वैट को कम करने का निर्णय लिया गया। इसके बाद राजधानी में 02 दिसंबर 2021 को पेट्रोल लगभग आठ रुपये सस्ता हुआ था। डीजल की भी कीमतें हालांकि जस की तस बनी रहीं। केंद्र द्वारा उत्पाद शुल्क में कटौती के बाद अधिकांश राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों ने भी पेट्रोल और डीजल पर मूल्य वर्धित कर (वैट) कम कर दिया था, जिससे आम आदमी को काफी राहत मिली थी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर न्यूयार्क में ब्रेंट क्रूड में कीमत 3.76 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 117.18 डॉलर प्रति बैरल पर थी, जबकि अमेरिकी क्रूड 3.89 प्रतिशत बढ़कर 114.90 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया था। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की नित्य प्रतिदिन समीक्षा होती है और उसके आधार पर प्रतिदिन सुबह छह बजे से नयी कीमतें लागू की जाती हैं।

देश के चार बड़े महानगरों में आज पेट्रोल और डीजल के दाम इस प्रकार रहे

महानगर	पेट्रोल	डीजल (रुपए प्रति लीटर)
दिल्ली	95.41	86.67
कोलकाता	104.67	89.79
मुंबई	109.98	94.14
चेन्नई	101.40	91.43

स्टार्ट-अप रिसमप्योर ने एटमोप्योर एयर प्यूरिफायर किये लॉन्च

नयी दिल्ली। हेल्थ एंड वेलनेस स्टार्टअप रिसमप्योनर ने एयर प्यूरिफायर की एटमोप्योर रेंज लॉन्च् करने की घोषणा की है।

स्वास्थ्य रक्षा एवं तंदुरूस्ती के उत्पाद प्रदान करने पर लक्षित रिसमप्योर ने एयर प्यूरीफायर के दो माँडल उतराने की बात कही है जिसमें मेडिकल ग्रेड हेपा 14 रेंज और एडवांस्ड ग्रेड हेपा 13 रेंज शामिल है। इनकी शुरूआती कीमत 14990 रुपये है।

रिसमप्योएर का स्वाामित्व भारत सीरम्से एंड वैक्सीन्स लिमिटेड (बीएसवीएल) के पूर्व प्रवर्तकों के पास है। बीएसवीएल अपने क्षेत्र में 4 दशकों से ज्यादा अनुभव रखने वाले अग्रणी स्वास्थ्य प्रतिरक्षा संस्थानों में से एक है।

कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि एटमोप्योर एयर प्यूरिफायर अत्याधुनिक 5 स्टेज प्यूरीफिकेशन सिस्टम से सभी प्रकार के वायुजनित खतरों को दूर करते हैं, क्योंकि इनमें बिल्टा-इन प्री-फिल्टएर , एक्टिवेटेड कार्बन फिल्टकर, '3डी अटैक' तकनीक दी गई है।

कंपनी ने कहा कि अभिनव और क्रांतिकारी '3डी अटैक' तकनीक यह सुनिश्चित करने के लिये तैयार की गई है कि घर के हर कोने की हवा सभी प्रकारों के एलर्जन्से, बैक्टीवरिया और वायरस से मुक्त रहे। '3डी अटैक' टेक्नोलॉजी में 3 शक्तिशाली तकनीकें हैं- मेडिकल ग्रेड हेपा 14 , यूवी-सी, आयोनाइज़र, जो इसे 0.3 माइक्रोन्सल जितने छोटे सभी वायुजनित कणों को हटाने के लिये एक अनूठा मेल बनाती हैं।

भारत सीरम्स एंड वैक्सीन्स लिमिटेड के पूर्व अध्यक्ष भारत दफ्तरी ने कहा, वायु प्रदूषण की स्थिति हर दिन बिगड़ती जा रही है और हम अपने घरों के भीतर भी लगातार विषैली हवा में सांस ले रहे हैं, जिसका हमें पता भी नहीं है।

शार्ट न्यूज

रूसी एथलीटों को शीतकालीन पैरालंपिक खेलों में भाग लेने से रोकना अपमानजनक

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति आवास क्रेमलिन ने अंतरराष्ट्रीय पैरालंपिक समिति (आईपीसी) के रूसी एथलीटों के पैरालंपिक खेलों में भाग लेने पर रोक लगाने के कदम को अपमानजनक बताया है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने गुरुवार को स्पूतनिक से बातचीत में कहा, बेशक स्थिति भयावह है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय पैरालंपिक समिति का यह निर्णय अपमानजनक है। मैं अन्यथा नहीं कह सकता। कल एक फैसला हुआ था, जो आज बदल गया। हम इस फैसले के लिए आईपीसी की कड़ी निंदा करते हैं। उल्लेखनीय है कि आईपीसी ने बुधवार को घोषणा की थी कि रूसी और बेलारूसी एथलीटों को बीजिंग में शीतकालीन पैरालंपिक खेलों में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी। वे तटस्थ भागीदार के रूप में खेलों में भाग ले पाएंगे, लेकिन आज आईपीसी ने कई राष्ट्रीय पैरालंपिक समितियों से खेलों में प्रतिस्पर्धा न करने की चेतावनी मिलने के बाद रूसी और बेलारूसी एथलीटों को खेलों से प्रतिबंधित कर दिया।

जूनियर महिला हॉकी पंजाब टीम के लिए 31 संभावित खिलाड़ियों का चुनाव

जालंधर/अमृतसर। आंध्र प्रदेश में 23 मार्च से शुरू हो रही 12वीं हॉकी इंडिया राष्ट्रीय जूनियर महिला हॉकी चैंपियनशिप में भाग लेने वाली पंजाब महिला हॉकी टीम के लिए पूरे पंजाब से 31 संभावित खिलाड़ियों का चयन किया गया है। पंजाब की एडहॉक कमेटी के सदस्य ओलंपियन बलविंदर सिंह शम्मी ने गुरूवार को बताया कि 12वीं हॉकी इंडिया राष्ट्रीय जूनियर महिला हॉकी चैंपियनशिप के लिए पंजाब महिला हॉकी टीम के चयन के लिए आज गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर के एस्ट्रोटर्फ हॉकी ग्राउंड में ट्रायल आयोजित किए गए। शम्मी ने बताया कि हॉकी पंजाब की एडहॉक कमेटी द्वारा गठित सिलेक्शन कमेटी क्रमशः द्रोणाचार्य अवार्डी बलदेव सिंह, सुखजीत कौर, राजबीर कौर, योगिता बाली, निर्मल सिंह और (सभी पूर्व अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी समिति) द्वारा पंजाब जूनियर महिला हॉकी टीम के लिए 31 संभावित खिलाड़ी को चुना गया है जिनमें मनप्रीत कौर, शरणजीत कौर, मनप्रीत कौर, अमरीन हामिद, चवांग तमांग, वैशाली शर्मा, अमनदीप कौर, स्नेहा सभरवाल, अंजलि पवार, समनदीप, दीपिका, पलक, संजना, सुखप्रीत कौर, खुशी, किरणप्रीत, जशनप्रीत, मुस्कानप्रीत कौर, स्वेना, सोमा, सुखवीर कौर, मिताली, सिमरनजीत, धर्मा, जैस्मीन, रूपिंदर, सुखप्रीत, माहिकप्रीत, रूपिंदर, गुंजन और दिव्या शामिल हैं। ओलंपियन शम्मी ने बताया कि इन 31 संभावित खिलाड़ियों का 15 दिन का कोचिंग कैंप आयोजित करने के बाद इन खिलाड़ियों में से पंजाब महिला हॉकी टीम का चयन किया जाएगा।

जमशेदपुर का लक्ष्य ओड़िसा पर जीत से शीर्ष स्थान को मजबूत करना

बैम्बोलिन। जमशेदपुर एफसी तालिका में अपने शीर्ष स्थान को मजबूती देने की कोशिश करेगी, जब उसका सामना शुक्रवार को बैम्बोलिन स्थित जीएमसी एथलेटिक स्टेडियम में खेले जाने वाले हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2021-22 के लीग मुकाबले में ओड़िसा एफसी से होगा। जमशेदपुर ने हैदराबाद एफसी को 3-0 से करारी शिकस्त देकर अपनी जबर्दस्त फॉर्म को जारी रखा है। उसने इस जीत से हैदराबाद को शीर्ष स्थान से हटा दिया है, जो एक महीने से अधिक समय से लीग लीडर बनी हुई थी। कोच ओवेन कोयल की टीम लगातार पांच जीत से ना केवल दमदार वापसी की है बल्कि क्लब के इतिहास में पहली बार सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया है। उसके 18 मैचों में 11 जीत और चार ड्रा से 37 अंक हैं। जमशेदपुर अपने नौ में से आठ मैच जीतकर इस समय शानदार फॉर्म में है। इस दौरान उसको एकमात्र हार बेंगलुरू एफसी से मिली थी। बुधवार रात को मुंबई सिटी एफसी पर केरला ब्लास्टर्स की जीत से जमशेदपुर का शीर्ष तीन स्थानों पर बने रहना तय हो चुका है। लेकिन कोच कोयल की निगाहें लीग दौर में अपनी टीम के प्रभुत्व को देखते हुए शीर्ष स्थान पर होगी। उधर, ओड़िसा हीरो आईएसएल 21-22 के सेमीफाइनल में नहीं पहुंच सकी लेकिन उसने पिछले खराब सीजन की तुलना में काफी सुधार किया है। क्लब ने 30 गोल के साथ किसी भी अन्य सीजन की तुलना में इस हीरो आईएसएल में अधिक स्कोर किया है। इस बार टीम ने 38 गोल खाए हैं, जो कि पिछले साल 44 गोल की तुलना में छह कम है। ओड़िसा एफसी ने हीरो आईएसएल 21-22 में तीन क्लीन शीट रखी है, जो पिछले सीजन के 2 की तुलना बेहतर है।

ईडी ने अहमद मिर्जा और अन्यों की 7.25 करोड़ रुपए की आवासीय संपत्तियों को किया कुर्क

नयी दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत पैसों के गबन के एक मामले में जम्मू-कश्मीर क्रिकेट संघ (जेकेसीए) के पूर्व कोषाध्यक्ष अहसान अहमद मिर्जा और अन्य लोगों की 7.25 करोड़ रुपए की आवासीय संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क किया। ईडी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि श्रीनगर पुलिस द्वारा भारतीय दंड संहिता की धारा 120बी, 406 और 409 (आईपीसी की धारा 120बी, 406 और 409 के लिए परि-मटेरिया) के तहत दर्ज प्राथमिकी के आधार पर ईडी ने जम्मू-कश्मीर क्रिकेट संघ (जेकेसीए) के पदाधिकारियों के खिलाफ पैसों के गबन की जांच शुरू की थी। बाद में जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय के निर्देश पर यह केस सीबीआई को स्थानांतरित कर दिया गया था और अब सीबीआई ने इस मामले में जेकेसीए के पदाधिकारियों के खिलाफ 43.69 करोड़ रुपए की हेराफेरी के आरोप में चार्जशीट दाखिल की है।प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक ईडी की अब तक की जांच में खुलासा हुआ है कि अहसान अहमद मिर्जा ने जेकेसीए के अन्य पदाधिकारियों की मिलीभगत से जेकेसीए के फंड से लगभग 51.90 करोड़ रुपए का गबन किया था और बाद में इन पैसों का इस्तेमाल अपनी निजी और व्यापारिक देनदानियों के लिए किया। इस मामले में 14.32 करोड़ रुपये की संपत्ति पहले की कुर्क की जा चुकी है। इसके अलावा दो अंतिम आदेशों के तहत अहसान अहमद मिर्जा और मीर मंजूर गजनफर की 2.46 करोड़ रुपए की चल और अचल संपत्ति और डॉ. फारूक अब्दुल्ला की 11.86 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति को कुर्क किया गया है।

कोहली ने आवारा पशुओं की मदद के लिए एंबुलेंस सेवा का उद्घाटन किया

मुंबई। अपने शानदार करियर में एक और उपलब्धि जोड़ने से पहले विराट कोहली ने विवाल्डिस एनिमल हेल्थ के सीईओ कुणाल खन्ना और आवाज- वॉयस ऑफ स्ट्रे एनिमल्स की टीम के सदस्यों के साथ बातचीत करते हुए समय बिताया। इस दौरान कोहली ने टीम के साथ बातचीत की और कुणाल के साथ भविष्य की योजनाओं और विस्तार पर चर्चा की। साथ ही उन्होंने आवारा जानवरों की मदद के लिए एम्बुलेंस सेवा का उद्घाटन भी किया। इससे पहले विवाल्डिस के समर्थन से विराट कोहली फाउंडेशन ने पिछले साल आवारा जानवरों के लिए एक पुनर्वसन और ट्रॉमा सेंटर और एम्बुलेंस सेवा शुरू की थी। उल्लेखनीय है कि भारतीय टीम शुक्रवार को मोहाली जब मोहाली में श्रीलंका के खिलाफ मैदान में उतरेगी, तो विराट कोहली अपना 100वां टेस्ट मैच खेलेंगे। इसके साथ ही वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले 12वें भारतीय क्रिकेटर बन जाएंगे।

एआईएफएफ की अनुशासनात्मक समिति ने झिंगन को जारी की चेतावनी

कोलकाता। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की अनुशासन समिति ने एटीके मोहन बागान के खिलाड़ी संदेश झिंगन को पिछले महीने केरला ब्लास्टर्स एफसी के खिलाफ इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के 66वें मैच के बाद की गई टिप्पणियों के लिए कड़ी चेतावनी जारी की है। एआईएफएफ निकाय ने हालांकि सोशल मीडिया पर खिलाड़ी द्वारा मांगी गई माफी को ध्यान में रखा है और सूचित किया है कि दोबारा ऐसी हरकत किए जाने पर उनके खिलाफ पर उचित दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

विराट के 100वें टेस्ट मैच में जीत के लिए खेलेगा भारत

मोहाली। पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान विराट कोहली के शुक्रवार को यहां 100वें टेस्ट मैच में भारतीय क्रिकेट टीम जीत के लिए खेलेगी।

विराट ने अपने अब तक के शानदार क्रिकेट करियर में कई उपलब्धियां हासिल की हैं और शुक्रवार को मोहाली के पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) स्टेडियम में वह खुद को एक विशिष्ट स्तर पर पाएंगे, जब वह 100 टेस्ट मैच खेलने वाले भारत के 12वें और दुनिया के 71वें खिलाड़ी बन जाएंगे। उनसे पहले सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, वीवीएस लक्ष्मण, अनिल कुंबले, कपिल देव, सुनील गावस्कर, दिलीप वेंगसरकर, सौरव गांगुली, इंशात शर्मा, हरभजन सिंह और वीरेंद्र सहवाग 100 से ज्यादा टेस्ट मैच खेल चुके हैं।

यकीनन एक ऑल-फॉर्मेट क्रिकेटर के लिए यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और खास कर तब, जब उसका पूरा करियर टी-20 के दौर में चला हो। सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर या यहां तक कि राहुल द्रविड़ जैसे अन्य भारतीय बल्लेबाजों के विपरीत विराट का भारत की टेस्ट टीम में अपनी जगह पक्की करने का मार्ग बेहद शानदार रहा है।

विराट के लिए इस पल को यादगार बनाने के लिए पीसीए ने खास इंतजाम किए। पीसीए ने चंडीगढ़ की कई जगहों पर कोहली को बधाई संदेश देने वाले बड़े-बड़े बोर्ड लगाए हैं। इसके अलावा आइएस बिंद्रा क्रिकेट स्टेडियम में भी कोहली को बधाई संदेश वाले बैनर लगाए गए हैं। यह भी समझा जाता है कि पीसीए द्वारा विराट का होटल से लेकर स्टेडियम तक स्वागत किया जाएगा। वहीं पीसीए की तरफ से विराट को एक सिल्वर शील्ड भी स्मृति चिन्ह के तौर पर भेंट की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि 2008 में वनडे में पदार्पण करने के बाद विराट को पहला टेस्ट मैच खेलने का मौका लगभग तीन साल बाद कैरेबियन में मिला, जब दिग्गज क्रिकेट सचिन तेंदुलकर ने दौरे को छोड़ने का विकल्प चुना। तब तक कोहली ने 50 ओवर के प्रारूप में खुद को टीम के प्रमुख बल्लेबाज के रूप में स्थापित कर लिया था, हालांकि उन्हें रेड बॉल टीम में कोई सफलता नहीं मिल रही थी। टेस्ट प्रारूप में उनकी शुरुआत उतनी अच्छी नहीं रही और उन्हें उनकी पहली श्रृंखला में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद बाहर कर दिया गया था, लेकिन वह साल के अंत में शानदार प्रदर्शन की बदौलत विदेशी दौरे में टीम का हिस्सा बने, जहां वह 300 रन के आंकड़े को पारी करने एकमात्र मेहमान बल्लेबाज बने।

भारतीय टीम की बात करें तो लगभग सभी खिलाड़ी फिट दिख रहे हैं। पिछले दिनों टीम के उप कप्तान जसप्रीत ने भी वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में सभी खिलाड़ियों के पहले टेस्ट मैच के लिए फिट और उपलब्ध होने की बात कही थी। भारतीय टीम पिछली तीन सीरीज लगातार जीत कर आ रही है। ऐसे में उसका आत्मविश्वास काफी बढ़ा हुआ है, जिसका असर प्रदर्शन में दिखेगा।

बीसीसीआई : दीप्ति, राजेश्वरी की केंद्रीय अनुबंध में ग्रेड ए में पदोन्नति

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने युवा ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा और अनुभवी भारतीय स्पिनर राजेश्वरी गायकवाड़ को 2021-22 सीजन के केंद्रीय अनुबंध में ग्रेड ए में रखने का फैसला किया है।

24 वर्षीय ऑलराउंडर दीप्ति ने पिछले कुछ समय में अच्छा फॉर्म दिखाया है, जिसके लिए उन्हें पदोन्नति मिली है। इसी तरह कर्नाटक की राजेश्वरी को भी उनके शानदार प्रदर्शन के मद्देनजर अनुबंध सूची में शीर्ष ग्रेड में शामिल किया गया है, जिसमें हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना और पूनम यादव भी मौजूद हैं। इन सभी खिलाड़ियों को बीसीसीआई की ओर से सालाना 50 लाख रुपए मिलेंगे, जबकि ग्रेड बी और ग्रेड सी खिलाड़ियों को सालाना क्रमशः 30 लाख और 10 लाख रुपए दिए जाएंगे।

बीसीसीआई ने बुधवार को शीर्ष परिषद की बैठक में वार्षिक अनुबंध के लिए 17 खिलाड़ियों को चुना, जिसमें स्नेह राणा ने ग्रेड सी में जगह बनाई, जबकि पूजा वस्त्राकर, जो पिछले साल ग्रेड सी में थीं, को बी श्रेणी में पदोन्नति मिली। वस्त्राकर एक ऑलराउंडर के रूप में भारत के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं और उन्होंने क्रिकेट में वापसी के बाद से फिनिशर के रूप में अच्छी भूमिका निभाई है।

अनुभवी मिताली राज, झूलन गोस्वामी ने ग्रेड बी में अपना स्थान बरकरार रखा है, लेकिन जेमिमा रोड्रिग्स और शिखा पांडे, जिन्हें विश्व कप टीम के लिए नहीं चुना गया था, को बी से ग्रेड सी में डिमोट (पदावनति) कर दिया गया है। स्नेह राणा ग्रेड सी में नया चेहरा हैं, जिन्होंने पांच साल के बाद पिछले जून में टीम में वापसी करने के बाद से लगातार प्रदर्शन के आधार पर ग्रेड सी में जगह बनाई है। वहीं मानसी जोशी और राधा यादव, जो पिछले साल की 19 खिलाड़ियों वाली अनुबंध सूची का हिस्सा थीं, को इस बार अनुबंध नहीं मिला है। उल्लेखनीय है कि चार मार्च से न्यूजीलैंड में शुरू होने वाले 50 ओवर के विश्व कप के साथ महिला क्रिकेट के लिए यह एक महत्वपूर्ण वर्ष है। बीसीसीआई महिला आईपीएल शुरू करने पर भी विचार कर रहा है, जिस पर हाल ही में आईपीएल की गवर्निंग काउंसिल की बैठक में चर्चा हुई थी। समझा जाता है कि अगर सब कुछ योजना के अनुसार हुआ तो बीसीसीआई की योजना अगले साल महिला आईपीएल शुरू करने की है।

महिला केंद्रीय अनुबंध

ग्रेड ए (50 लाख रुपए) : हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना, पूनम यादव, दीप्ति शर्मा, राजेश्वरी गायकवाड़।

ग्रेड बी (30 लाख रुपए) : मिताली राज, झूलन गोस्वामी, तान्या भाटिया, शैफाली वर्मा, पूजा वस्त्राकर।

ग्रेड सी (10 लाख रुपए) : पूनम राउत, शिखा पांडे, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष, हरलीन देओल, अरुंधति रेड्डी, स्नेह राणा

भारतीय महिला 10 मीटर पिस्टल टीम ने जीता स्वर्ण

काहिरा। श्री निवेथा, ईशा सिंह और रुचिता विनरकर की भारतीय महिला टीम ने यहां आईएसएसएफ निशानेबाजी विश्व कप में 10 मीटर एयर पिस्टल टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। भारत ने बुधवार को स्वर्ण पदक मैच में एंड्रिया कथरीना हेकनर, सैंड्रा रिट्ज और कैरिना विमर की जर्मनी की टीम को 16-6 से हराया। तीनों भारतीय निशानेबाजों ने पहले क्वालिफिकेशन चरण में 856 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया और 574 अंकों के साथ दूसरे क्वालिफकेशन राउंड में भी शीर्ष स्थान पर रहीं और स्वर्ण पदक मैच के लिए क्वालीफाई किया। इस बीच हालांकि सौरभ चौधरी, गौरव राणा और उचगनवे केदारलिंग बालकृष्ण की 10 मीटर एयर पिस्टल पुरुष टीम टोराची एलेसियो, मोना पाओलो और टेस्कोनी लुका की इटली की टीम से 6-16 से हार कर कांस्य पदक से चूक गई। भारत फिलहाल प्रतियोगिता में दो स्वर्ण और एक रजत सहित कुल तीन पदकों के साथ शीर्ष पर है।

हैंडबाल में हरियाणा ने हिमाचल से छीना खिताब

लखनऊ। पिछले संस्करण की उपविजेता हरियाणा ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुये 37वीं राष्ट्रीय सब जूनियर बालिका हैंडबॉल चैंपियनशिप के फाइनल में गत विजेता हिमाचल प्रदेश को 35-25 गोल से हराकर पिछली हार का हिसाब चुकता करते हुए खिताब पर कब्जा कर लिया।

केडी सिंह बाबू स्टेडियम में गुरूवार को संपन्न चैंपियनशिप में दोनों ही टीमों ने शानदार व तेज खेल का प्रदर्शन किया। मैच मे हिमाचल प्रदेश के खिलाफ हरियाणा ने बेहतर टीम कांबिनेशन और उम्दा रक्षात्मक रणनीति का प्रदर्शन किया। हरियाणा की टीम ने पहले हॉफ में 19-13 की बढ़त हासिल कर ली।

दूसरे हॉफ में दोनों ही टीमों ने आक्रामक रणनीति का सहारा लिया जिसमें भारी पड़ी हरियाणा की टीम ने अंत में जीत के साथ विजेता ट्राफी अपने नाम कर ली। वहीं पिछले संस्करण की विजेता हिमाचल प्रदेश को महत्वपूर्ण मौकों पर डिफेंस में चूक का खामियाजा भुगतना पड़ा। हरियाणा की टीम से रेणुका ने सर्वाधिक 11 गोल दागे। अनिता व सुरक्षा ने उनका पूरा साथ देते हुए 6-6 गोल किए। मंजिल ने पांच, प्रीति व पूजा ने तीन-तीन गोल व मंजिल कुमारी ने एक गोल किए। हिमाचल प्रदेश से जस्सी ने आक्रामक अंदाज दिखाते हुए अकेले ही प्रतिद्वंद्वी टीम के डिफेंस में सेंध लगाते हुए सर्वाधिक 15 गोल किए। कृतिका ने पांच, मुस्कान व पायल ने 2-2 और बबिता ने एक गोल का योगदान किया।

यूक्रेनियन आत्मसमर्पण नहीं करेंगे : ज़ेलेंस्की

कीव। रूसी आक्रमण के आठवें दिन में प्रवेश करने और इस दौरान 2,000 से अधिक यूक्रेनी नागरिकों की मौत होने की आशंका के बीच राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की ने गुरुवार को घोषणा की कि उनके लोग डरे हुए नहीं हैं, न तो वे टूटेंगे और न ही आत्मसमर्पण करेंगे।

जेलेंस्की ने अपने टेलीग्राम चैनल में कहा, उन्होंने हमें कई बार नष्ट करना चाहा लेकिन नहीं कर सके। अगर कोई यह सोचता है कि यूक्रेनियन डर जाएंगे, टूट जाएंगे या आत्मसमर्पण कर देंगे तो वह यूक्रेन के बारे में कुछ नहीं जानता। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा, घर जाओ। रूसी भाषी लोगों की रक्षा करो।

यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने बुधवार से एनरगोडार में चल रहे बड़े पैमाने पर प्रतिरोध के बारे में कहा, यह यूक्रेन के लिए एक सच्चा जन युद्ध है। कुलेबा ने कहा, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के पास इसे जीतने का कोई मौका नहीं है। हमें यूक्रेन की रक्षा करने में मदद करने के लिए भागीदारों की आवश्यकता है। विशेष रूप से हवा में। अब आसमान बंद करो!

नीपर नदी के तट पर स्थित एनरगोडार, जहां की आबादी 53,000 से कम है, में सैकड़ों लोगों ने बुधवार को रूसी सैन्य काफिले को रोकने के लिए मुख्य सड़कों को अवरुद्ध किया। एनरगोडार में यूरोप के सबसे बड़े बिजली संयंत्र व जपोरीझझिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थित है।

1600 यूक्रेनी सैन्य ठिकाने किये नष्ट : रूस

मास्को। रूस ने गुरूवार को दावा किया कि उनके सशस्त्र बलों से यूक्रेन के 1600 से अधिक सैन्य ठिकानों को बरबाद कर दिया। रूसी के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता इगोर कोनाशेनकोव ने आज दावा किया कि रूसी सशस्त्र बलों ने यूक्रेन के 1,600 से अधिक सैन्य ठिकानों को पूरी तरह से तबाह कर दिया है। कोनाशेनकोव ने संवाददाताओं को जानकारी देते हुए कहा, ऑपरेशन के दौरान कुल 1,612 लक्ष्यों को निशाना बनाया गया, जिसमें यूक्रेनी सेना के 62 कमांड पोस्ट और संचार केंद्र, 39 एस-300, बुक एम-1 और ओसा वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली तथा 52 रडार स्टेशन शामिल हैं। उन्होंने कहा कि जमीन पर 49 और हवा में 13 विमान, 606 टैंक और अन्य बख्तरबंद लड़ाकू वाहन, 67 मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर, 277 फील्ड आर्टिलरी पीस और मोर्टार, 405 विशेष सैन्य वाहन तथा 53 मानव रहित हवाई वाहनों को नष्ट किया गया।

रूस दबा रहा है मीडिया की आवाज : अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका ने रूस पर मीडिया की आवाज को दबाने और यूक्रेन पर उसके क्रूर हमले का सच छुपाकर गुमराह करने का आरोप लगाया है।

अमेरिका के विदेश विभाग की ओर से बुधवार को जारी बयान में कहा गया, रूस ने बिना किसी उकसावे की कार्रवाई के यूक्रेन पर युद्ध थोपा है और वह अब अपने घर में ही लोगों को यूक्रेन हमले से जुड़ी सही जानकारी न देने के मकसद से मीडिया की आवाज दबाने में लगा है। ऐसा करके वह सच को छिपाने का हर संभव प्रयास कर रहा है।

रूस के महाधिवक्ता ने एक मार्च को संचार प्राधिकरण रॉसकॉम नादजॉर को निर्देश दिया कि वह रेडियो इको मॉस्कोव और डोज़द टीवी के प्रसारण और उनकी वेबसाइट पर रोक लगा दे। जनता के बीच अपनी निष्पक्ष खबरों के लिए पहचाने जाने वाले इन संस्थानों पर अतिवादी गतिविधियों और हिंसा को बढ़ावा देने के साथ ही यूक्रेन में रूसी सैनिकों की कार्रवाई के बारे में जानबूझकर झूठी जानकारी साझा करने जैसे निराधार आरोप लगाये गये हैं।

बयान में कहा गया कि इको मॉसकोव अपनी स्थापना वर्ष से लेकर पिछले 32 वर्षों में अपनी निष्पक्ष ब्रेकिंग खबरों के लिए प्रसिद्ध है। कल तक रूस और इसके बाहरी इलाकों में 18 लाख लोगों के बीच यह सुना जाता था। डोज़द एक दशक से भी अधिक समय से उच्च गुणवत्ता वाली रिपोर्टिंग के लिए जाना जाता है।

रूस अपने यहां की मीडिया ही नहीं, विभिन्न सोशल नेटवर्किंग साइटों फेसबुक, इंस्टाग्राम और ट्विटर का भी गला दबाने का काम कर रही है जिसका इस्तेमाल हजारों-लाखों रूसी स्वतंत्र रूप से जानकारी हासिल करने, किसी विषय विशेष पर सहमति बनाने और एक दूसरे से साथ ही दुनिया भर के लोगों से जुड़ने के लिए करते हैं। इन संचार माध्यमों पर भी रूस ने आंशिक प्रतिबंध लगा दिया है। ऐसे में रूसी लोग यूक्रेन में उनके देश की सेना द्वारा किये गये हमले की सच्चाई से जुड़े सबूतों को कहां से और कैसे देख तथा हासिल कर पायेंगे, साथ ही वह इस तरह की जानकारी को एक दूसरे के साथ किस तरह साझा कर पायेंगे।

बयान में कहा गया कि रॉसकॉम नादजॉर और वॉयस ऑफर रशिया को धमकाया जा रहा है कि अगर रूसी हमले की रिपोर्टिंग को रोकते नहीं हैं तो उनके ऑनलाइन प्लेटफार्मों को रोक दिया जायेगा।

हमले का फैसला श्री पुतिन का था रूस का नहीं, ऐसे में रूसी नागरिकों को यह जानने का पूरा अधिकार है कि उनके देश की सरकार ने यूक्रेन पर जो युद्ध थोपा है, उसके कारण यूक्रेनी किस तरह बेवजह मारे जा रहे हैं और उनके देश को अकारण बरबाद किया जा रहा है। बयान में यह भी कहा गया, हम रूसी राष्ट्रपति पुतिन से अपील करते हैं कि विश्व के प्रति उनकी प्रतिबद्धताओं और दायित्वों को ध्यान में रखते हुए वह तुरंत प्रभाव से युद्ध को रोकें और यूक्रेन की सीमा से अपनी सेनाओं को बाहर निकालें।

यूक्रेन प्रतिरोध के बीच रूसी सैनिक आगे बढ़े

कीव। यूक्रेन सेना की ओर से भारी विरोध और रूसी सेना को भारी नुकसान पहुंचाने के दावों के बीच हमले के आठवें दिन रूस की सेना जमीन व समुद्र के जरिये काफी तेजी से यूक्रेन में आगे बढ़ रही है।

बढ़ते अंतरराष्ट्रीय अलगाव के बीच रूस ने स्वीकार किया कि इसने यूक्रेन के विरोध के चलते अपने 498 सैनिकों को खो दिया जबकि 1,597 अन्य घायल हो गये।

यूक्रेन की सेना ने कई मोर्चों पर रूस के आगे बढ़ने को स्वीकार किया लेकिन साथ ही आरोप लगाया कि लगभग सभी क्षेत्रों में विफल होने के बाद, रूसी सेना ने बड़े शहरों के आवासीय क्षेत्रों में रात की गोलाबारी की रणनीति का सहारा लिया।

रूस ने कहा कि उसके सशस्त्र बलों ने यूक्रेन के दक्षिणी शहर खेरसॉन पर पूर्ण नियंत्रण कर लिया है। रूसी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता इगोर कोनाशेनकोव ने कहा, रूसी सशस्त्र बलों की इकाइयों ने खेरसॉन के क्षेत्रीय केंद्र पर पूर्ण नियंत्रण कर लिया।

उन्होंने कहा कि नागरिक बुनियादी ढांचा, जीवन रक्षक सुविधाएं और शहरी परिवहन हमेशा की तरह वहां चल रहे हैं। साथ ही उन्होंने दावा किया कि शहर में भोजन और आवश्यक वस्तुओं की कमी नहीं है।

यूक्रेन ने कहा कि रूसी युद्धपोतों को क्रीमिया के पश्चिमी तट से आते देखा गया।

पोलिस्या दिशा में, रूसी कोजारोविची, विशोरोड, फास्टिव और ओबुखिव की बस्तियों के क्षेत्र में आक्रामक अभियान चलाने की कोशिश कर रहे थे। बोरोड्यंका, कत्युझांका और गवरोंशच्या जिलों में फील्ड लॉजिस्टिक्स शिविरों की तैनाती पर ध्यान दिया गया।

उत्तर में, रूसी यूक्रेन के चेर्निहाइव, निज़िन और सूमी, लेबेडिन और ओखूतिरका शहरों में जूझ रहे थे तथा यूक्रेन की सेना के साथ संघर्ष से बचने की कोशिश कर रहे थे जबकि राजधानी कीव के उत्तरी बाहरी इलाके तक पहुंचने की कोशिश कर रहे थे।

यूक्रेन ने कहा कि रूसी सेना का एक हिस्सा, जो युद्ध क्षमता खो चुका है, फिर से संगठित हो रहा है और ब्रोवरी और कीव की दिशा में हमला करने की कोशिश कर रहा है।

रूसी सेनाएं एनरहोदर, वासिलिव्का, टोकमक और नोवोपेट्रिवका बस्तियों के क्षेत्रों में भी आगे बढ़ रही थीं।

यूक्रेन ने कहा कि रूसियों ने बालोवने में एक छोटी लैंडिंग पार्टी को उतारा जो नष्ट हो गई।

कालासागर में रूसी बेडे के जहाज नागरिक जाहजों को निशाना बना रहे हैं और जहाजों पर सवारों को बंदी बना रहे हैं।

अमेरिका ने रूसी कुलीन वर्गों की संपत्ति जब्त करने के लिए किया टास्क फोर्स का गठन

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका ने यूक्रेन में विशेष सैन्य अभियान के जवाब में रूसी कुलीन वर्गों की संपत्ति का पता लगाने और उन्हें जब्त करने के लिए एक नया टास्क फोर्स %क्लेप्टो कैप्चर% गठित किया है। अमेरिकी न्याय विभाग ने यह जानकारी दी है। विभाग ने बुधवार को कहा, अटॉर्नी जनरल मेरिक बी गारलैंड ने आज टास्क फोर्स क्लेप्टो कैप्चर की शुरुआत की है, जो एक अंतर-एजेंसी कानून प्रवर्तन कार्य बल है। यह व्यापक प्रतिबंधों, निर्यात प्रतिबंधों और आर्थिक प्रतिवादों को लागू करने के लिए समर्पित है।

यूक्रेन पर रूस के अकारण सैन्य आक्रमण के जवाब में इसे अमेरिका ने अपने सहयोगियों और भागीदारों के साथ लगाया है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि टास्क फोर्स में अभियोजक, विश्लेषक, प्रतिबंधों, निर्यात नियंत्रण प्रवर्तन, भ्रष्टाचार विरोधी, धन शोधन और विदेशी साक्ष्य संग्रह के विभिन्न विशेषज्ञ शामिल हैं। उन्होंने कहा कि क्लेप्टो कैप्चर 26 फरवरी को अमेरिका और उसके यूरोपीय भागीदारों द्वारा स्वीकृत व्यक्तियों और कंपनियों की संपत्ति की पहचान करने और उन पर कब्जा करने के लिए घोषित ट्रान्साटलांटिक टास्क फोर्स के कामों को आगे बढ़ाएगा। उन्होंने गारलैंड का हवाला देते हुए कहा, हम उन लोगों की जांच, गिरफ्तारी और उनके खिलाफ कार्रवाई करने की पूरी कोशिश करेंगे, जो रूसी सरकार को इस अन्यायपूर्ण युद्ध को जारी रखने में मदद कर रहे हैं।

सेहत के लिए बेहद लाभदायक है नींबू पानी

नींबू पानी को अगर देशी कोल्ड्रिंक कहा जाए, तो इसमें कुछ गलत नहीं होगा। प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन और मिनरल्स से भरपूर यह पेय सेहत और सौंदर्य से जुड़े इतने फायदे देता है, जितने आप सोच भी नहीं सकते। जानिए नींबू पानी के कुछ ऐसे ही फायदे जो आपकी सेहत के लिए बेहद लाभदायक हैं -

नींबू विटामिन सी का बेहतर स्त्रोत है। साथ ही, इसमें विभिन्न विटामिन्स जैसे थियामिन, रिबोफ्लोविन, नियासिन, विटामिन बी- 6, फोलेट और विटामिन-ई की थोड़ी मात्रा मौजूद रहती है। यह खराब गले, कब्ज, किडनी और मसूड़ों की समस्याओं में राहत पहुंचाता है। साथ ही ब्लड प्रेशर और तनाव को कम करता है। त्वचा को स्वस्थ बनाने के साथ ही लिवर के लिए भी यह बेहतर होता है। पाचन क्रिया, वजन संतुलित करने और कई तरह के कैंसर से बचाव करने में नींबू पानी मददगार होता है। नींबू पानी में कई तरह के मिनरल्स जैसे आयरन, मैग्नीशियम, फास्फोरस, कैल्शियम, पोटैशियम और जिंक पाए जाते हैं।

किडनी स्टोन

नींबू पानी का स्वास्थ्य पर पड़ने वाला सबसे महत्वपूर्ण फायदा है, इसका किडनी स्टोन से राहत पहुंचाना। मुख्यरूप से किडनी स्टोन शरीर से बिना किसी परेशानी के निकल जाता है, लेकिन कुछ मामलों में यह यूरीन के बहाव को ब्लॉक कर देते हैं जो अत्यधिक पीड़ा का कारण बनता है। नींबू पानी पीने से शरीर को रिहाइड्रेट होने में मदद मिलती है और यह यूरीन को पतला रखने में मदद करता है। साथ ही यह किडनी स्टोन बनने के किसी भी तरह के खतरे को कम करता है।

डायबिटीज

नींबू पानी, हाई शुगर वाले जूस व ड्रिंक का बेहतर विकल्प माना जाता है। खासतौर से उनके लिए जो डायबिटीज के मरीज हैं या वजन कम करना चाहते हैं। यह शुगर को गंभीर स्तर तक पहुंचाए बिना शरीर को रिहाइड्रेट व एनर्जाइज करता है।

पाचनक्रिया में फायदेमंद

नींबू पानी में मौजूद नींबू का रस हाइड्रोक्लोरिक एसिड और पित्त सिक्रेशन के प्रोडक्शन में वृद्धि करता है, जो पाचन के लिए आवश्यक है। साथ ही यह एसिडिटी और गठिया के खतरे को भी कम करता है। जो लोग आमतौर पर पाचन-संबंधी समस्याओं जैसे एबडॉमिनल क्रैम्प्स, ब्लॉटिंग, जलन और गैस की समस्या आदि से परेशान होते हैं, उन्हें नियमित रूप से नींबू पानी का सेवन करना चाहिए।

कब्ज

अगर आपको कब्ज की समस्या है, तो नींबू पानी आपके लिए बेहद फायदेमंद है। प्रतिदिन सुबह गर्म नींबू पानी पिएं और पूरे दिन कब्ज की समस्या से दूर रहें।

इम्यून सिस्टम

नींबू पानी बायोफ्लेवोनॉयड, विटामिन सी और फाइटोन्यूट्रियंट्स का बेहतर स्रेत है जो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता की शक्ति बढ़ाने में मदद करता है। इसमें मौजूद आवश्यक विटामिन्स और मिनरल्स के कारण यह शरीर के एनर्जी लेवल को बढ़ाने में मदद करता है।

खराब गला

नींबू पानी को गुनगुना करके पीने से गले की खराबी या फैरिन्जाइटिस में आराम पहुंचाता है।

वजन

हर सुबह शहद के साथ गुनगुना नींबू पानी पीने से अतिरिक्त वजन आसानी से कम किया जा सकता है।

मसूड़ों की समस्या

नींबू पानी पीने से मसूड़ों से संबंधित समस्याओं से राहत मिलती है। नींबू पानी में एक चुटकी नमक मिलाकर पीने से बेहतर परिणाम मिलते हैं।

आयुर्वेद के अनुसार तेज भूख लगने पर कभी खाली पेट न खाएं ये चीजें

कभी-कभी ऐसा होता है कि हमें बहुत तेज भूख लग जाती है और हम उस वक्त हमें जो भी उपलब्ध होता है, वो खाने लग जाते हैं लेकिन ऐसा करना आपके लिए घातक हो सकता है। आयुर्वेद के मुताबिक तेज भूख लगने पर कुछ ऐसी चीजें है, जिन्हें नहीं खाना चाहिए।आइए, जानते हैं कौन-सी हैं वो चीजें-

अमरुद

अमरुद एक ऐसा फल है, जिसे अलग-अलग स्थितियों में खाने पर अलग-अलग परिणाम देखने को मिलते हैं यानी अगर आप सर्दियों में सुबह के वक्त खाली पेट अमरुद खाएंगे, तो आपको पेट दर्द की शिकायत हो सकती है। वहीं, गर्मी में खाली पेट अमरूद खाएंगे, तो यह फायदा देता है। ऐसे में आपको खाली पेट अमरूद नहीं खाना चाहिए।

सेब

सर्दियों में खाली पेट सेब खाने से बीपी बढ़ सकता है, अगर सुबह सबसे पहले यानी बिना कुछ खाए आप सेब खा लेते हैं, तो इस दिक्कत का सामना आपको करना पड़ सकता है लेकिन गर्मी में आप खाली पेट सेब खा सकते हैं।

टमाटर

टमाटर की तासीर गर्म होती है। इसे आप सर्दी के मौसम में तो खाली पेट खा सकते हैं लेकिन गर्मी के मौसम में ऐसा करने पर पेट में या सीने में जलन की समस्या हो सकती है। आपको सुबह के समय टमाटर खाने से परहेज करना चाहिए।

चाय-कॉफी

चाय या कॉफी को खाली पेट पीने से बचना चाहिए।आप चाय या कॉफी को बिस्किट, ब्रेड के साथ ले सकते हैं लेकिन खाली पेट या तेज भूख लगने पर सिर्फ चाय-कॉफी न लें, इससे आपके पेट में गैस बन सकती है।

दही

बहुत से लोग ऐसे होते हैं, जिन्हें दही फायदे की जगह पर हानि पहुंचा देती है।ऐसे में दही को सुबह के समय खाली पेट खाने से बचना चाहिए, वर्ना आपकी सेहत बिगड़ सकती है।

अमृत है आंवला 10 बेहतरीन फायदे

विटामिन-सी से भरपूर आंवला, हर मौसम में लाभदायक होता है। यह आंखों, बालों और त्वचा के लिए तो फायदेमंद है ही, साथ ही इसके और भी कई फायदे हैं, जो आपके शरीर को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करते हैं। आमतौर पर आंवले का प्रयोग अचार, मुरब्बा या चटनी के रूप में किया जाता है,लेकिन इसका अलग-अलग तरह से सेवन आपके लिए बेहद उपयोगी है। अगर आप नहीं जानते इस अनमोल फल के बारे में तो जरूर पढ़िए -

- डायबिटीज के मरीजों के लिए आंवला बहुत काम की चीज है। पीड़ित व्यक्ति अगर आंवले के रस का प्रतिदिन शहद के साथ सेवन करे तो बीमारी से राहत मिलती है।
- एसिडिटी की समस्या होने पर आंवला बेहद फायदेमंद होता है। आंवला का पाउडर, चीनी के साथ मिलाकर खाने या पानी में डालकर पीने से एसिडिटी से राहत मिलती है। इसके अलावा आंवले का जूस पीने से पेट की सारी समस्याओं से निजात मिलती है।
- पथरी की समस्या में भी आंवला कारगर उपाय साबित होता है। पथरी होने पर 40 दिन तक आंवले को सुखाकर उसका पाउडर बना लें, और उस पाउडर को प्रतिदिन मूली के रस में मिलाकर खाएं। इस प्रयोग से कुछ ही दिनों में पथरी गल जाएगी।
- रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी होने पर, प्रतिदिन आंवले के रस का सेवन करना काफी लाभप्रद होता है। यह शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण में सहायक होता है, और खून की कमी नहीं होने देता।
- आंखों के लिए आंवला अमृत समान है, यह आंखों की रौशनी को बढ़ाने में सहायक होता है। इसके लिए रोजाना एक चम्मच आंवला के पाउडर को शहद के साथ लेने से लाभ मिलता है और मोतियाबिंद की समस्या भी खत्म हो जाती है।
- बुखार से छुटकारा पाने के लिए आंवले के रस में छौंक लगाकर इसका सेवन करना चाहिए, इसके अलावा दांतों में दर्द और कैविटी होने पर आंवले के रस में थोड़ा सा कपूर मिला कर मसूड़ों पर लगाने से आराम मिलता है।
- शरीर में गर्मी बढ़ जाने पर आंवल सबसे बेहतर उपाय है। आंवले के रस का सेवन या आंवले को किसी भी रूप में खाने पर यह ठंडक प्रदान करता है। हिचकी तथा उल्टी होने की पर आंवले के रस को मिश्री के साथ दिन में दो-तीन बार सेवन करने से काफी राहत मिलेगी।
- याददाश्त बढ़ाने में आंवला काफी फायदेमंद होता है। इसके लिए सुबह के समय आंवला के मुरब्बा गाय के दूध के साथ लेने से लाभ होता है, इसके अलावा आप प्रतिदिन आंवले के रस का प्रयोग भी कर सकते हैं।
- चेहरे के दाग-धब्बे हटाकर उसे खूबसूरत बनाने के लिए भी आंवला आपके लिए उपयोगी होता है। इसका पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाने से त्वचा साफ, चमकदार होती है और झुर्रियां भी कम हो जाती हैं।
- बालों को काला, घना और चमकदार बनाने के लिए आंवले का प्रयोग होता है, इसके पाउडर से बाल धोने या फिर इसका सेवन करने से बालों की समस्याओं से निजात मिलती है

नाश्ते में इन पांच चीजों को खाने से तेजी से बढ़ता है वजन, ज्यादातर लोग करते हैं सेवन

फिटनेस पाने के लिए लोग क्या-क्या जतन करते हैं। कई सर्वे के अनुसार आप शरीर पर चर्बी होने के कारण कई बीमारियों का शिकार हो सकते हैं। ऐसे में आपको बैली फैट कम करने के साथ फिट रहने की कोशिश करनी चाहिए। खुद को फिट रखने में ब्रेकफॉस्ट का भी अहम रोल होता है, ऐसे में आपको अगर हमेशा स्लिम ट्रिम रहना है, तो ऐसी 5 चीजें हैं, जो आपको नाश्ते में बिल्कुल नहीं खानी चाहिए-

वाइट ब्रेड - ब्रेड ज्यादातर भारतीय घरों में खाई जाती है लेकिन आपको बता दें कि ब्रेड का ज्यादा सेवन करना न सिर्फ आपकी सेहत को नुकसान पहुंचाता है बल्कि इससे आपका वजन भी बढ़ता है। ऐसे में कोशिश करें कि वाइट की जगह ब्राउन ब्रेड का सेवन करे।

प्रोसेस्ड फूड - ऐसे खाद्य पदार्थों को कई बार पकने की क्रिया से गुजरना पड़ता है। साथ ही तेल, मसाले, घी होने की वजह से ये सेहत के लिए भी अच्छे नहीं होते। आपको चिप्स, पॉपकॉर्न, ड्राई फ्रूट्स, स्नैक्स आदि से दूर रहना चाहिए।

केक, कुकीज - केक और कुकीज में मैदे के अलावा घी और क्रीम का इस्तेमाल होता है, जो आपकी फिटनेस के हिसाब से बिल्कुल भी सही नहीं है इसलिए आपको नाश्ते में इन चीजों को नहीं खाना चाहिए।

नूडल्स - नूडल्स खाने में तो बहुत अच्छे लगते हैं लेकिन इसे हेल्दी ब्रेकफॉस्ट नहीं माना जा सकता है, इसी वजह से आपको नूडल्स नाश्ते में बिल्कुल नहीं खाने चाहिए।

फ्रूट जूस - आपको कोशिश करनी चाहिए कि मार्केट में उपलब्ध फ्रूट जूस बिल्कुल न पिएं बल्कि आप घर में ही फलों का जूस निकालकर पी सकते हैं। आपके पास अगर जूस की जगह फल खाने का समय है, तो नाश्ते के लिए सबसे बेहतरीन रहेगा।

पकौड़े-कचौड़ी - सुबह-सुबह तली चीजें खाना बिल्कुल भी सही नहीं है। आप पकौड़े और कचौड़ी जैसी तली हुई चीजें सुबह नहीं खाएंगे, तो आपकी सेहत के लिए अच्छा रहेगा।

आंखों को थकान से राहत देगा गुलाब जल, कम होगा तनाव

वर्क के दौरान लैपटाप का ज्यादा इस्तेमाल न केवल आपके पूरे स्वास्थ्य पर असर डालता है बल्कि इसका असर आपकी नाजुक आंखों पर भी पड़ता है।

वर्क के दौरान लैपटाप का ज्यादा इस्तेमाल किया जा रहा है, वहीं इसी के साथ ही मोबाइल के संपर्क में भी हम ज्यादा रह रहे हैं जिससे आंखों में जलन, धुंधला दिखना व खुजली जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए जरूरी है कि हम अपनी आंखों की देखभाल करें और जब भी आंखों पर दबाव महसूस करें तो स्क्रीन से दूर हो जाएं और बीच-बीच में आंखों को ठंडे पानी से भी धोते रहें। आंखों की जलन की परेशानी ज्यादा बढ़ जाती है। भले ही इस वक्त आप घर पर हैं लेकिन आंखों में जलन आप महसूस करते होंगे। इसलिए इन समस्याओं से निजात पाने के लिए आपको अपनी आंखों की सही देखभाल की जरूरत है, वहीं गुलाब जल का इस्तेमाल आपको आंखों की समस्या से निजात दिला सकता है। गुलाब जल के इस्तेमाल से आंखों को ठंडक मिलती है, साथ ही ताजगी महसूस होती है। ओवरटाइम काम करने के दौरान आंखों में तनाव महसूस होता है इसके लिए खुद को रिलेक्स करना बहुत जरूरी है। इसके लिए आप कॉटन में गुलाब जल डालें और इसे अपनी आंखों पर रखकर कुछ देर के लिए आंखों को आराम दें। गुलाब जल को आंखों में डालने से भी तुरंत राहत मिलती है, साथ ही फ्रेश महसूस होता है। अत: अपने आंखों का ध्यान रखें और समय-समय पर अपनी पलकों को झपकाते रहें।

कैसे पहचानें कि इम्यून सिस्टम है कमजोर

इम्यून सिस्टम के मजबूत होने पर हम बीमारियों से लड़ सकते हैं। यदि हमारा इम्यून सिस्टम मजबूत है तो बीमारी हम पर हावी नहीं हो सकती। अगर हमारी इम्यूनिटी मजबूत है तो यह हमें न सिर्फ सर्दी और खांसी से बचाती है बल्कि हैपेटाइटिस, लंग इंफेक्शन, किडनी इंफेक्शन सहित और कई बीमारियों से हमारा बचाव होता है। लेकिन हमारा इम्यून सिस्टम कमजोर है तो हम इसको कैसे पहचान सकते हैं, क्योंकि कई बार यह होता है इम्यून सिस्टम कमजोर तो होता है, पर हम इसे समझ ही नहीं पाते। आखिर कैसे पहचान करें कि आपका इम्यून सिस्टम कमजोर है, आइए जानते हैं।

अगर आपको लगता है कि आप बार-बार बीमार हो रहे हैं और जुकाम की शिकायत रहती है। बार-बार सर्दी हो जाना और यदि आपके आस-पास ऐसा कोई व्यक्ति है जिसे खांसी है और आपको भी इससे जल्दी खांसी या सर्दी हो जाती है तो आपका इम्यून सिस्टम कमजोर है। बदलते मौसम का आपको बीमार करना आपके कमजोर इम्यून सिस्टम को दर्शाता है। यदि आप मौसम के बदलने पर बीमार हो रहे हैं तो आपका इम्यून सिस्टम कमजोर है। व्यायाम करते समय सांसों का फूलना व जल्दी थक जाना यह कमजोर इम्यून सिस्टम की निशानी है। नींद न आना, आंखों के नीचे काले घेरे, थकान महसूस होना- यह भी कमजोर इम्यून सिस्टम की निशानी है। अगर आपको लगता है कि आप दूसरों की अपेक्षा बार-बार बीमार होते हैं, जुकाम की शिकायत रहती है, खांसी, गला खराब होना या स्किन रैशेज जैसी समस्याएं रहती हैं तो बहुत पॉसिबल है कि यह आपके इम्यून सिस्टम की वजह से हो। कैंडिडा टेस्ट का पॉजिटिव होना, बार-बार यूटीआई, डायरिया, मसूड़ों में सूजन, मुंह में छाले वगैरह भी खराब इम्यूनिटी के लक्षण हैं।